

एआई ऐप से घर बैठे मिलेगी सरकारी... 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र



टाइम 100 नेक्स्ट इंडिया लिस्ट... 11

वर्ष - 02, अंक - 230 | गाजियाबाद / रविवार 22 नवम्बर 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ-12, मूल्य - 04 रूपए

इंस्टाग्राम वीडियो देख ऑर्डर की फेयरनेस क्रीम, हो गई किडनी की गंभीर बीमारी

लड़की कई और दिक्कतों का भी कर रही सामना

मलप्पुरम (एजेंसी)। सोशल मीडिया पर इन्फ्लुएंसर्स को विभिन्न प्रोडक्ट्स प्रमोट करते आपने कई बार देखा होगा। एक ऐसा ही वीडियो देखा केरल के मलप्पुरम में रहने वाली एक 17 वर्षीय लड़की ने और इसके बाद काफी समय तक उनका इस्तेमाल किया। हालांकि उसे वीडियो में प्रमोट किए गए प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करना भारी पड़ गया।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, इस समय यह लड़की गुर्दे की गंभीर बीमारी से जूझ रही है। यह बीमारी कथित तौर पर उसी फेयरनेस क्रीम का इस्तेमाल करने के बाद हुई, जो उसने एक इन्फ्लुएंसर्स द्वारा प्रमोट किए जाने के बाद खरीदी थी। इस लड़की का इलाज कर रहे डॉक्टर्स ने शनिवार को यह जानकारी दी।

मलप्पुरम में एस्टर एमआईएमएस मदर हॉस्पिटल के डॉक्टर्स के अनुसार, लड़की ने इंस्टाग्राम इन्फ्लुएंसर्स के प्रमोशनल वीडियो देखने के बाद वह क्रीम ऑर्डर की। इस वीडियो में दावा किया गया था कि क्रीम से मुंहासे, काले धब्बे और पिगमेंटेशन दूर हो सकते हैं।



एक साल में कई बोतलें मंगवाईं

लड़की ने पत्रकारों को बताया कि उसने इंस्टाग्राम पर दिए गए एक व्हाट्सएप नंबर के जरिए विक्रेताओं से संपर्क किया और प्रोडक्ट का ऑर्डर दिया। शुरुआत में उसे यह क्रीम असरदार लगी और उसने एक साल के दौरान इसकी कई और बोतलें मंगवाईं। लड़की ने बताया कि बाद में उसे स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं होने लगीं, जिनमें अचानक ब्लड प्रेशर गिर जाना और बेहोश हो जाना शामिल था। उसके पैरों में सूजन भी आ गई थी, जिससे उसे चलने-फिरने और सीढ़ियां चढ़ने में दिक्कत होने लगी; इसके बाद वह अस्पताल गईं।

- **खून में मर्करी की मात्रा अधिक पाई गई-** लड़की का इलाज कर रहीं नेफ्रोलॉजिस्ट गौरी एस. ने पत्रकारों को बताया कि विस्तृत मेडिकल जांच में उसके खून और शरीर में पारे (मर्करी) की खतरनाक रूप से अधिक मात्रा पाई गई है। उन्होंने कहा, पारा किडनी की फिल्टर करने वाली इकाइयों को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचा सकता है। उन्होंने आगे बताया कि लड़की को 'मेम्ब्रेनस नेफ्रोपैथी' हो गई है यह किडनी से जुड़ी एक गंभीर बीमारी है, जिसका इलाज न कराने पर आगे चलकर और भी जटिलताएं पैदा हो सकती हैं। डॉक्टर ने बताया कि क्रीम की जांच में कथित तौर पर 12,500 पार्ट्स प्रति मिलियन पारा (मर्करी) पाया गया, जबकि इसकी सामान्य स्वीकार्य सीमा 1 पीपीएम से भी कम है। उन्होंने कहा कि जांच के नतीजों से पता चलता है कि पारे (मर्करी) वाले इस प्रोडक्ट के कारण ही किडनी की बीमारी हुई।
- **डर्मेटोलॉजिस्ट से सलाह लेकर ही करें स्किन प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल-** नेफ्रोलॉजिस्ट गौरी एस. ने लोगों को ऐसी क्रीमों के विज्ञापनों से सावधान रहने की सलाह दी, जो गोरा करने या त्वचा के रंग में तुरंत सुधार लाने का दावा करती हैं। उन्होंने कहा कि जिन्हें त्वचा संबंधी समस्याएं हैं, उन्हें ऐसे उत्पादों पर भरोसा करने के बजाय किसी त्वचा विशेषज्ञ (डर्मेटोलॉजिस्ट) से सलाह लेनी चाहिए और सही इलाज कराना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला

भारतीय सैनिक को लगे दुश्मन की गोली तभी मिलेगी पेंशन, ये जरूरी नहीं



नईदिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने भारतीय सेना से एक जवान से जुड़े पेंशन के मामले में ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर कोई सैनिक भूलवश दुश्मन की गोली लगे बिना भी घायल हो जाता है तो उसे वॉर इंजरी एलिमेंट के तहत पेंशन दी जाएगी। क्या भारतीय सेना के किसी भी जवान को पेंशन तभी मिलनी चाहिए, जब वह दुश्मन की गोली से घायल हो? ये सवाल इसलिए उठा, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट में ऐसी घटना को लेकर केस चल रहा था, जिसमें सेना का एक जवान पेंशन की मांग को लेकर अड़ा हुआ था। वह भूलवश अपनी ही बंदूक से चली गोली से घायल हो गया था। इस घटना के बाद वह 40 फीसदी विकलांग हो गया, लेकिन उसे वॉर इंजरी एलिमेंट (युद्ध में लगी चोट) के तहत पेंशन का हकदार नहीं माना गया। जवान इस फैसले के विरोध में सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गया, जहां सर्वोच्च अदालत ने ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए उसे पेंशन देने का फैसला सुना दिया।

दुर्घटना से लगी चोट का मामला

फैसला सुनाते हुए दो जजों की बेंच ने स्पष्ट कहा कि ऐसे मामलों में सेना के जवानों को वउंडेड बैटल कैजुअल्टी (युद्ध में घायल) माना जाएगा और गंभीर रूप से घायल सैनिक पेंशन पाने का हकदार होगा। आदेश में दो स्थितियों पर विचार किया गया। दुर्घटना से गोली या किसी टुकड़े (स्प्लिंटर) से लगी चोट, या फिर अपने ही सैनिकों की गोलीबारी से लगी चोट। दोनों ही स्थितियों में, यह चोट दुश्मन या उग्रवादियों के खिलाफ अभियान चलाने के दौरान लगनी चाहिए। मौजूदा मामला पहले पहलू, यानी दुर्घटना से लगी चोट पर आधारित है।

पेंशन दी जानी चाहिए

युद्ध में लगी चोट के तहत पेंशन पाने के लिए सेना के जवानों का दुश्मन की गोली से घायल होना जरूरी नहीं है। अगर कोई सैनिक किसी ऑपरेशन के दौरान अपनी ही बंदूक से या अपने ही साथियों की गोलीबारी से घायल हो जाता है, तो भी उसे यह पेंशन दी जानी चाहिए।

मणिपुर में जहरीली शराब से 15 की मौत

600 से ज्यादा अस्पताल में भर्ती; 2026 में 6 राज्यों में 120 से ज्यादा जानें गईं

इंफाल (एजेंसी)। *मणिपुर के चंदेल जिले में जहरीली शराब पीने से 15 लोगों की मौत हो गई है। मीडिया सूत्रों के मुताबिक, 600 से ज्यादा लोग अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती हैं। इनमें से 3 की हालत गंभीर है। स्थानीय लोगों ने बताया कि पिछले 2 से 3 दिनों में यह मामला सामने आया है। लोगों की तबीयत शराब पीने के बाद बिगड़ी। हालांकि, शराब कहां से लाई गई थी, इसकी*



पक्की जानकारी उनके पास नहीं है। साल 2026 में जहरीली शराब पीने से मध्यप्रदेश, गुजरात समेत 6 राज्यों में 120 से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है। मुख्यमंत्री युम्नाम खेमचंद सिंह ने अस्पताल पहुंचकर पीड़ितों से मुलाकात की। शिजा अस्पताल के एमडी डॉ. चेतन हुंडोंगबाम के मुताबिक, अस्पताल के सभी बेड भर गए हैं।

शराब में मेथनॉल मिलाने का शक, 10 लोग गिरफ्तार- *पुलिस के मुताबिक, प्रभावित लोगों ने जो शराब पी थी, उसे मणिपुर के काकचिंग जिले के सुगनू से खरीदा गया था। जांच में शराब में मेथनॉल मिलाए जाने की आशंका है। इस मामले में अब तक करीब 10 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि चंदेल जिले में स्थानीय स्तर पर शराब बनाने की कोई जानकारी नहीं मिली है। ऐसे में आशंका है कि दूसरे इलाकों से शराब लाकर यहां बेची गई थी। पुलिस शराब की सप्लाई करने वालों की तलाश कर रही है।*

देश के कई राज्यों में अब ठंड और कोहरे का असर बढ़ने लगा

यूपी में घना कोहरा, माउंटआबू में तापमान जीरो डिग्री

नई दिल्ली/पटना/जयपुर/ लखनऊ/ भोपाल (एजेंसी)। देश के कई राज्यों में अब ठंड और कोहरे का असर बढ़ने लगा है। यूपी के 12 जिलों में बारिश का अलर्ट है। प्रयागराज, गोरखपुर समेत कई शहरों में घना कोहरा छाया।

- **चक्रवात अकवान से ओडिशा-बंगाल सहित 4 राज्यों में बारिश; दिल्ली में हवा खराब, एक्यूआई 369 पहुंचा**



राजस्थान में भी सर्दी बढ़ रही है। माउंट आबू में शनिवार को तापमान जीरो डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। इस कारण ठिठुरन बढ़ गई है। सीकर में पारा 6.5 और जयपुर में 13.3 डिग्री रहा। हालांकि, दिन में गर्मी का असर बना हुआ है। बाड़मेर में अधिकतम तापमान 33.3 डिग्री दर्ज किया गया। चक्रवात अकवान के असर से बिहार, छत्तीसगढ़ और पश्चिम बंगाल के कई इलाकों में बारिश हो रही है। उधर दिल्ली में शनिवार सुबह हवा की गुणवत्ता यानी एक्यूआई 369 रिकॉर्ड की गई। यह गंभीर कैटेगरी में आती है।

मप्र पहाड़ी बर्फबारी की असर, ठंडक बढ़ी- वहीं पहाड़ों में बर्फबारी का असर अब मध्य प्रदेश में भी दिखाई दे रहा है। कई शहरों में न्यूनतम तापमान में 2 से 3 डिग्री की गिरावट हुई है।

बिहार में पीएम मोदी, गले मिलकर नीतीश कुमार ने किया स्वागत

- **वैशाली में 9.76 किमी लंबे 'नीतीश सेतु' का उद्घाटन किया**
- **34,470 करोड़ की 227 योजनाओं का शिलान्यास**

हाजीपुर/पटना (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार दोपहर बिहार के वैशाली में गंगा पर बने कच्ची दरगाह-बिदुपुर सिक्स लेन पुल का उद्घाटन किया। ब्रिज का नाम बिहार के पूर्व सीएम और राज्यसभा सांसद नीतीश कुमार के नाम पर 'नीतीश सेतु' रखा गया है।

पीएम 21 विभागों की 227 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इन योजनाओं की लागत 34,470 करोड़ की से ज्यादा है। पुल का नाम नीतीश कुमार के नाम पर रखने को लेकर विपक्ष लगातार सवाल उठा रही है। तेजस्वी यादव का कहना है कि पुल का नाम शहीद अक्षयवट राय के नाम पर होना चाहिए।



पीएम मोदी ने छठी मइया का नाम लेकर कही बड़ी बात

महिलाओं ने 36 घंटे का निर्जला व्रत करके परिवार समाज और जगत का कल्याण किया। छठी मइया के आशीर्वाद से ही हम आज यहां विकास का पर्व मना रहे।

- ***इस पुल से युवाओं को पढ़ाई और बुजुर्गों को दवाई में आसानी*** *- फसल, दूध-दही को बड़े बाजार में पहुंचाना आसान हो जाएगा। युवाओं को पढ़ाई में और बुजुर्गों को दवाई में बहुत आसान हो जाएगी। आज औरंगाबाद चोरदाहा सिक्स लेन का उद्घाटन हुआ है। आपका प्यार मेरे सिर आंखों पर। मेरे पास कम समय इसलिए बात जल्दी पूरी करनी पड़ेगी। मैंने युवाओं को देखा तो वो तस्वीर मन को प्रसन्न करने वाला था। मेरे बिहार के नौजवानों को विकास की पूरी समझ है। इसीलिए उनमें इतना उत्साह मुझे नजर आ रहा है।*
- ***मेरे मित्र रामविलास जी की आत्मा भी हम पर फूलों की वर्षा करती होगी*** *- मेरे मित्र रामविलास जी की आत्मा भी हम पर फूलों की वर्षा करती होगी। पीएम मोदी ने दिवंगत रामविलास पासवान को मंच से दी श्रद्धांजलि। कहा- ये पुल उनके क्षेत्र के लोगों का सपना था।*

50 साल पहले सेमीकंडक्टर कंपनी का विरोध हुआ: लाल झंडा दिखाया गया, फिर मैंने पहल शुरू की, देश में आज 12 प्लांट

पीएम मोदी ने शनिवार को आईआईटी खड़गपुर में कहा, 'भारत में 50 साल पहले एक कंपनी सेमीकंडक्टर बनाने आई थी, उसे लाल झंडा दिखाकर रोक दिया गया। सवाल उठे कि



इसकी क्या जरूरत है, यह देश भी बना रहा है वो देश भी बना रहा। हम बनाकर क्या हासिल कर लेंगे।' उन्होंने बताया, मैंने परवाह नहीं की। जब मैं आया तो खुद अफसरों के साथ बैठकर फाइलें तैयार करवाई। आज चार सालों में ढेर सारी सेमीकंडक्टर कंपनियां आई हैं और प्रोडक्शन शुरू किया है। मोदी ने आईआईटी खड़गपुर के प्लेटिनम जुबली यानी स्थापना के 75 साल पूरे होने के मौके पर 23 मिनट स्पीच दी।

मुंबई-हैदराबाद समेत 3 शहरों के मेटा ऑफिस में तोड़फोड़-हंगामा, 4 पर एफआईआर

यूथ कांग्रेस बोली- भाजपा के कहने पर नेताओं के अकाउंट सस्पेंड किए

मुंबई/हैदराबाद/मुंबई (एजेंसी)। हैदराबाद, मुंबई और गुरुग्राम में मेटा के ऑफिसों के बाहर प्रदर्शन और तोड़फोड़ के मामले में इंडियन यूथ कांग्रेस के खिलाफ कार्रवाई शुरू हो गई है। मुंबई पुलिस ने शनिवार को यूथ कांग्रेस के चार नेताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज की। यूथ कांग्रेस ने विपक्षी नेताओं के सोशल मीडिया अकाउंट सस्पेंड किए जाने के खिलाफ तीन शहरों में मेटा ऑफिसों के बाहर प्रदर्शन किया था।

हैदराबाद में प्रदर्शनकारी मेटा ऑफिस के अंदर घुस गए और वहां तोड़फोड़ की। मुंबई में प्रदर्शन के दौरान बिल्डिंग के शीशे पर 'आरएसएस का बेटा मेटा' लिखा गया। वहीं, गुरुग्राम में प्रदर्शनकारियों ने ऑफिस के मेन गेट पर ताला लगा दिया। यूथ कांग्रेस का आरोप है कि भाजपा के इशारे पर मेटा ने 19 नवंबर को संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब और राष्ट्रीय प्रभारी मनीष शर्मा के इंस्टाग्राम अकाउंट सस्पेंड कर दिए थे। संगठन ने मेटा को सात दिन का अल्टीमेटम दिया है। उसका कहना है कि अगर इस दौरान विपक्षी नेताओं, पत्रकारों और कंटेंट क्रिएटर्स के अकाउंट पर लगी पाबंदियां नहीं हटाई गईं तो देशभर में मेटा ऑफिसों के बाहर प्रदर्शन किए जाएंगे।

योगी आदित्यनाथ की माता को नमामि गंगे घाट पर दी गई अंतिम विदाई, धामी सहित दिग्गजों ने अर्पित की श्रद्धांजलि







हरिद्वार (शिखर समाचार)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की माता स्वर्गीय सावित्री देवी का शनिवार को हरिद्वार स्थित नमामि गंगे घाट पर वैदिक मंत्रोच्चार और धार्मिक विधि-विधान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। उनके छोटे पुत्र महेंद्र बिष्ट ने मुखाग्नि दी। इस अवसर पर उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने घाट पहुंचकर दिवंगत सावित्री देवी के अंतिम दर्शन किए और पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं उनके परिजनों से भेंट कर शोक संवेदनाएं व्यक्त कीं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि माता का स्नेह, आशीर्वाद और मार्गदर्शन जीवन की अमूल्य धरोहर होता है। उनका निधन परिवार के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने बाबा केदार से दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने तथा शोकाकुल परिजनों को इस दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। अंतिम दर्शन के लिए देशभर से राजनीतिक, सामाजिक और धार्मिक क्षेत्र की अनेक हस्तियां हरिद्वार पहुंचीं। संत समाज की ओर से योगऋषि स्वामी रामदेव, आचार्य बालकृष्ण, श्रीमहंत रविंद्र पुरी, स्वामी चिदानंद सरस्वती, महामंडलेश्वर स्वामी ललितानंद गिरि, आचार्य प्रमोद कृष्णम, श्रीमहंत डॉ. रविंद्र पुरी, श्रीमहंत रूपेंद्र प्रकाश, बाबा हठयोगी, स्वामी दर्शन भारती, श्रीमहंत संजय, महंत ऋषिश्वरानंद और स्वामी कल्याण देव ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक और केशव प्रसाद मौर्य, केंद्रीय मंत्री पंकज चौधरी, स्वतंत्र देव सिंह, बृजेश सिंह, केपी मलिक, दयाशंकर मिश्र 'दयालु', दिनेश खटीक, सुनील कुमार शर्मा, दिनेश प्रताप सिंह, जसवंत सिंह सैनी, गुलाब देवी, धर्मपाल सिंह, जयवीर सिंह और बलदेव सिंह औलख भी पहुंचे। हरिद्वार सांसद एवं पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत, रवि किशन, सुरेंद्र दिलेर, सुबोध उनियाल, गणेश जोशी, धन सिंह रावत, मदन कौशिक, प्रदीप बत्रा, रमेश पोखरियाल 'निशंक', महेंद्र भट्ट और प्रेमचंद अग्रवाल ने भी श्रद्धांजलि दी। इस दौरान मुख्य सचिव आनंद वर्धन, एडीजी एपी अंशुमान, आईजी गढ़वाल राजीव स्वरूप, कुंभ मेलाधिकारी सोनिका, जिलाधिकारी मयूर दीक्षित और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत सिंह भुल्लर सहित अनेक प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी मौजूद रहे। बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों, संत-महात्माओं और आमजन ने शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की।

मणिपुर में जहरीली शराब पीने से 15 की मौत, तीन लोगों की हालत गंभीर

- 600 से ज्यादा अस्पताल में भर्ती, इस साल 6 राज्यों में 120 की जा चुकी है जान

इंफाल , एजेंसी। मणिपुर के चंदेल जिले में जहरीली शराब पीने से 15 लोगों की मौत हो गई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 600 से ज्यादा लोग अस्पतालों में भर्ती हैं। इनमें से तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है। स्थानीय लोगों ने बताया कि पिछले 2 से 3 दिनों में यह मामला सामने आया है। लोगों की तबीयत शराब पीने के बाद बिगड़ी। हालांकि शराब कहां से लाई गई थी, इसकी सही जानकारी उनके पास नहीं है। साल 2026 में जहरीली शराब पीने से मध्यप्रदेश, गुजरात समेत 6 राज्यों में 120 से ज्यादा लोग जान गवां चुके हैं। पुलिस के मुताबिक प्रभावित लोगों ने जो शराब पी थी, उसे मणिपुर के काकचिंग जिले के सुगनू से खरीदा गया था। जांच में शराब में मेथनॉल मिलाए जाने की आशंका है। इस मामले में अब तक करीब 10 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि चंदेल जिले में स्थानीय स्तर पर शराब बनाने की कोई जानकारी नहीं मिली है। ऐसे में आशंका है कि दूसरे इलाकों से शराब लाकर यहां बेची गई थी। पुलिस शराब सप्लाई करने वालों की तलाश कर रही है।

मेटा कार्यालयों पर यूथ कांग्रेस का प्रदर्शन : तोड़फोड़, हंगामा और एफआईआर

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन यूथ कांग्रेस (आईवाईसी) ने हैदराबाद, मुंबई और गुरुग्राम में मेटा (फेसबुक और इंस्टाग्राम की मूल कंपनी) के कार्यालयों के बाहर जोरदार प्रदर्शन किया। यह विरोध प्रदर्शन आईवाईसी के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब और राष्ट्रीय प्रभारी मनीष शर्मा के इंस्टाग्राम खातों को 19 नवंबर को निलंबित करने के विरोध में था। यूथ कांग्रेस ने आरोप लगाया कि यह कार्रवाई भाजपा के कहने पर हुई थी। संगठन ने सात दिनों के भीतर खातों को बहाल करने की मांग की थी, अन्यथा देशभर में प्रदर्शन की चेतावनी दी थी। हैदराबाद में प्रदर्शनकारी कार्यालय के अंदर घुस गए, जहां तोड़फोड़ कर एक गमला को तोड़ दिया गया। पुलिस ने तेलंगाना यूथ कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जक्किडी शिव चरण रेड्डी के नेतृत्व में 20-21 कार्यकर्ताओं को एहतियातन हिरासत में लिया, हालांकि करीब तीन घंटे बाद उन्हें रिहा कर दिया गया। मुंबई में, कार्यकर्ताओं ने बिल्डिंग के शीशे पर आरएसएस का बेटा मेटा का नारा लिखा, जिससे शीशे को नुकसान पहुंचा। यहीं प्रदर्शनकारियों ने केंद्रीय आईटी और सूचना-प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव का पोस्टर भी जलाया। मुंबई पुलिस ने मामले में यूथ कांग्रेस अध्यक्ष जीना सबरीन सहित चार लोगों और 15-20 अज्ञात महिलाओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। इन पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 223 और महाराष्ट्र प्रिवेंशन ऑफ डिफेसमेंट ऑफ प्रॉपर्टी एक्ट, 1995 की धारा 3 सहित अन्य धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। यूथ कांग्रेस ने सोशल मीडिया पर दावा किया कि उनके कार्यकर्ताओं के मेटा कार्यालयों पर पहुंचने के 15 मिनट के भीतर निलंबित खाते बहाल किए गए। संगठन ने सवाल उठाया कि ये खाते किसके आदेश पर निलंबित किए गए थे और क्या भारतीयों को अपनी आवाज उठाने के लिए हमेशा मेटा कार्यालयों का रुख करना होगा।

सांसद अमृतपाल दादी के अंतिम संस्कार में शामिल होने पैतृक गांव पहुंचे

अमृतसर , एजेंसी। पंजाब के खडूर साहिब से लोकसभा सांसद अमृतपाल सिंह शनिवार को अमृतसर स्थित अपने पैतृक गांव जल्लूपुर खेड़ा पहुंचे हैं। वे अपनी दादी चरण कौर के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए आए हैं। पुलिस उन्हें बुलेटप्रूफ गाड़ी में अमृतसर एयरपोर्ट से लाई और पिछले रास्ते से निकाला। अमृतसर कोर्ट से अमृतपाल को शनिवार दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक, कुल तीन घंटे की कस्टडी पैरोल मिली है। इस दौरान उन्हें हथकड़ी नहीं लगाई गई। अमृतपाल की दादी का निधन 8 नवंबर को हुआ था, लेकिन परिवार ने उनके आने तक अंतिम संस्कार रोक रखा था।

केंद्रीय मंत्री रिजिजू का राहुल गांधी पर पलटवार, 1962 युद्ध पर कांग्रेस से माफी की मांग

एपीईसी का सदस्य नहीं भारत, राहुल गांधी को इतना भी नहीं पता

नई दिल्ली , एजेंसी। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने राहुल गांधी के कम्प्रोमाइज्ड पीएम वाले बयान पर कड़ी आपत्ति जाहिर की है। उन्होंने राहुल गांधी से चार तीखे सवाल पूछे और 1962 के भारत-चीन युद्ध, देश में गरीबी तथा पिछली आर्थिक स्थिति के लिए कांग्रेस से माफी की मांग की। केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी भारत की वैश्विक छवि को नुकसान पहुंचा रहे हैं।

दरअसल राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कटाक्ष कर कहा था कि एक कम्प्रोमाइज्ड पीएम कभी वैश्विक नेताओं की उस मेज पर नहीं बैठ सकता। यह बयान राहुल द्वारा साझा की गई 19 नवंबर 2026 की एक तस्वीर के बाद आया, जिसमें चीन के शेनझेन में हुए एपीईसी शिखर सम्मेलन के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प, चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन एक साथ बैठे दिख रहे थे। इस तस्वीर को पोस्ट कर राहुल गांधी ने लिखा था कि अगर कांग्रेस सत्ता में होती, तब भारत के प्रधानमंत्री



इस मेज पर होते। हालांकि, यह भी ध्यान देने योग्य है कि भारत एपेक का सदस्य नहीं है। इस त्रिपक्षीय बैठक में परमाणु हथियारों पर नियंत्रण, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार और यूक्रेन व ईरान के संघर्षों पर चर्चा हुई थी।

केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने राहुल गांधी के बयान को देश विरोधी बताकर कांग्रेस से अतीत की गलतियों का हिसाब मांगा। उनके रुख का समर्थन करते हुए, भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव संगठन बीएल संतोष ने भी राहुल गांधी से सवाल किया। राष्ट्रीय महासचिव संतोष ने कहा कि 1947 से 1977, 1980 से 1989, 1991 से 1996 और 2004 से 2014 तक कांग्रेस सत्ता में थी और कई बार भारी बहुमत भी था, तब यूएनएससी सहित किन बड़े वैश्विक मंचों पर भारत उस दौरान बैठा था?

राहुल गांधी ने पीएम मोदी की आर्थिक नीतियों, खासकर नोटबंदी और जीएसटी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि इन कदमों ने छोटे व्यापारियों को बर्बाद किया है और बड़ी कंपनियों के लिए मैदान साफ कर दिया है, इससे देश में कारोबार के क्षेत्र में एकाधिकार बढ़ा है। राहुल गांधी के मुताबिक, एकाधिकार से कीमतें बढ़ती हैं और प्रतिस्पर्धा खत्म होती है, जिससे नौकरियां पैदा नहीं होतीं। पीएम मोदी ने इससे पहले कॉरपोरेट टैक्स में कटौती के बावजूद कंपनियों द्वारा कर्मचारियों की सैलरी और संख्या न बढ़ाने पर सवाल उठाया था।

सीएम योगी की मां का हरिद्वार में हुआ अंतिम संस्कार, छोटे भाई ने दी मुखाग्नि

- सीएम धामी, बाबा रामदेव, स्वामी चिदानंद हुए शामिल, शुक्रवार को हुआ था निधन

हरिद्वार, एजेंसी। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ की मां सावित्री देवी का अंतिम संस्कार हरिद्वार के चंडीघाट पर किया गया। सीएम योगी के छोटे भाई ने मुखाग्नि दी। इस दौरान यहां उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी, बाबा रामदेव, स्वामी चिदानंद सरस्वती और अन्य लोग मौजूद थे। बता दें योगी आदित्यनाथ की मां सावित्री देवी का शुक्रवार को पौड़ी गढ़वाल जिले में उनके पैतृक गांव पंचूर में निधन हो गया था। वह पिछले काफी समय से बीमार थीं। सावित्री देवी के परिवार में चार बेटे और तीन बेटियां हैं। आदित्यनाथ, चारों बेटों में दूसरे स्थान पर हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीएम योगी के बड़े भाई मानवेंद्र सिंह बिष्ट और सबसे छोटे भाई महेंद्र सिंह बिष्ट गांव के निकट बिथ्याणी महाविद्यालय में कार्यरत हैं जबकि एक अन्य छोटे भाई शैलेंद्र मोहन बिष्ट भारतीय सेना के गढ़वाल राइफल में ऑर्डिनरी कैप्टन हैं। सीएम योगी की एक बहन पुष्पा चौधरी दिल्ली में और दूसरी बहन कौशल्या देवी कोटद्वार में रहती हैं जबकि तीसरी बहन शशि पायल ऋषिकेश के निकट स्थित प्रसिद्ध नीलकंठ मंदिर के पास व्यवसाय करती हैं। रिपोर्ट के मुताबिक सीएम योगी आदित्यनाथ की मां के निधन पर उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि वे उन्हें अपने श्रीचरणों में स्थान दें और पूरे परिवार को इस असहनीय पीड़ा को सहने की शक्ति प्रदान करें। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दें। उन्हें अपने श्रीचरणों में स्थान दें और शोकाकुल परिवार को इस गहरे दुख को सहने की शक्ति प्रदान करें। बाबा रामदेव ने कहा कि आदरणीय माता सावित्री देवी ने अपना नश्वर शरीर त्याग दिया है और ईश्वर के चरणों में स्थान प्राप्त किया है। हम उन्हें केवल एक साधारण माता के रूप में नहीं, बल्कि राष्ट्र की माता के रूप में देखते हैं।

देश, धर्म और संविधान की रक्षा के लिए सनातनियों को एकजुट होना होगा: धीरेंद्र शास्त्री

- मणिपुर की जातीय हिंसा में अब तक कम से कम 306 की जा चुकी है जान

प्रतापगढ़, एजेंसी। कथा वायक पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कुंडा में चल रही राम कथा के समापन के अवसर पर हिंदू एकता का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि देश, धर्म और संविधान की रक्षा के लिए सनातनियों को एकजुट होना होगा। इस दौरान शास्त्री ने समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव को लेकर पूछे गए सवालों का भी जवाब दिया। शास्त्री ने कहा कि देखिए, यह इस देश और हिंदुओं का दुर्भाग्य है कि एक हिंदू दूसरे हिंदू का ही विरोध करता है, क्योंकि हिंदू काफी दब्बू होते हैं और पलटकर जवाब नहीं देते लेकिन कुंडा से हिंदुओं ने पलटकर जवाब देना सीख लिया है कि अब अगर आप हमें उकसाएंगे, तो बख्शे नहीं जाएंगे। उन्होंने कहा कि यह तय है, अयोध्या तो झांकी थी, मथुरा काशी बाकी है। उन्होंने कहा कि सनातन परंपरा की रक्षा के लिए सभी को एक मंच पर आना होगा। जाति और क्षेत्र के नाम पर बांटने के बजाय एकता को ही सबसे बड़ी ताकत बनाना होगा। उन्होंने युवाओं से भी धर्म और संस्कृति से जुड़े रहने की अपील की। हिंदू एकता पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि कई लोग हिंदू एकता से डरते हैं। वे सनातन एकता से डरते हैं। कुछ लोग अपनी जाति-आधारित राजनीति साधना चाहते हैं, इसलिए उनके मन में कहीं न कहीं कुंठा भरी होती है और जो कुंठित रहता है, वह बैकुंठ नहीं पहुंच पाता। उन्होंने कहा कि जो लोग समाज को बांटकर राजनीति करते हैं, वे अंत में खुद ही कमजोर हो जाते हैं। एकता ही सनातन की असली पहचान है। अखिलेश यादव से जुड़े सवाल पर शास्त्री ने कहा कि हम सभी दलों के हैं, एक गुरु सबका होता है क्योंकि अगर कोई गुरु सिर्फ एक व्यक्ति का हो जाए, तो वह फिर गुरु नहीं रहता। सूरज सबका होता है और उसी तरह एक गुरु भी सबका होता है। अभी हम पंजाब में एक कथा करने जा रहे हैं।

मालदेवता-टिहरी रोड पर अवैध प्लॉटिंग के खिलाफ एमडीडीए का बड़ा एक्शन, 3-4 बीघा जमीन सील

देहरादून (शिखर समाचार)। मसूरी-देहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए) ने अवैध प्लॉटिंग और अनधिकृत निर्माण के खिलाफ अभियान तेज करते हुए मालदेवता क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई की है। प्राधिकरण की टीम ने केशरवाला, मालदेवता, टिहरी रोड स्थित करीब 3 से 4 बीघा भूमि पर बिना स्वीकृति की जा रही अवैध प्लॉटिंग को सील कर दिया। मौके पर जमीन का डिमार्केशन कर भूखंड काटे जा रहे थे, जबकि प्लॉटिंग के लिए प्राधिकरण से आवश्यक अनुमति नहीं ली गई थी।

प्राधिकरण के अनुसार, संबंधित स्थल पर हरीश बिष्ट, आर्यन वालिया, सागर राणा एवं कुलदीप सिंह द्वारा भूमि का डिमार्केशन कर प्लॉटिंग की जा रही थी। मामले में उत्तर प्रदेश नगर योजना एवं विकास अधिनियम के तहत वाद दर्ज कर नियमानुसार कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू की गई थी। संबंधित पक्षों को प्रक्रिया के दायरे में लेने के बावजूद प्लॉटिंग से जुड़ी स्वीकृति और आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए गए। इसके बाद एमडीडीए की टीम ने नियमानुसार मौके पर पहुंचकर अवैध प्लॉटिंग वाले स्थल को सील कर दिया।



एमडीडीए उपाध्यक्ष बंशीधर तिवारी ने स्पष्ट किया कि प्राधिकरण क्षेत्र में बिना मानचित्र स्वीकृति और आवश्यक अनुमतियों के की जा रही प्लॉटिंग एवं निर्माण गतिविधियों के विरुद्ध लगातार अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने आमजन से अपील की कि किसी भी भूखंड की खरीदारी से पहले उसकी वैधता, प्राधिकरण की स्वीकृति और संबंधित दस्तावेजों की जांच जरूर करें। अनधिकृत प्लॉटिंग में निवेश करने से लोगों को भविष्य में कानूनी और आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है, वहीं इससे शहर का नियोजित विकास भी प्रभावित होता है। एमडीडीए सचिव मोहन सिंह बर्निया ने भी अवैध प्लॉटिंग और निर्माण के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि बिना स्वीकृति की गतिविधियों को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। संबंधित अधिकारियों को नियमित निगरानी और ऐसे मामलों में त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। प्राधिकरण ने स्पष्ट किया कि देहरादून में सुनियोजित विकास सुनिश्चित करने और अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए अभियान आगे भी जारी रहेगा।

कोटा से 8 साल बाद पाकिस्तान के लिए सिख जत्था रवाना, बिरला के प्रयासों से मिला वीजा

कोटा ,एजेंसी। लगभग आठ साल के लंबे इंतजार के बाद, कोटा के 12 सिख श्रद्धालुओं का जत्था पाकिस्तान स्थित ऐतिहासिक गुरुद्वारों के दर्शन के लिए रवाना हो गया है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के विशेष प्रयासों से इन श्रद्धालुओं को पाकिस्तान का वीजा मिल सका। शुक्रवार सुबह सभी श्रद्धालु स्वर्ण मंदिर मेल से अमृतसर के लिए रवाना हुए। कोटा रेलवे स्टेशन पर महापौर अनसुइया गोस्वामी और स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने उनका भव्य स्वागत किया और उन्हें सुखद यात्रा की शुभकामनाएं दीं। यह यात्रा न केवल धार्मिक महत्व रखती है, बल्कि वर्षों से अधूरी एक भावना को भी पूरा करने का अवसर है। श्रद्धालुओं ने बताया कि अंतिम बार वर्ष 2019 में कोटा से सिख श्रद्धालुओं का जत्था पाकिस्तान गया था। इसके बाद कोरोना महामारी और सोसायटी के तत्कालीन प्रधान के निधन के कारण पाकिस्तान यात्रा के लिए आवश्यक प्रक्रिया और विभागीय औपचारिकताओं की जानकारी के अभाव में जत्थे का जाना बंद हो गया था।

अगर पीओके भारत में वापस आता है यह भू-राजनीतिक और आर्थिक मायनों में गेमचेंजर होगा

चीन को लगेगा झटका, सीपीईसी ड्रैगन की परियोजना अपने आप ठप हो जाएगी

नई दिल्ली , एजेंसी। अगर पाकिस्तान के कब्जे वाला पीआके भारत में वापस आ जाता है, तो यह भारत के लिए सिर्फ एक क्षेत्रीय वापसी नहीं होगी, बल्कि कई भू-राजनीतिक और आर्थिक मायनों में एक गेमचेंजर साबित होगी। पीओके की घरवापसी भारत के लिए सेंट्रल एशिया तक पहुंचने का एक ऐसा शॉर्टकट होगा, जो न केवल ईरान के चाबहार पोर्ट पर हमारी मौजूदा निर्भरता को खत्म कर देगा, बल्कि चीन के सबसे महत्वाकांक्षी चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा परियोजना को भी करारा झटका देगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वर्तमान में भारत को सेंट्रल एशिया और यूरोप तक अपना सामान पहुंचाने के लिए हजारों किलोमीटर का लंबा और महंगा रास्ता अपनाना पड़ता है। पाकिस्तान द्वारा पीओके पर अवैध कब्जे के कारण, भारत का सेंट्रल एशिया से सीधा जमीनी संपर्क पूरी तरह कटा हुआ है। नतीजतन, भारत को इन देशों से व्यापार करने के लिए मुंबई या गुजरात के बंदरगाहों से पहले समुद्र के रास्ते ईरान के बंदर अब्बास तक जहाज भेजने पड़ते हैं, और वहां से ट्रेन और ट्रकों के जरिए ईरान और अफगानिस्तान होते हुए सामान सेंट्रल एशिया तक जाता है। यह रास्ता लंबा, महंगा होने के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय राजनीति, अमेरिकी प्रतिबंधों और क्षेत्र में युद्ध जैसे हालात के कारण अक्सर बाधित होता रहता है।

अगर पीओके खासकर इसका उत्तरी हिस्सा यानी गिलगित-बाल्टिस्तान, वापस भारत के पास आ जाता है, तो यह पूरी तस्वीर बदल देगा। गिलगित-बाल्टिस्तान की सीमा सीधे अफगानिस्तान के उस पतले से हिस्से से लगती है, जिसे वाखान कॉरिडोर कहा जाता है। यह कॉरिडोर एक संकरी पट्टी है जो एक तरफ ताजिकिस्तान यानी सेंट्रल एशिया को छूती है और दूसरी तरफ चीन को। पीओके की वापसी से भारत को सीधे वाखान कॉरिडोर तक पहुंच मिल जाएगी। इसका मतलब यह होगा कि भारत बिना पाकिस्तान की जमीन पर पैर रखे और बिना ईरान के समुद्र का चक्कर लगाए, सीधे सड़क और रेल के जरिए ताजिकिस्तान में दाखिल हो सकेगा। वहां से पूरे सेंट्रल एशिया और आगे रूस व यूरोप तक का सड़क नेटवर्क पहले से मौजूद है।

सेंट्रल एशियाई देश प्राकृतिक गैस, तेल, यूरेनियम और लिथियम जैसे दुर्लभ खनिजों के मामले में बेहद समृद्ध हैं। सीधा जमीनी रास्ता खुलने के बाद भारत सीधे पाइपलाइन या रेल टैंकरों के जरिए सेंट्रल एशिया से तेल



और गैस मंगा सकेगा, जिससे खाड़ी देशों पर भारत की ऊर्जा निर्भरता कम होगी। रणनीतिक लिहाज से पीओके की घरवापसी का सबसे बड़ा झटका चीन को लगेगा। चीन ने अरबों डॉलर खर्च करके सीपीईसी बनाया है, जो भारत की संप्रभुता का उल्लंघन करते हुए गिलगित-बाल्टिस्तान से होकर गुजरता है। जिस दिन यह इलाका वापस भारत के कंट्रोल में आएगा, चीन का यह ड्रीम प्रोजेक्ट अपने आप ठप हो जाएगा और भारत सेंट्रल एशिया में चीन की दादागीरी को सीधी चुनौती देने की स्थिति में आ जाएगा।

एआई ऐप से घर बैठे मिलेगी सरकारी योजनाओं की जानकारी, धामी ने किया प्रदर्शन का अवलोकन





हरिद्वार (शिखर समाचार)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की उपस्थिति में हरिद्वार-रुड़की विकास प्राधिकरण के सभागार में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित मोबाइल ऐप और पोर्टल का प्रदर्शन किया गया। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से इसकी विशेषताओं और उपयोगिता की जानकारी देते हुए बताया कि इस तकनीक के जरिए सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की निगरानी और उनके क्रियान्वयन की प्रगति पर नजर रखी जा सकेगी। स्वच्छता, स्वास्थ्य, शिक्षा सहित विभिन्न विभागों की योजनाओं की प्रभावी निगरानी के साथ आमजन तक योजनाओं की जानकारी पहुंचाने में भी यह ऐप और पोर्टल उपयोगी साबित होगा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि आधुनिक तकनीक और एआई का उपयोग शासन व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, प्रभावी और जनसुलभ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इसके माध्यम से सरकारी योजनाओं की जानकारी लोगों तक सरल, सुलभ और त्वरित तरीके से पहुंचाई जा सकेगी। इससे पात्र लोगों को योजनाओं की जानकारी प्राप्त करने और उनका लाभ उठाने में सुविधा होगी। उन्होंने कहा कि तकनीक का बेहतर इस्तेमाल आमजन की समस्याओं के शीघ्र समाधान और सरकारी सेवाओं को सुविधाजनक बनाने में सहायक है। सरकार का प्रयास है कि आधुनिक तकनीक का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। इस दौरान मुख्यमंत्री ने आगामी कुंभ मेले की तैयारियों की भी समीक्षा की। मेलाधिकारी सोनिका ने कुंभ के दृष्टिगत संचालित विकास कार्यों, आधारभूत सुविधाओं के विस्तार और आयोजन संबंधी तैयारियों की प्रगति से मुख्यमंत्री को अवगत कराया। मुख्यमंत्री ने तैयारियों की जानकारी ली। कार्यक्रम में आईजी मेला योगेंद्र सिंह रावत, एसएसपी नवनीत सिंह भुल्लर, मुख्य नगर आयुक्त हरिद्वार नंदन कुमार, मुख्य विकास अधिकारी ललित नारायण मिश्र, एसएसपी मेला आयुष अग्रवाल, हरिद्वार-रुड़की विकास प्राधिकरण के सचिव प्रत्यूष सिंह सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

कुंभ-2027 की तैयारियों पर धामी ने शंकराचार्य से की चर्चा, लिया आशीर्वाद

हरिद्वार (शिखर समाचार)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हरिद्वार के कनखल स्थित जगतगुरु आश्रम पहुंचकर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी राजराजेश्वराश्रम महाराज से शिष्टाचार भेंट की और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने प्रदेश की सुख-समृद्धि, खुशहाली और जनकल्याण की कामना करते हुए आगामी कुंभ मेले के सफल आयोजन को लेकर भी विस्तार से चर्चा की।

भेंट के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि कुंभ मेला धार्मिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण आयोजन है। इसके सफल, सुव्यवस्थित और दिव्य-भव्य आयोजन के लिए सरकार सभी आवश्यक तैयारियों को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ा रही है। उन्होंने जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी राजराजेश्वराश्रम महाराज से आगामी कुंभ मेले की व्यवस्थाओं और आयोजन को लेकर मार्गदर्शन



भी प्राप्त किया।

मुख्यमंत्री की इस मुलाकात को आगामी कुंभ मेले की तैयारियों के बीच संत समाज का मार्गदर्शन और आशीर्वाद प्राप्त करने की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। हरिद्वार में कुंभ आयोजन को भव्य स्वरूप देने के लिए प्रशासनिक स्तर पर विभिन्न व्यवस्थाओं को गति दी जा रही है।

इस अवसर पर राज्य मंत्री विनय रोहिल्ला, कुंभ मेलाधिकारी सोनिका, जिलाधिकारी मयूर दीक्षित और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत सिंह भुल्लर सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

परीक्षा के बीच सरकारी स्कूलों में बिना अनुमति प्रवेश और भ्रामक वीडियो वायरल करने का आरोप

हापुड़ (शिखर समाचार)। जनपद के परिषदीय विद्यालयों में बच्चों की परीक्षाओं के दौरान बिना पूर्व अनुमति के जबरन प्रवेश करने तथा व्यवस्थाओं को लेकर भ्रामक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करने के मामले में बेसिक शिक्षा विभाग ने कड़ी आपत्ति जताई है। आरोप है कि क्राकोज पार्टी के नेता सौरभ दास द्वारा विभाग की छवि धूमिल करने की नीयत से यह कृत्य किया गया। विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार, हापुड़ नगर क्षेत्र सहित बेसिक शिक्षा विभाग के कई परिषदीय विद्यालयों में बिना किसी पूर्व सूचना या विभागीय अनुमति के कुछ लोग समूह में पहुंच गए। आरोप है कि जिस समय विद्यालयों में बच्चों की परीक्षाएं चल रही थीं, उस दौरान कक्षाओं में बच्चों के बीच बैठकर उनसे पढ़ाई, शिक्षकों की उपलब्धता और बुनियादी सुविधाओं को लेकर सवाल-जवाब किए गए।



जबकि शासन और प्रशासन का स्पष्ट आदेश है कि सक्षम अधिकारी की अनुमति के बिना कोई भी बाहरी व्यक्ति या समूह विद्यालय परिसर में प्रवेश नहीं कर सकता। इस संबंध में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) दीपा भाटी ने स्पष्ट किया कि कुछ व्यक्तियों द्वारा बिना अनुमति दो परिषदीय विद्यालयों में प्रवेश कर वहां की व्यवस्थाओं के संबंध में अधूरी और भ्रामक जानकारी सोशल मीडिया पर प्रसारित की गई है, जिससे विद्यालयों और विभाग की छवि प्रभावित करने का प्रयास किया गया। बीएसए ने विद्यालयों की वास्तविक स्थिति स्पष्ट करते हुए बताया कि प्राथमिक विद्यालय चमरी में नवीन भवन का निर्माण कार्य वर्तमान में प्रगति पर है। वहीं, विकासखण्ड हापुड़ के उच्च प्राथमिक विद्यालय बड़ौदा सिहानी का भवन और आंतरिक व्यवस्थाएं पूरी तरह संतोषजनक हैं। उन्होंने बताया कि विद्यालय से लगभग 400 मीटर दूर संपर्क मार्ग पर जलभराव की समस्या जरूर है, जिसके स्थायी समाधान के लिए प्रशासनिक स्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं। बेसिक शिक्षा विभाग ने कहा कि जनपद के सभी विद्यालयों में आधारभूत सुविधाओं के विकास के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है। शासन स्तर से इसकी नियमित समीक्षा हो रही है और विद्यालयों की अतिरिक्त आवश्यकताओं से जुड़े प्रस्ताव भी शासन को भेजे जा चुके हैं। विभाग ने दोहराया कि वह छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और बेहतर विद्यालयी परिवेश उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

हाईकोर्ट रजिस्ट्रार जनरल के फर्जी हस्ताक्षर से नियुक्ति पत्र देने वाला आरोपी गिरफ्तार

हापुड़ (शिखर समाचार)। सदर कोतवाली क्षेत्र में इलाहाबाद उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल के फर्जी हस्ताक्षर कर नियुक्ति पत्र जारी करने के मामले में वांछित चल रहे आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के विरुद्ध एक युवती को मेरठ न्यायालय में न्यायाधीश का पेशकार लगवाने का झांसा देकर 3.87 लाख रुपये ठगने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया गया था। नगर के मोहल्ला लज्जापुरी गली नंबर-3 निवासी पीड़ित कैलाश ने पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि गली नंबर-4 में रहने वाले दो युवक जून 2020 में उनके घर आए थे। दोनों युवकों ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के वरिष्ठ अधिकारियों से अपनी अच्छी पहचान और सांठ-गांठ होने का दावा करते हुए उनकी पुत्री की नौकरी मेरठ न्यायालय में न्यायाधीश के पेशकार पद पर लगवाने का भरोसा दिया। इस काम के लिए 5 लाख रुपये में सौदा तय हुआ, जिसके बाद पीड़ित ने विभिन्न माध्यमों से आरोपियों को 3.87 लाख रुपये दे दिए। रकम लेने के बाद आरोपी पीड़ित को मेरठ ले गए और कुछ दस्तावेज सौंपते हुए कहा कि उनकी पुत्री की नियुक्ति हो गई है। लेकिन जब 1 सितंबर 2021 को पीड़ित अपनी पुत्री की ज्वाइनिंग कराने मेरठ न्यायालय पहुंचे, तो जांच में सामने आया कि दिए गए सभी दस्तावेज पूरी तरह फर्जी हैं और उन पर किए गए रजिस्ट्रार जनरल के हस्ताक्षर भी नकली हैं। ठगी का पता चलने पर जब पीड़ित ने अपने रुपये वापस मांगे, तो आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए उन्हें जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद पीड़ित ने सदर कोतवाली में आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी। सीओ सिटी दीपक चतुर्वेदी ने बताया कि पुलिस ने कार्रवाई करते हुए इस प्रकरण के आरोपी लज्जापुरी निवासी हरीश कुमार को गिरफ्तार कर लिया है। मामले में शामिल दूसरे फरार आरोपी की तलाश के लिए दबिश दी जा रही है। पुलिस द्वारा फर्जी दस्तावेजों और धनराशि के लेन-देन से जुड़े साक्ष्यों की गहनता से जांच की जा रही है।



18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले युवाओं को मतदाता सूची में जोड़ने पर जोर

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)। आगामी विधानसभा निर्वाचन को लेकर युवाओं को मतदान प्रक्रिया से जोड़ने के लिए निर्वाचन विभाग ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में शनिवार को हिंदू इंटर कॉलेज में मतदाता साक्षरता क्लब की बैठक आयोजित की गई। बैठक में तहसीलदार हेमराज सिंह बोनाल ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान-2027 के अंतर्गत 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके सभी छात्र-छात्राओं के नाम मतदाता सूची में अनिवार्य रूप से शामिल कराए जाएं, ताकि कोई भी पात्र युवा अपने मताधिकार से वंचित न रहे। कॉलेज सभागार में आयोजित बैठक में नगीना और बढ़ापुर विधानसभा क्षेत्रों के माध्यमिक विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के मतदाता साक्षरता क्लब के समन्वयकों ने प्रतिभाग किया। तहसीलदार ने उपस्थित शिक्षकों को निर्देश दिए कि अपने-अपने शिक्षण संस्थानों में 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके छात्र-छात्राओं को चिह्नित कर उनकी निर्धारित प्रारूप में सूचना उपलब्ध कराएं। उन्होंने कहा कि निर्वाचन से संबंधित इस महत्वपूर्ण कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाए और युवाओं को मतदाता बनने के लिए जागरूक भी किया जाए। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत बनाने में प्रत्येक पात्र नागरिक की भागीदारी महत्वपूर्ण है। इसलिए शिक्षण संस्थानों की जिम्मेदारी है कि वे युवाओं को मतदाता पंजीकरण के प्रति जागरूक करते हुए अभियान को सफल बनाने में सहयोग करें। बैठक में प्रधानाचार्य यशवीर सिंह, नायब तहसीलदार अंकित कुमार सहित विभिन्न विद्यालयों के शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।



राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

आवश्यकता है

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गाजियाबाद से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक समाचार पत्र को आवश्यकता है दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद व पश्चिमी उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जिले और तहसीलों में संवाददाताओं और विज्ञापन प्रतिनिधियों की आकर्षक कमीशन, आवेदन पत्र के साथ मिले या संपर्क करें:-

राष्ट्रीय शिखर संपादकीय सिटी कार्यालय :-
64 नवयुग मार्केट,फर्स्ट फ्लोर, गाजियाबाद।
rashtriyashikhar@gmail.com

आई.टी.एस स्कूल ऑफ मैनेजमेंट में 'एआई मार्केटिंग समिट 2026' का भव्य आयोजन

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। मोहन नगर स्थित आई.टी.एस स्कूल ऑफ मैनेजमेंट और सिनर्जी यूनिवर्सिटी के शैक्षणिक सहयोग से शनिवार, 21 नवंबर 2026 को द्रोणाचार्य ऑडिटोरियम में 'एआई मार्केटिंग समिट 2026' का आयोजन किया गया। ह्यमार्केटिंग 5.0: एआई संचालित विश्व में तकनीक को मानवीय संवेदनाओं से जोड़नाह्व विषय पर आधारित इस समिट में विभिन्न संस्थानों के 250 से अधिक उद्योग प्रतिनिधियों, शिक्षाविदों और विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। इसका मुख्य उद्देश्य उद्योग व शिक्षण संस्थानों के बीच संवाद बढ़ाना तथा आधुनिक विपणन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), डिजिटल परिवर्तन और मानवीय दृष्टिकोण की भूमिका पर मंथन करना रहा। इस अवसर पर आई.टी.एस ह्न द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आर. पी. चड्ढा एवं वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा ने समिट की सफलता के लिए अपनी शुभकामनाएं प्रेषित कीं। कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। सत्र समन्वयक प्रो. याचना मल्होत्रा ने अतिथियों का स्वागत करते हुए विषयवस्तु से अवगत कराया, जबकि निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय कुमार ने विद्यार्थियों के कौशल विकास में उद्योग जगत के अनुभवों के महत्व पर प्रकाश डाला। समिट की संयोजक प्रो. दुर्बा रॉय ने रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए तकनीक और मानवीय मूल्यों के समन्वय पर बल दिया। उद्घाटन सत्र में वोल्वो ग्रुप के डायरेक्टर (स्ट्रेटेजी एंड सस्टेनेबिलिटी अफेयर्स) सोहनजीत



रंधावा ने सतत विकास व उत्पादकता में एआई की भूमिका के साथ नैतिक निर्णय और मानवीय विवेक को आवश्यक बताया। हाउडेन ग्रुप की प्रेसिडेंट एवं जोनल हेड (नॉर्थ एंड ईस्ट) श्वेता सहरावत ने प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग और विपणन में मानवीय रचनात्मकता व भावनात्मक जुड़ाव बनाए रखने की बात कही। वहीं, ब्रांड बजूका एडवरटाइजिंग की सीईओ साधना करवाल ने मार्केटिंग 5.0 के पांच प्रमुख स्तंभों की जानकारी देते हुए एआई अभियानों के लिए ईमानदारी, उपयोगिता, सार्थकता, जवाबदेही और सांस्कृतिक प्रासंगिकता पर आधारित 'मानव (ह्यूमन) परीक्षण' की अवधारणा प्रस्तुत की।
समिट के प्रथम पैनल डिस्कशन "ह्यूमन-सेंटर्ड एआई इन मार्केटिंग" का संचालन प्रो. दुर्बा रॉय ने किया, जिसमें विवेक मल्होत्रा (प्रून), संदीप पंडिता (डीएस ग्रुप), जसप्रीत वालिया (एबॉट वैस्कुलर), अनिंद्य पाल (इनेओस स्टायरोल्यूशंस), संदीप हांडा (फेरेरा बेवरेजेज) और साधना करवाल ने बिक्री, स्वास्थ्य सेवाओं व ग्राहक सहभागिता में एआई के जिम्मेदार उपयोग पर चर्चा की। द्वितीय पैनल डिस्कशन "सोशल कॉमर्स एंड फिजिटल मार्केटिंग" का संचालन डीएस ग्रुप के एसोसिएट वाइस प्रेसिडेंट विनायक लाल ने किया। इसमें नवनीत कुमार (यस मैडम), सुमित सिंह नागपाल (बिरला ओपस पेंट्स) और अभिषेक सिंह (ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज) ने ऑनलाइन व ऑफलाइन विपणन के एकीकरण और ग्राहक विश्वास को सफल ब्रांड की पहचान बताया।
कार्यक्रम के तहत ह्नएआई इन मार्केटिंगह्व विषय पर केस स्टडी प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिसमें जी.एल. बजाज, जेसीसी, आईएमएस और आई.टी.एस स्कूल ऑफ मैनेजमेंट के विद्यार्थियों ने प्रस्तुतियां दीं। प्रोफेसर डॉ. सतीश कुमार द्वारा किए गए मूल्यांकन के आधार पर आई.टी.एस स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, गाजियाबाद के यश राज सिंह ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि जी.एल. बजाज, ग्रेटर नोएडा के निशांत मिश्रा और प्रफुल्ल तिवारी द्वितीय स्थान पर रहे। समिट ने यह संदेश दिया कि तकनीक नवाचार को बढ़ावा देती है, लेकिन सफल विपणन की असली नींव मानवीय समझ और ग्राहकों के साथ सार्थक संबंध ही हैं।

समाधान दिवस में 88 फरियादियों ने लगाई गुहार, 10 शिकायतों का मौके पर निस्तारण

शामली (शिखर समाचार)। नवागत जिलाधिकारी प्रवीण वर्मा की अध्यक्षता में शनिवार को जिले की तीनों तहसीलों में संपूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया गया। इस दौरान अधिकारियों ने फरियादियों की समस्याएं सुनीं और उनके समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। तहसील शामली में अधीक्षण अभियंता विद्युत के अनुपस्थित रहने पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी जताई और उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जनशिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। शिकायतों की जांच केवल कागजी कार्रवाई तक सीमित न रहे, बल्कि अधिकारी आवश्यकतानुसार मौके पर पहुंचकर वास्तविक स्थिति की जांच करें और शिकायतकर्ता को संतुष्ट करने वाला समाधान सुनिश्चित करें। तहसील शामली में कुल 38 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से तीन का मौके पर निस्तारण किया गया। पुलिस



अधीक्षक नरेंद्र प्रताप सिंह ने पुलिस विभाग से संबंधित शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को टीम भावना से काम करने, स्व-गणना करने तथा आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने को कहा। तहसील कैराना में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व सत्येंद्र सिंह की अध्यक्षता में आयोजित समाधान दिवस में 27 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से पांच का मौके पर निस्तारण किया गया। इस दौरान एसडीएम कैराना शिवाजी यादव और तहसीलदार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। तहसील ऊन में एसडीएम दीपिका मेहेर की अध्यक्षता में आयोजित समाधान दिवस में 23 शिकायतें आईं, जिनमें से दो का मौके पर समाधान किया गया। यहां तहसीलदार ऊन सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। जिले की तीनों तहसीलों में कुल 88 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 10 का मौके पर निस्तारण किया गया। शेष शिकायतों के समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को समयसीमा के भीतर कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।

प्रदेशीय सीनियर महिला खो-खो प्रतियोगिता के लिए गाजियाबाद की 12 खिलाड़ियों का चयन

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। जौनपुर में आयोजित होने वाली प्रदेशीय सीनियर महिला खो-खो प्रतियोगिता के लिए शनिवार, 21 नवंबर 2026 को महामाया स्पोर्ट्स स्टेडियम में जिला स्तरीय चयन ट्रायल का आयोजन किया गया। ट्रायल के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर गाजियाबाद जनपद की 12 महिला खिलाड़ियों का चयन किया गया है, जो अब मंडलीय ट्रायल में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगी।
खेल विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार, आगामी 26 से 28 नवंबर 2026 तक जिला खेल कार्यालय, जौनपुर में प्रदेशीय सीनियर महिला खो-खो प्रतियोगिता प्रस्तावित है। इसी क्रम में शनिवार को आयोजित जिला स्तरीय ट्रायल में जिले भर की महिला खिलाड़ियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। चयनकताओं द्वारा खिलाड़ियों के खेल कौशल और फिटनेस के



मूल्यांकन के बाद अंतिम 12 खिलाड़ियों की सूची जारी की गई। चयनित खिलाड़ियों में मोनी, आरुषि, अंजलि, लक्ष्मी, शिवानी, काजल, अंशिका, खुशबू, हिमानी, प्रिया, आकृति और आफरीन शामिल हैं।
विभागीय अधिकारियों ने बताया कि जिला स्तर पर चयनित इन सभी 12 खिलाड़ियों का मंडलीय चयन ट्रायल सोमवार, 23 नवंबर 2026 को प्रातः 11:00 बजे कैलाश प्रकाश स्पोर्ट्स स्टेडियम, मेरठ में आयोजित किया जाएगा। सभी चयनित खिलाड़ियों को निर्देशित किया गया है कि वे निर्धारित तिथि और समय पर आवश्यक खेल किट व दस्तावेजों के साथ मेरठ स्टेडियम में उपस्थित होकर ट्रायल में प्रतिभाग सुनिश्चित करें।

एसएसके पब्लिक स्कूल में धूमधाम से मनाया गया वार्षिक खेल दिवस, नन्हे खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम





गाजियाबाद (शिखर समाचार)। प्रताप विहार स्थित एसएसके पब्लिक स्कूल में 21 नवंबर 2026 को प्राइमरी विंग एवं नर्सरी से केजी तक के विद्यार्थियों के लिए वार्षिक खेल दिवस का उत्साहपूर्ण आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में शारीरिक फिटनेस, खेल भावना, टीमवर्क, अनुशासन और आत्मविश्वास को बढ़ावा देना रहा। विद्यालय परिसर में खेलों को लेकर बच्चों का उत्साह देखते ही बन रहा था।
कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य कमल भामरी ने गुब्बारे उड़ाकर किया। इसके बाद नन्हे विद्यार्थियों ने शानदार मार्चिंग और विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिताओं में फ्रॉग रेस (मेंढक दौड़), सैक रेस (बोरी दौड़), हॉपिंग एंड स्पून रेस तथा रिले रेस और हर्डल रेस जैसी मनोरंजक गतिविधियां आयोजित की गईं, जिनमें बच्चों ने पूरे जोश और उमंग के साथ हिस्सा लिया। कार्यक्रम के दौरान शिक्षिकाओं चेरी कपूर, पूनम शर्मा, तृष्णा और अम्बे ने बच्चों का उत्साह बढ़ाते हुए आयोजन को व्यवस्थित एवं सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मैदान में बच्चों की दौड़, उनकी मुस्कान और जीतने की खुशी ने माहौल को उत्सव में बदल दिया। अभिभावकों एवं शिक्षकों ने तालियां बजाकर प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया और नन्हे खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाया। कार्यक्रम के समापन पर विजेता विद्यार्थियों को प्रधानाचार्य कमल भामरी द्वारा मेडल एवं प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि खेल बच्चों के सर्वांगीण विकास का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। खेल न केवल शरीर को स्वस्थ रखते हैं, बल्कि बच्चों में अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और आपसी सहयोग की भावना भी विकसित करते हैं। पुरस्कार वितरण एवं उत्साहपूर्ण वातावरण के बीच कार्यक्रम का समापन शानदार ढंग से हुआ।

गर्मी से पहले धीरखेड़ा बिजली घर की क्षमता होगी 20 मेगावाट



हापुड़ (शिखर समाचार)। धीरखेड़ा इंडस्ट्रियल एरिया स्थित सोसायटी भवन में इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (आईआईए) के तत्वावधान में चेयरमैन पवन शर्मा की अध्यक्षता में एक मंथन बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में बिजली विभाग के अधिशासी अभियंता सचिन द्विवेदी ने भाग लिया और उद्यमियों की समस्याओं को सुनकर उनके त्वरित निस्तारण का आश्वासन दिया।
अधिशासी अभियंता सचिन द्विवेदी ने बताया कि आगामी गर्मी के मौसम से पहले धीरखेड़ा बिजली घर की क्षमता बढ़ाकर 20 मेगावाट कर दी जाएगी। इस दिशा में कार्य प्रारंभ कर दिया गया है और गर्मी शुरू होने से पूर्व इसे पूरा कर लिया जाएगा, जिससे औद्योगिक क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति और अधिक सुदृढ़ हो सकेगी। बैठक में जीएसटी विभाग के कर्मचारी भी उपस्थित रहे, जिन्होंने उद्यमियों को भारत सरकार की जनगणना की स्व-जनगणना योजना के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने उद्यमियों को योजना के तहत ऑनलाइन माध्यम से अपना डेटा अपडेट करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर आईआईए सचिव लवलीन गुप्ता, अशोक छारिया, सुनील जैन, सरजीत चावला, विपिन तायल, आकाश शर्मा और प्रशांत शर्मा सहित कई उद्यमी मौजूद रहे।

श्याम संकीर्तन में भजनों की धुन पर देर रात तक झूमे भक्त, धूमधाम से मना बाबा का पाटोत्सव

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। देवउठनी एकादशी के पावन अवसर पर शुक्रवार को श्याम मार्ग, आंबेडकर रोड स्थित श्री बालाजी एवं खाटू श्यामजी मंदिर में श्याम बाबा का पाटोत्सव श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालुओं की आवाजाही लगी रही और पूरा परिसर बाबा श्याम के जयकारों से गूंजता रहा। पाटोत्सव के उपलक्ष्य में प्रातःकाल श्याम बाबा का पंचामृत से अभिषेक कर भव्य श्रृंगार किया गया। दिनभर श्रद्धालुओं ने मंदिर पहुंचकर बाबा के चरणों में पुष्पमालाएं, प्रसाद और इत्र अर्पित कर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। सायंकाल आयोजित भव्य श्याम संकीर्तन का शुभारंभ पूर्व राज्यसभा सांसद अनिल अग्रवाल ने बाबा की पावन ज्योत प्रज्वलित कर किया। संकीर्तन में कोलकाता से आए प्रसिद्ध भजन गायक गौरव पारीक और दिल्ली से पहुंचीं भजन गायिका पूर्णिमा बंसल ने एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। भक्ति गीतों की मधुर धुनों पर श्यामप्रेमी देर रात तक नाचते-गाते रहे और बाबा के जयकारे लगाते नजर आए। इस दौरान बाबा का जन्मोत्सव भी हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। मिष्ठान और केक का भोग लगाकर श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन श्री श्याम परिवार समिति (पंजीकृत) एवं श्री



खाटू श्याम कुटुंब सेवा परिवार मंदिर समिति ट्रस्ट (पंजीकृत) के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। आयोजकों ने बताया कि दोनों संस्थाएं लंबे समय से धार्मिक आयोजनों के माध्यम से बाबा श्याम की भक्ति और उनके संदेश का प्रचार-प्रसार कर रही हैं। इस अवसर पर राकेश करंजी, अनिल अग्रवाल सांवरिया, विशाल गर्ग, पुनीत अग्रवाल, दीपक अग्रवाल, कुलदीप अग्रवाल, अंकुर मित्तल, गुरविंद कंसल, अतुल भूषण, हर्ष अग्रवाल, शशांक जिंदल, शुभम गर्ग, हितेश कंसल, अंकित गर्ग, विकास गर्ग, वैभव गोयल, अमित गुप्ता, वैभव जैन, दीपक शर्मा, अरविंद वत्स, पंकज अग्रवाल, आयुष अग्रवाल, अंशुल गोयल एवं संजीव चौधरी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

कार्यालय नगर पंचायत बनत जनपद-शामली

पत्रांक: 845/न0पं0बनत / 2026-27 दिनांक: 21.11.2026

निविदा आमंत्रण सूचना

नगर पंचायत बनत जनपद-शामली के समस्त पंजीकृत / नवीनीकृत फर्मों एवं ठेकेदारों को सूचित किया जाता है कि रा0वि0आ0 / टाउन फण्ड से प्राप्त धनराशि से अलाव जलाये जाने हेतु सूखी लकड़ी प्रति कुन्तल रूपये की दर से कय हेतु दिनांक 30.11.2026 की सायं 3:00 बजे तक निविदाएं आमन्त्रित की जाती है निविदा मूल्य (जी0एस0टी0) सहित सम्मिलित करते हुए का ड्राफ्ट अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत बनत (शामली) के पक्ष में जारी करते हुए निविदा के साथ की संलग्न करते हुए दिनांक 30.11.2026 की सायं 3:00 बजे तक कार्यालय में रखे शील बोक्स में जमा किया जाना अनिवार्य है प्राप्त सभी निविदाओं को दिनांक 01.12.2026 प्रातः 11:00 बजे अधिशासी अधिकारी व अध्यक्ष नगर पंचायत बनत के द्वारा खोली जायेगी। निविदा सम्बन्धी पूर्ण एवं विस्तृत विवरण टैन्डर प्रपत्र शर्तो आदि की जानकारी किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय नगर पंचायत बनत से प्राप्त की जा सकती है।

क्रं. नं.	कार्य का नाम	मद का नाम	प्राकलन अनुमानित धनराशि	जमानत धनराशि 10%	निविदा मूल्य + 18% GST	कार्य पूर्ण होने की अवधि
1.	नगर के विभिन्न स्थानों पर अलाव जलाने हेतु सूखी लकड़ी क्रय करना प्रति कुन्तल रू0 की दर से	रा0वि0आ0/ टा0 फण्ड	5,00,000/ अनुमानित धनराशि घट बड़ सकती है	50,000/-	500 + 18% GST - 90 कुल रू. 590	टैण्डर स्वीकृति के 15 दिन
2.	वृहद गौरक्षण केन्द्र में चारों तरफ तारबन्दी का मरम्मत कार्य।	रा0वि0/ टा0 फण्ड	5,00,000/-	50,000/-	500 + 18% GST - 90 कुल रू. 590	टैण्डर स्वीकृति के 1 माह
3.	नगर पंचायत बनत में पूर्व माध्यमिक बालिका विद्यालय में बाउंड्रीवाल का निर्माण कार्य।	रा0वि0/ टा0 फण्ड	7,58,605/-	76,000/-	800 + 18% GST - 144 कुल रू. 944	टैण्डर स्वीकृति के 1 माह
4.	मो0 रैदासपुरी में प्रवेश के मकान से अस्पताल रोड़ तक सी0सी0 सड़क नाली निर्माण कार्य	रा0वि0/ टा0 फण्ड	2,07,574/-	20,757/-	300 + 18% GST - 54 कुल रू. 354	टैण्डर स्वीकृति के 1 माह

अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत बनत
शामली

अध्यक्ष
नगर पंचायत बनत
शामली

सौ साल की सेवा-साधना, यादों में जीवंत हुई विरासत

लखनऊ, एजेंसी। रामकृष्ण मिशन सेवाश्रम की सौ वर्षों की सेवा, साधना और सद्भाव की विरासत शुक्रवार को संस्मरणों के जरिये जीवंत हो उठी। शताब्दी समारोह के चौथे दिन आध्यात्मिक विमर्श, अनुभवों की साझेदारी और भक्तिमय संगीत के बीच आश्रम से जुड़े पुराने दिनों को याद किया गया। देश-विदेश के विभिन्न रामकृष्ण मठों और केंद्रों से आए संन्यासियों एवं भक्तों ने सेवाश्रम से जुड़ी अपनी स्मृतियां साझा कीं।

इस अवसर पर आयोजित जनसभा का शुभारंभ मंगलाचरण से हुआ। रायपुर रामकृष्ण मिशन आश्रम के स्वामी परगानंद ने उद्घाटन गीत प्रस्तुत किया। लखनऊ सेवाश्रम के सहायक सचिव स्वामी विश्वदेवानंद ने स्वागत भाषण दिया। वेदांत सोसाइटी ऑफ पोर्टलैंड के प्रभारी स्वामी चंद्रशेखरानंद ने सत्र का परिचय दिया। इसके बाद सिडनी वेदांत केंद्र के स्वामी सुनीष्ठानंद, श्यामताल विवेकानंद आश्रम के अध्यक्ष स्वामी ज्ञाननिष्ठानंद और लखनऊ सेवाश्रम के सचिव स्वामी मुक्तिनाथानंद समेत कई संन्यासियों एवं भक्तों ने आश्रम से जुड़े अपने अनुभव साझा किए।

इस दौरान डॉ. रंजीत कुमार कर, डॉ. हीरा सिंह, डॉ. विक्रम सिंह, सुखद राम पांडेय, मीरा, अर्चना सरकार, सारदा संघ और दीपाली बनर्जी भी शामिल रहीं। बेलूर मठ के उपाध्यक्ष एवं रामकृष्ण मठ, योगोद्यन कोलकाता के



अध्यक्ष स्वामी विमलात्मानंद ने लखनऊ आश्रम की मेरी स्मृतियां विषय पर अध्यक्षीय भाषण दिया। बंगलूरू के रामकृष्ण मठ, हलासुरू के स्वामी वनीश्वरानंद ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन स्वामी बोधमयानंद ने किया। अशोक मुखर्जी ने समापन गीत प्रस्तुत किया जबकि स्वामी कल्याणेशानंद के भक्तिमय गीतों ने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया।

धार्मिक सद्भाव और एकता का दिया संदेश : शाम को संध्या आरती के बाद बेलूर मठ के अध्यक्ष स्वामी गौतमानंद ने मुख्य मंदिर के सामने स्थापित संगमरमर की शिलापट्टिका का अनावरण किया। इसके बाद विशेष सभा में लखनऊ सेवाश्रम के सचिव स्वामी मुक्तिनाथानंद ने समन्वित भारत के निर्माण में धार्मिक सद्भाव के प्रति स्वामी विवेकानंद की दृष्टि विषय पर विचार रखे। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद का संदेश समस्त मानवता की एकता, सभी धर्मों के सम्मान और सार्वभौमिक बंधुत्व पर आधारित था।

अरुणाचल प्रदेश के नरोत्तम नगर स्थित रामकृष्ण मिशन के सचिव स्वामी अच्युतानंद ने स्वामी विवेकानंद का राष्ट्रवाद एवं समन्वित भारत विषय पर विचार व्यक्त किए। वहीं, रामकृष्ण मिशन नई दिल्ली के सचिव स्वामी सर्वलोकानंद ने धार्मिक सद्भाव के लिए स्वामी विवेकानंद के संदेश पर प्रकाश डाला। शताब्दी समारोह के अवसर पर रामकृष्ण मिशन सेवाश्रम, लखनऊ की 100 वर्षों की यात्रा को संजोने वाली स्मारिका का विमोचन भी स्वामी गौतमानंद ने किया

संक्षिप्त समाचार

एआई के जिम्मेदार उपयोग और गवर्नेंस का दिया प्रशिक्षण

लखनऊ, एजेंसी। नारी सेवा समिति और अंतरराष्ट्रीय संगठन प्रोफेसर्स विदाउट बॉर्डर्स के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित पांच दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला का शुक्रवार को समापन हुआ। 16 से 20 नवंबर तक आयोजित कार्यशाला में फ्रांस की इमैनुएल लेमार्किस और ब्रिटेन के डॉ. ब्लेसिंग मारेगेरे ने शिक्षकों और विद्यार्थियों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के उपयोग का प्रशिक्षण दिया। प्रो. विभा अग्निहोत्री ने बताया कि मोना कॉन्वेंट स्कूल में आयोजित समापन समारोह में एआई के नैतिक एवं जिम्मेदार इस्तेमाल, शैक्षणिक नवाचार, मूल्यांकन और एआई गवर्नेंस पर चर्चा हुई। संस्थापिका प्रतिनिधि पिया कृष्णा ने विशेषज्ञों को सम्मानित किया। प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र बांटे।

उद्योगों की जरूरत के मुताबिक युवाओं को मिलेगा कौशल प्रशिक्षण

कानपुर, एजेंसी। शहर के उद्योगों की जरूरत के अनुसार युवाओं को प्रशिक्षित कर रोजगार से जोड़ने के लिए सरदार वल्लभभाई पटेल कौशल प्रशिक्षण एवं रोजगार क्षेत्र विकसित किया जाएगा। इसके लिए जिला प्रशासन ने भूमि चयन से लेकर प्रशिक्षण और प्लेसमेंट तक की कार्ययोजना तैयार करने की कवायद शुरू कर दी है। शुक्रवार को सरसैया घाट स्थित नवीन सभागार में डीएम महेंद्र सिंह तंवर की अध्यक्षता में हुई बैठक में प्रस्ताव पर चर्चा हुई। डीएम ने अधिकारियों को उद्यमियों के सुझाव लेकर विस्तृत प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्थानीय औद्योगिक इकाइयों की जरूरत के मुताबिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम बनाए जाएं। यूपीसीडा और केडीए को आवागमन व विस्तार की सुविधाओं वाली भूमि तलाशने को कहा गया। प्रस्ताव में उद्योगों की भागीदारी और सीएसआर से संसाधन जुटाने की संभावनाएं भी शामिल होंगी। बैठक में सीडीओ अभिनव जे. जैन, जॉइंट मजिस्ट्रेट संदीप कुमार और उपायुक्त उद्योग अंजनी प्रताप सिंह समेत अधिकारी व उद्यमी मौजूद रहे।

नवंबर अंत तक 100 बेड के अस्पताल में ओपीडी शुरू करने का दावा

कानपुर, एजेंसी। शहर के दक्षिणी इलाके की आबादी को जल्द बड़ी राहत मिलेगी। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों का दावा है कि नवंबर के अंतिम सप्ताह में 100 बेड के अस्पताल में ओपीडी सेवा शुरू कर दी जाएगी। इसके लिए स्टाफ की व्यवस्था की जा रही है। इससे गोविंदनगर, किदवईनगर, नौबस्ता, बर्रा और आसपास के ग्रामीण इलाकों के मरीजों को उर्सला या हैलट अस्पताल नहीं जाना पड़ेगा। शुरुआती चरण में सामान्य रोग, बाल रोग, स्त्री रोग और हड्डी रोग से जुड़ी सेवाएं मिलेंगी। अस्पताल के संचालन में डॉक्टरों और पैरामेडिकल कर्मचारियों की कमी बड़ी बाधा मानी जा रही थी। इससे निपटने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने वैकल्पिक व्यवस्था पर काम शुरू किया है। शहर के अन्य सरकारी अस्पतालों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों से अतिरिक्त स्टाफ की मांग की गई है। इसके लिए संबंधित मुख्य चिकित्सा अधीक्षकों को पत्र लिखकर समायोजन की प्रक्रिया तेज करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि ओपीडी शुरू होने में किसी प्रकार की देरी न हो। वर्तमान में अस्पताल परिसर में साफ-सफाई और आवश्यक उपकरणों की स्थापना का काम चल रहा है। सीएमओ हरिदत्त नेमी ने बताया कि नवंबर के अंतिम सप्ताह में ओपीडी का संचालन शुरू कर देंगे। कर्मचारियों की व्यवस्था की जा रही है।

एंटीबायोटिक दवाओं का बेअसर होना वैश्विक स्वास्थ्य के लिए बड़ी चुनौती

गोरखपुर, एजेंसी। एंटीबायोटिक दवाओं का अनावश्यक और गलत इस्तेमाल धीरे-धीरे उन्हें बेअसर बना रहा है। इससे सामान्य संक्रमण का इलाज भी मुश्किल हो सकता है। रोगाणुओं में दवाओं के प्रति बढ़ती प्रतिरोधक क्षमता वैश्विक स्वास्थ्य के लिए गंभीर चुनौती बन रही है। इससे निपटने के लिए समय पर जांच, सही दवा का चयन और एंटीबायोटिक का विवेकपूर्ण इस्तेमाल जरूरी है। यह बातें शुक्रवार को एम्स गोरखपुर में आयोजित सतत चिकित्सा शिक्षा (सीएमई) कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने कहीं। विश्व एएमआर जागरूकता सप्ताह 2026 के तीसरे दिन माइक्रोबायोलॉजी विभाग की ओर से 'एंटीमाइक्रोबियल इग्न रेजिस्टेंस' विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसका उद्घाटन एम्स की कार्यकारी निदेशक मेजर जनरल डॉ. विभा दत्ता (सेवानिवृत्त) ने किया। इसमें संक्रमण के इलाज में दवाओं के घटते प्रभाव और प्रतिरोध की पहचान के नए तरीकों पर चर्चा हुई। डॉ. अतुल आर रुकाडिकर ने रक्त संक्रमण और सेप्सिस में एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस के खतरे बताए। डॉ. रमा शंकर रथ ने भारत में इसके बढ़ते प्रभाव और वैश्विक स्थिति पर जानकारी दी। डॉ. अरुप मोहंती ने बताया कि रोगाणुओं में दवाओं के प्रति प्रतिरोध कैसे विकसित होता है। वहीं डॉ. स्मृति श्रीवास्तव ने प्रतिरोध की पहचान के लिए तकनीकों की जानकारी दी। अन्य सत्रों में डॉ. प्रियंका बुधवानी ने ब्लड कल्चर और दवाओं के प्रति संक्रमण की संवेदनशीलता जांचने की प्रक्रिया समझाई। डॉ. शशांक शेखर ने सेप्सिस और बुखार के साथ श्वेत रक्त कोशिकाओं की कमी की स्थिति में उपचार संबंधी चुनौतियां बताईं। डॉ. अंकिता काबी ने आईसीयू में बहु-दवा प्रतिरोधी संक्रमणों पर चर्चा की।

चंडौस को मिला आदर्श नगर पंचायत का दर्जा

अलीगढ़, एजेंसी। चंडौस को आदर्श नगर पंचायत का दर्जा मिल गया है। शुक्रवार को शासन ने इसकी घोषणा कर दी है। इस पर नगर पंचायत के वार्ड सदस्यों ने खुशी जताई है। अध्यक्ष डॉ. डीएस भारती और अधिशासी अधिकारी रेनू यादव ने बताया कि काफी समय इसका प्रयास किया जा रहा था। आदर्श नगर पंचायत बनने पर शासन से विकास के लिए चार करोड़ रुपये अतिरिक्त आने की उम्मीद है जिसे प्रकाश व्यवस्था, सड़क, नाला आदि पर खर्च किया जाएगा। इसकी डीपीआर तैयार की जा रही है। नगर पंचायत के वार्ड सदस्य ऋषि शर्मा, अनिल गुप्ता, विनोद गुप्ता, सौरव कुमार, राहुल योगी, लोकेंद्र शर्मा, वारिश, अर्पित चौहान, अली, चयनसुख, राजू चौधरी, जयप्रकाश ने खुशी जाहिर की है।

नमो घाट की भजन क्लबिंग ने मोहा मन, पीएम मोदी ने की युवाओं के उत्साह की सराहना

वाराणसी, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि वाराणसी के नमो घाट पर आयोजित भजन क्लबिंग कार्यक्रम ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया और इसमें युवाओं ने पूरे उत्साह के साथ हिस्सा लिया। दरअसल भजन क्लबिंग एक आधुनिक चलन है, जिसमें युवा किसी कॉन्सर्ट की तरह एक जगह इकट्ठा होकर हिंदू भक्ति गीतों पर गाते हैं, तालियां बजाते हैं और नाचते हैं।

पीएम मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, बाबा विश्वनाथ की नगरी काशी में भजन क्लबिंग के आयोजन ने सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। नमो घाट पर हुए इस कार्यक्रम में मेरे युवा साथियों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। उनका जोश वाकई देखने लायक था।

काशी में शुक्रवार से चार दिवसीय गंगा महोत्सव का आगाज हो गया। महोत्सव की पहली शाम नमो घाट पर 'काशी भजन क्लबिंग'के नाम रही। पहली बार गंगा महोत्सव में पारंपरिक भजनों को आधुनिक संगीत और इलेक्ट्रॉनिक बीट्स के साथ पेश किया गया। कार्यक्रम में युवाओं यानी जेन-जी को ध्यान में रखकर विशेष आयोजन किया गया।

नमो घाट पर हाईटेक मंच और लाइटिंग



घाट के खुले परिसर में भव्य मंच, आधुनिक साउंड सिस्टम और आकर्षक लाइटिंग की व्यवस्था की गई। गंगा की लहरों के किनारे संगीत और भक्ति का अनूठा माहौल तैयार किया गया । युवाओं की संभावित भीड़ को देखते हुए सुरक्षा, बैठने और आवागमन के इंतजाम भी किए गए थे।

युवाओं को संस्कृति से जोड़ने की पहल : डीएम सत्येंद्र कुमार ने कहा कि इस बार गंगा महोत्सव में नई पीढ़ी की रुचि को ध्यान में रखा गया है। काशी भजन क्लबिंग के माध्यम से युवाओं को आधुनिक संगीत और बीट्स के साथ पारंपरिक भजनों और सनातन संस्कृति से जोड़ने का प्रयास किया गया।

महिला मोर्चा 403 विस्तारकों संग तैयारी में जुटेगा, घर-घर जाकर महिलाओं को जोड़ने का लक्ष्य

लखनऊ, एजेंसी। भाजपा महिला मोर्चा आगामी विधानसभा चुनाव के लिए यूपी के सभी 403 विधानसभा क्षेत्रों में महिला विस्तारकों को प्रवास कराकर चुनावी तैयारियों को गति देगा। शुक्रवार को विश्वेश्वरैया प्रेक्षागृह में आयोजित प्रदेश प्रवासी कार्यशाला में आठ राज्यों से आईं 403 महिला विस्तारकों ने हिस्सा लिया।

बैठक में महिला सशक्तीकरण से जुड़ी योजनाओं और चुनावी रणनीति पर चर्चा हुई। इससे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मां सावित्री देवी के निधन पर दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई और शोकाकुल परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की गई।

कार्यशाला में भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री व यूपी प्रभारी विनोद तावड़े, प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक, प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह तथा राज्यसभा सांसद मेधा कुलकर्णी ने विस्तारकों का मार्गदर्शन किया। महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष रूप चौधरी और प्रदेश अध्यक्ष सरोज कुशवाहा ने भी संवाद किया।

विनोद तावड़े ने कहा कि महिला विस्तारक घर-घर जाकर मतदाताओं से सीधा संवाद करें और केंद्र व प्रदेश सरकार की उपलब्धियों



को जन-जन तक पहुंचाएं। महिलाओं को संगठन से जोड़कर बूथ स्तर पर पार्टी की पकड़ मजबूत करनी है। पंकज चौधरी ने कहा कि विधानसभा चुनाव संगठन की सामूहिक शक्ति, जनविश्वास और जनसंपर्क का अभियान है, जिसमें महिला शक्ति की भूमिका महत्वपूर्ण होगी।

महिला शक्ति बनेगी विजय का आधार : केशव प्रसाद मौर्य ने मातृशक्ति को पार्टी की विचारधारा और सरकारी योजनाओं से जोड़ने पर जोर दिया। ब्रजेश पाठक ने कहा कि भाजपा सरकार में मां, बहन और बेटियां सुरक्षित हैं। मेधा कुलकर्णी ने महिला मोर्चा को संगठन की मजबूत कड़ी बताया। रूप चौधरी ने पार्टी की नीतियों और विकास संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने तथा सरोज कुशवाहा ने महिला शक्ति के संकल्प को भाजपा की विजय का आधार बनाने की बात कही।

गढ़मुक्तेश्वर में जनसमस्याओं के समाधान से लेकर मतदाता सूची पुनरीक्षण तक सक्रिय दिखीं डीएम कविता मीना, तीन तहसीलों में 76 शिकायतें प्राप्त, 22 का मौके पर निस्तारण

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)। जनसमस्याओं के त्वरित समाधान, सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और मतदाता सूची को त्रुटिरहित बनाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी कविता मीना ने शनिवार को गढ़मुक्तेश्वर तहसील में विभिन्न गतिविधियों का निरीक्षण किया। तहसील दिवस से पूर्व जिलाधिकारी ने महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से आयोजित गोद भराई कार्यक्रम में पांच गर्भवती महिलाओं की गोद भराई की रस्म संपन्न कराते हुए उन्हें फल, सूखे मेवे, हरी सब्जियां एवं पोषण किट वितरित कीं। इस दौरान आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों ने महिलाओं को संतुलित आहार, पोषण एवं प्रसव पूर्व देखभाल के संबंध में जानकारी दी, जिससे गर्भवती महिलाओं को बेहतर स्वास्थ्य एवं पोषण के प्रति जागरूक किया जा सके।

इसके बाद जिलाधिकारी कविता मीना एवं पुलिस अधीक्षक मधुबन कुमार सिंह की अध्यक्षता में गढ़मुक्तेश्वर तहसील में संपूर्ण समाधान दिवस आयोजित हुआ, जिसमें विभिन्न विभागों से संबंधित जनसमस्याएं सुनी गईं। तहसील दिवस में कुल 26 शिकायतें प्राप्त हुईं,



जिनमें से 12 का अधिकारियों के माध्यम से मौके पर ही निस्तारण कराया गया। प्राप्त शिकायतों में खतौनी, वरासत, सीमांकन, अतिक्रमण, दाखिल-खारिज, भूमि विवाद, मारपीट, शांति भंग, साइबर फ्रॉड, पेंशन, आवास, शौचालय, सड़क, विद्युत एवं पेयजल जैसी समस्याएं प्रमुख रहीं। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी शिकायतों का पोर्टल पर अनिवार्य रूप से अंकन कर



निर्धारित समयसीमा में गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। भूमि विवादों के मामलों में राजस्व एवं पुलिस विभाग संयुक्त रूप से कार्रवाई करें तथा शिकायतकताओं को निस्तारण की जानकारी फोन के माध्यम से भी उपलब्ध कराई जाए। पुलिस अधीक्षक ने कानून-व्यवस्था से जुड़ी शिकायतों पर प्रभावी कार्रवाई करने तथा पीड़ितों की सुनवाई थाना स्तर पर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

इसी क्रम में जिलाधिकारी ने तहसील गढ़मुक्तेश्वर के विभिन्न बूथों पर पहुंचकर एस.एस.आर. (विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण) के कार्यों का निरीक्षण किया तथा बी.एल.ओ. एवं सुपरवाइजर से मतदाता सूची में नए नाम जोड़ने, अपात्र नाम हटाने, संशोधन, सत्यापन और गणना प्रपत्रों के वितरण एवं संकलन की प्रगति की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने बूथों पर पहुंचे आमजन से भी संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और पात्र नागरिकों से मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने की अपील की। बी.एल.ओ. एवं सुपरवाइजर को घर-घर सत्यापन गंभीरता से करने, लोगों को फॉर्म भरने में सहयोग देने तथा पूरी प्रक्रिया पारदर्शिता, शुद्धता और समयबद्धता के साथ संपन्न कराने के निर्देश दिए।

जनपद की तीनों तहसीलों में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान कुल 76 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें 22 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया गया। तहसील धौलाना में अपर जिलाधिकारी के समक्ष 24 शिकायतें आईं, जिनमें से पांच का तत्काल निस्तारण किया गया, जबकि हापुड़ तहसील में उपजिलाधिकारी के समक्ष प्राप्त 26 शिकायतों में से पांच का मौके पर समाधान हुआ। प्रशासन ने शेष शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। इस दौरान गढ़मुक्तेश्वर तहसील के उपजिलाधिकारी, क्षेत्राधिकारी, तहसीलदार सहित जिला स्तरीय अधिकारी एवं विभिन्न विभागों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

आरटीओ का बदला पता, आठ दशक बाद मिला अपना कार्यालय, अब यहां मिलेंगी सभी परिवहन सेवाएं

बरेली, एजेंसी। बरेली में परिवहन विभाग को आठ दशक बाद अपना खुद का कार्यालय भवन मिल गया है। परसाखेड़ा में 16.72 करोड़ रुपये की लागत से 1500 वर्गमीटर भूमि पर निर्मित दो मंजिला भवन का शुक्रवार को परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने लोकार्पण किया। ब्रिटिश शासन काल से अब तक आरटीओ कार्यालय शाहजहांपुर रोड पर नकटिया के पास किराये के भवन में संचालित हो रहा है। नए भवन में सभी परिवहन सेवाएं एक छत के नीचे मिलेंगी।

लोकार्पण समारोह में परिवहन राज्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में भाजपा सरकार बनने से पहले केवल 15 जिलों में परिवहन विभाग के अपने कार्यालय थे, जबकि बाकी जिलों में किराये के भवनों में कामकाज हो रहा था। तीन साल पहले ड्राइविंग टेस्टिंग ट्रैक के निरीक्षण के दौरान उन्होंने यह भूमि देखी थी। तत्कालीन आरटीओ से यहां कार्यालय निर्माण के लिए प्रस्ताव भेजने के लिए कहा था। अब प्रदेश के 65 जिलों में परिवहन विभाग के पास अपने कार्यालय हैं। शेष 10 जिलों में भी जल्द सरकारी भवन तैयार कराए जाएंगे।

उन्होंने नवनिर्मित भवन की सराहना करते हुए कहा कि बरेली में ऑटोमेटिक ड्राइविंग टेस्टिंग ट्रैक और ट्रेनिंग सेंटर भी स्थापित हैं, जहां पारदर्शी तरीके से प्रशिक्षण और परीक्षण की व्यवस्था है। गलत लोगों को ड्राइविंग लाइसेंस जारी होने से सड़क हादसों की आशंका बढ़ती है। इसलिए योग्य चालकों को ही लाइसेंस मिलना जरूरी है।

इस मौके पर राज्यसभा सदस्य श्रुति गंगवार, विधायक संजीव अग्रवाल, एमपी आर्य, एमएलसी कुंवर महाराज सिंह, बहोरन लाल मौर्य, जिला पंचायत की प्रशासक रश्मि पटेल, भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष दुर्विजय सिंह शाक्य, जिलाध्यक्ष सोमपाल शर्मा, डिप्टी ट्रांसपोर्ट कमिश्नर कमल प्रसाद गुप्ता, आरटीओ प्रशासन पंकज सिंह, आरटीओ प्रवर्तन प्रणव झा समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

परिवहन मंत्री ने कहा कि इज्जतनगर में रोडवेज बस अड्डा भी बनकर तैयार है। जल्द ही वह अगले दौरे पर बरेली आएंगे और बस अड्डे का लोकार्पण करेंगे। इसके अलावा बदायूं रोड और नवाबगंज में बस अड्डे के लिए जगह चिह्नित की गई है। वहां जल्द निर्माण शुरू कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि पिछले 10 साल में प्रदेश की सड़क परिवहन सेवाओं में काफी सुधार हुआ है। इसका लोगों को सीधा लाभ मिल रहा है।

खादी महोत्सव का आगाज, स्वदेशी उत्पादों को अपनाने का किया आह्वान

सहारनपुर (शिखर समाचार)। स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने और खादी के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड की ओर से सहारनपुर में खादी महोत्सव 2026-27 का आयोजन किया गया। स्थानीय बेहट रोड स्थित कंपनी बाग में आयोजित महोत्सव का शुभारंभ जिला पंचायत अध्यक्ष मांगे राम चौधरी ने किया। इस अवसर पर उन्होंने आमजन से खादी और स्वदेशी वस्तुओं को अपनाने तथा स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहित करने की अपील की।

उद्घाटन के दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष ने विभिन्न शहरों और राज्यों से आए उद्यमियों की इकाइयों एवं प्रदर्शनी में लगाए गए स्टॉलों का अवलोकन किया।



उन्होंने महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित किया। उद्घाटन समारोह में आर्य कन्या विद्यालय की छात्राओं ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। जिला पंचायत अध्यक्ष ने विभिन्न स्टॉलों पर प्रदर्शित उत्पादों की सराहना करते हुए उद्यमियों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि स्वदेशी उत्पादों को अपनाना देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती देने के साथ स्थानीय कारीगरों और छोटे उद्यमियों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने में भी सहायक है। जिला पंचायत सदस्य रामेंद्र ने प्रधानमंत्री के वोकल फॉर लोकल और स्वदेशी अपनाने के विचार को आगे बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष ने मंडल स्तरीय ग्रामोद्योग पुरस्कार के प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने



वाले विजेताओं को प्रमाण-पत्र, स्मृति चिह्न और प्रतीकात्मक चेक प्रदान कर सम्मानित किया।

प्रदर्शनी की आयोजक परिक्षेत्रीय ग्रामोद्योग अधिकारी माधवी सिंह ने जिला पंचायत अध्यक्ष का पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया और महात्मा गांधी के विचारों को आत्मसात करते हुए स्वदेशी उत्पाद अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में जिला ग्रामोद्योग अधिकारी प्रदीप कुमार, मुजफ्फरनगर के जिला ग्रामोद्योग अधिकारी सोम प्रकाश, शामली के जिला ग्रामोद्योग अधिकारी जुगल किशोर, जिला उद्यान अधिकारी गमपाल सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। राजकीय पॉलीटेक्निक और औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के छात्र-छात्राओं तथा आंगनबाड़ी कार्यकताओं ने भी प्रदर्शनी में प्रतिभाग किया।

खादर क्षेत्र में अवैध शराब के ठिकानों पर पुलिस का छापा, भट्ठियां तोड़ीं

बिजनौर (शिखर समाचार)। अवैध कच्ची शराब के निर्माण और बिक्री पर रोक लगाने के लिए बढ़ापुर थाना पुलिस ने रामगंगा नदी किनारे तथा कुआंखेड़ा और मदपुरी गांव के जंगलों में व्यापक छापेमारी की। पुलिस की इस कार्रवाई में अवैध शराब बनाने की भट्ठियों को ध्वस्त कर करीब 1500 लीटर लहन मौके पर ही नष्ट कर दिया गया। अभियान से अवैध शराब के कारोबार में संलिप्त लोगों में खलबली मच गई। उच्चाधिकारियों के निर्देश पर थाना प्रभारी धर्मेंद्र कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने खादर क्षेत्र में तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान पुलिसकर्मियों ने रामगंगा नदी के आसपास और जंगलों में संदिग्ध स्थानों की जांच की। छापेमारी के दौरान अवैध रूप से कच्ची शराब तैयार करने के लिए बनाई गई भट्ठियां, ड्रम और शराब बनाने में इस्तेमाल होने वाले अन्य उपकरण बरामद हुए। पुलिस टीम ने सभी भट्ठियों और उपकरणों को ध्वस्त कर दिया तथा मौके पर मिले लगभग 1500 लीटर लहन को नष्ट कर दिया, ताकि उससे अवैध शराब तैयार न की जा सके। पुलिस की कार्रवाई की भनक लगते ही अवैध शराब के कारोबार में शामिल लोग मौके से फरार हो गए। पुलिस ने उनकी तलाश की, लेकिन छापेमारी के दौरान किसी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी। थाना प्रभारी धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि अवैध शराब के निर्माण और कारोबार पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए अभियान आगे भी जारी रहेगा। पुलिस की इस कार्रवाई का उद्देश्य क्षेत्र में अवैध शराब की गतिविधियों पर रोक लगाना और कानून व्यवस्था बनाए रखना है।



बाबा श्याम के जयकारों से गूंजा बुढ़ाना, भव्य निशान यात्रा में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब



बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। खाटू श्याम जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में कस्बे में आयोजित तीन दिवसीय धार्मिक कार्यक्रम के तहत शनिवार को भव्य निशान यात्रा निकाली गई। हरनंदेश्वर धाम मंदिर से शुरू हुई निशान यात्रा का शुभारंभ समाजसेवी डॉ. सोनू कश्यप ने फीता काटकर किया। यात्रा में बड़ी संख्या में महिला, पुरुष और युवा श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बाबा श्याम के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। कस्बे में 20 से 22 नवंबर तक खाटू श्याम जन्मोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। शनिवार को निकाली गई निशान यात्रा में श्रद्धालु हाथों में केसरिया ध्वज लेकर भक्ति गीतों की धुन पर झूमते और बाबा श्याम का गुणगान करते नजर आए। यात्रा के विभिन्न स्थानों पर पहुंचने पर नगरवासियों ने पुष्प वर्षा कर श्रद्धालुओं का स्वागत किया। पूरे मार्ग में श्रद्धा और उत्साह का माहौल बना रहा। इस अवसर पर समाजसेवी डॉ. सोनू कश्यप ने कहा कि बाबा खाटू श्याम कलियुग के अवतार और हारे हुए लोगों के सहारे माने जाते हैं। उनके प्रति श्रद्धालुओं की अटूट आस्था लोगों को सेवा, समर्पण और सद्भाव का संदेश देती है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के धार्मिक आयोजनों से समाज में आपसी भाईचारा, प्रेम और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। नगरवासियों द्वारा मिलकर किया गया यह आयोजन सराहनीय है। तीन दिवसीय जन्मोत्सव कार्यक्रम का समापन रविवार को श्याम संकीर्तन के साथ किया जाएगा। यात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन भी मुस्तैद रहा।

पहली बार मतदान करने को उत्साहित युवा, मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए उमड़े



रामपुर मनिहारान/सहारनपुर (शिखर समाचार)। आगामी विधानसभा चुनाव-2027 को लेकर नए मतदाताओं में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके युवा पहली बार मतदाता बनने और लोकतंत्र के महापर्व में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए आगे आ रहे हैं। युवाओं को मतदाता सूची में शामिल करने के उद्देश्य से बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) द्वारा घर-घर जाकर संपर्क किया जा रहा है। इस दौरान पात्र युवाओं को आवश्यक प्रमाणपत्रों की छायाप्रति जमा कराकर मतदाता पहचान प्रक्रिया पूरी करने के लिए जागरूक किया जा रहा है। बीएलओ ओमवती ने बताया कि जिन युवाओं ने पहले भी मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के लिए अपने प्रमाणपत्रों की छायाप्रति जमा कराई थी, लेकिन किन्हीं कारणों से उनके नाम सूची में शामिल नहीं हो सके, उनसे दोबारा दस्तावेज लिए जा रहे हैं, ताकि उनका पंजीकरण सुनिश्चित कराया जा सके। नगर के विभिन्न मतदान केंद्रों पर तैनात बीएलओ अपने-अपने क्षेत्रों में घर-घर पहुंचकर पात्र युवाओं को मतदाता बनने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। नगर के मोहल्ला कायस्थान स्थित रघुबीर शरण जूनियर हाईस्कूल के मतदान केंद्र पर तैनात बीएलओ ओमवती, सीमा सैनी और उमेश वर्मा ने बताया कि उनके क्षेत्रों में युवाओं के बीच मतदाता सूची में नाम शामिल कराने को लेकर काफी उत्साह है। युवा वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में पहली बार मतदान करने को लेकर विशेष रुचि दिखा रहे हैं और आवश्यक प्रमाणपत्र उपलब्ध कराने में भी पूरा सहयोग कर रहे हैं। बीएलओ ने बताया कि अधिक से अधिक पात्र युवाओं को मतदाता सूची से जोड़ने के लिए अभियान पूरी गंभीरता और परिश्रम के साथ चलाया जा रहा है, ताकि कोई भी योग्य युवा अपने मताधिकार से वंचित न रहे।

लोकतंत्र में भागीदारी के लिए युवाओं ने बढ़ाए कदम, विशेष बूथों पर नए मतदाताओं का पंजीकरण

कैराना/शामली (शिखर समाचार)। मतदाता सूची को अधिक समावेशी बनाने और नए मतदाताओं को लोकतांत्रिक प्रक्रिया से जोड़ने के उद्देश्य से शनिवार को क्षेत्र में विशेष बूथों का आयोजन किया गया। बूथों पर बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) एवं संबंधित कर्मचारियों ने उपस्थित रहकर नए मतदाताओं के पंजीकरण के लिए आवेदन प्राप्त किए। विशेष बूथों पर 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके युवाओं को मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के लिए जागरूक किया गया। इसके साथ ही नागरिकों को मतदाता सूची में नया नाम जुड़वाने, पहले से दर्ज नाम में संशोधन कराने तथा अन्य आवश्यक प्रक्रियाओं की जानकारी दी गई। नए मतदाता बनने के इच्छुक युवाओं और अन्य पात्र नागरिकों ने अपने जरूरी दस्तावेजों के साथ आवेदन जमा कराए।



प्रशासन की ओर से नागरिकों से अपील की गई कि लोकतंत्र को मजबूत बनाने और मतदान में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक पात्र व्यक्ति अपना नाम मतदाता सूची में अवश्य दर्ज कराए। अधिकारियों ने मतदाता पंजीकरण की प्रक्रिया के प्रति जागरूक रहने और निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार आवेदन करने पर भी जोर दिया।

तीनों तहसीलों में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन, 240 शिकायतों में से 15 का मौके पर निस्तारण

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। शासन की मंशा के अनुरूप जनसामान्य की समस्याओं का त्वरित, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से शनिवार, 21 नवंबर 2026 को जनपद की तीनों तहसीलों में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान तीनों तहसीलों में कुल 240 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से 15 शिकायतों का संबंधित अधिकारियों द्वारा मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया, जबकि शेष प्रकरणों के समयबद्ध समाधान के निर्देश दिए गए।

जिलाधिकारी मेघा रूपम ने तहसील सदर में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता करते हुए फरियादियों की समस्याएं सुनीं। यहां कुल 11 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 06 का मौके पर निस्तारण किया गया। जिलाधिकारी ने सभी जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनशिकायतों की निष्पक्ष जांच करते हुए उनका संवेदनशीलता के साथ समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाए, ताकि आमजन को अनावश्यक परेशानी न उठानी पड़े।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने संबंधित चार्ज अधिकारियों को स्वगणना कार्य निर्धारित समयावधि



के भीतर शत-प्रतिशत पूर्ण कराने के निर्देश दिए। इसके उपरांत उन्होंने ईवीएम प्रदर्शन केंद्र का भी निरीक्षण किया और अधिकारियों से कहा कि प्रदर्शन केंद्र के माध्यम से आमजन को ईवीएम व वीवीपैट की कार्यप्रणाली समझाकर मतदान प्रक्रिया के प्रति जागरूक किया जाए। सदर तहसील में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. मदन मोहन मणि त्रिपाठी, उप जिलाधिकारी सदर आशुतोष गुप्ता, प्रभागीय वनाधिकारी रजनीकांत मित्तल, जिला विकास अधिकारी नेहा सिंह, तहसीलदार सदर और नायब तहसीलदार सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

इसी क्रम में तहसील दादरी में उप जिलाधिकारी अरुण कुमार की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस संपन्न हुआ, जहां कुल 144 शिकायतें दर्ज हुईं और 07 का मौके पर निस्तारण किया गया। वहीं, तहसील जेवर में उप जिलाधिकारी दुर्गेश सिंह की अध्यक्षता में आयोजित समाधान दिवस में प्राप्त 85 शिकायतों में से 02 का मौके पर समाधान किया गया।

मस्जिद प्रकरण पर ओवैसी और चंद्रशेखर आजाद ने उठाए सवाल, निष्पक्ष जांच की मांग

सहारनपुर (शिखर समाचार)। मस्जिद प्रकरण को लेकर एआईएमआईएम प्रमुख एवं सांसद असदुद्दीन ओवैसी और आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद शनिवार को सहारनपुर जिला मुख्यालय पहुंचे। दोनों नेताओं ने अपर जिलाधिकारी प्रशासन लवी त्रिपाठी से मुलाकात कर मामले में हुई कार्रवाई पर असंतोष जताया और पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की। इसके बाद दोनों नेताओं ने संयुक्त प्रेस वार्ता कर प्रदेश की भाजपा सरकार पर निशाना साधा।

दोनों नेताओं के जिला मुख्यालय पहुंचने की सूचना पर कलेक्ट्रेट परिसर में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। सुबह से ही पुलिस बल तैनात रहा और परिसर में आने-जाने वाले लोगों पर निगरानी रखी गई। अपर जिलाधिकारी प्रशासन से मुलाकात के दौरान ओवैसी और चंद्रशेखर आजाद ने कहा कि मामले में किसी भी आमजन को अनावश्यक रूप से परेशान नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने प्रशासन से कार्रवाई की निष्पक्षता सुनिश्चित करने और उचित कदम उठाने की मांग की। कुछ मिनट की वार्ता के बाद दोनों नेता वहां से रवाना हो गए। संयुक्त प्रेस वार्ता में असदुद्दीन ओवैसी ने आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश में शोषण की राजनीति की जा रही है और कानून के शासन के बजाय बंदूक का राज देखने को मिल रहा है। उन्होंने मुठभेड़, मस्जिदों और मदरसों पर बुलडोजर कार्रवाई तथा भय का माहौल बनाए जाने जैसे मुद्दों पर सरकार को घेरा। ओवैसी ने महंगाई, बेरोजगारी और किसानों की समस्याओं को उठाते हुए कहा कि प्रदेश में



किसान परेशान हैं और युवाओं का भविष्य रोजगार के अभाव से प्रभावित हो रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की राजनीति में एक मजबूत विकल्प की आवश्यकता है। इसी उद्देश्य से सामाजिक परिवर्तन मोर्चा बनाया गया है, जो किसानों, युवाओं और महिलाओं के हितों तथा न्याय की स्थापना के लिए काम करेगा। उन्होंने दावा किया कि भाजपा और योगी आदित्यनाथ सरकार को तीसरी बार सत्ता में आने से रोकने की इच्छा रखने वाले मतदाताओं तक मोर्चे का संदेश पहुंच रहा है।

गौरतलब है कि आजाद समाज पार्टी और एआईएमआईएम ने आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर सामाजिक परिवर्तन मोर्चा बनाया है। ऐसे में दोनों नेताओं की संयुक्त सक्रियता और मस्जिद प्रकरण को लेकर सहारनपुर जिला मुख्यालय पहुंचने को राजनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

जनगणना ड्यूटी में लापरवाही बरतने वालों पर होगी एफआईआर, 2436 कर्मचारियों की तैनाती

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। जनगणना-2027 के कार्य में लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों के खिलाफ अब सख्त कार्रवाई की जाएगी। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने स्पष्ट किया है कि जनगणना जैसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। ड्यूटी प्राप्त करने के बावजूद कार्य शुरू नहीं करने वाले कर्मचारियों को तत्काल अपना ड्यूटी पत्र लेकर आवंटित क्षेत्र में जनगणना का काम शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं। आदेशों का पालन नहीं करने पर संबंधित कर्मचारियों के खिलाफ जनगणना अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कराने सहित कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

जनगणना के द्वितीय चरण के तहत 16 से 30 नवंबर तक स्वगणना अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान निवासी जनगणना पोर्टल पर जाकर अपने और परिवार से संबंधित जानकारी स्वयं दर्ज कर सकते हैं। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण क्षेत्र में इस कार्य को समयबद्ध ढंग से पूरा कराने



के लिए कुल 2436 गणनाकार और 330 पर्यवेक्षक तैनात किए गए हैं। इन्हें अलग-अलग क्षेत्रों की जिम्मेदारी सौंपी गई है। नगर जनगणना अधिकारी एवं प्राधिकरण के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी सुमित यादव ने बताया कि जिन गणनाकारों ने अभी तक अपनी ड्यूटी प्राप्त नहीं की है और आवंटित क्षेत्र में कार्य शुरू नहीं किया है, उन्हें तत्काल जिम्मेदारी संभालने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि आदेशों की अनदेखी करने वाले कर्मचारी अपनी कार्रवाई के लिए स्वयं जिम्मेदार होंगे। सभी कर्मचारियों से निर्धारित समयसीमा में कार्य पूरा करने की अपील की गई है। वहीं, स्वगणना अभियान को प्रोत्साहित करने के लिए प्राधिकरण ने विशेष पहल की है। जिस सेक्टर या आवासीय सोसाइटी के शत-प्रतिशत निवासी स्वगणना प्रक्रिया में शामिल होंगे, वहां के सेक्टर अथवा सोसाइटी प्रतिनिधि और रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन के पदाधिकारियों को प्राधिकरण के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा सम्मानित किया जाएगा। सुमित यादव ने सभी सेक्टरवासियों और आवासीय सोसाइटियों से अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की है।

विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान: डीएम ने मतदेय स्थलों का किया निरीक्षण

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। भारत निर्वाचन आयोग और मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश के निर्देशानुसार जनपद में मतदाता सूची को शुद्ध एवं त्रुटिरहित बनाने के लिए 21 व 22 नवंबर तथा 28 व 29 नवंबर 2026 को विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में शनिवार, 21 नवंबर 2026 को जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी रविंद्र कुमार मॉदड़ ने जिले के विभिन्न मतदेय केंद्रों का भ्रमण कर अभियान के तहत चल रहे कार्यों का जायजा लिया और बीएलओ के कार्यों की गहन समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने वैशाली सेक्टर-1 स्थित ऋषभ पैराडाइज व क्लाउड-9 के बूथ संख्या 520 तथा निहो स्कॉटिश गार्डन के बूथ संख्या 557 पर तैनात बीएलओ के कार्यों को परखा। इसके बाद उन्होंने शिप्रा सनसिटी स्थित रिवेरा पब्लिक स्कूल केंद्र के बूथ



संख्या 525 से 535 तक और डीपीएस स्थित बूथ संख्या 506 व 507 का निरीक्षण किया, जहां उन्होंने छह अन्य बीएलओ से भी संवाद कर प्रगति जानी। इसी कड़ी में जिलाधिकारी ने केआर मंगलम स्कूल (बूथ संख्या 632 से 642) और अमेठी इंटरनेशनल स्कूल (बूथ संख्या 296 से 306) पहुंचकर बीएलओ को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने सभी बीएलओ के रजिस्टरों की जांच करते हुए वितरित और वापस प्राप्त हुए फॉर्म-6, फॉर्म-7 तथा फॉर्म-8 का विवरण लिया। उन्होंने सुपरवाइजर, एईआरओ और ईआरओ को निर्देशित किया कि यदि किसी सोसायटी या गली में एक बीएलओ के पास मतदाताओं की संख्या अधिक है और दूसरे के पास कम, तो कार्यभार का उचित समायोजन किया जाए, ताकि सभी बीएलओ सुगमता और सुचारु रूप से अपना कार्य संपन्न कर सकें।

निरीक्षण के दौरान कुछ बीएलओ ने अवगत कराया कि कई मतदाताओं ने अपने फॉर्म खाद्यान्न विभाग, स्वास्थ्य विभाग, औद्योगिक संगठनों और आवासीय संगठनों के पास जमा कराए हैं, जो अभी तक संबंधित बीएलओ को प्राप्त नहीं हुए हैं। इस पर जिलाधिकारी ने तत्काल संबंधित अधिकारियों को फोन पर निर्देश दिया कि विभिन्न विभागों और संगठनों के पास जमा सभी लंबित फॉर्म शीघ्र बीएलओ को उपलब्ध कराए जाएं, ताकि समय पर उन पर आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

इसके उपरांत जिलाधिकारी ने होटल कंट्री इन में मतदाता जागरूकता के लिए स्थापित विशेष हेल्प डेस्क का भी निरीक्षण किया और वहां मौजूद कर्मचारियों से आमजन को दी जा रही जानकारी के संबंध में फीडबैक लिया। उन्होंने सभी अधिकारियों और बीएलओ को पूरी जिम्मेदारी के साथ पात्र मतदाताओं के नाम जोड़ने और अपात्र व त्रुटिपूर्ण प्रविष्टियों पर नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस दौरान कृषि उपनिदेशक आशीष कुमार सिंह सहित बड़ी संख्या में मीडियाकर्मी उपस्थित रहे।

चांदपुर में 82 फरियादियों ने रखीं समस्याएं, 11 शिकायतों का मौके पर निस्तारण



बिजनौर (शिखर समाचार)। तहसील चांदपुर में शनिवार को मुख्य विकास अधिकारी रणविजय सिंह की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इसमें विभिन्न विभागों से संबंधित समस्याओं को लेकर पहुंचे फरियादियों ने अधिकारियों के समक्ष अपनी शिकायतें दर्ज कराईं। समाधान दिवस में कुल 82 शिकायती पत्र प्राप्त हुए, जिनमें से 11 शिकायतों का अधिकारियों ने मौके पर ही निस्तारण कर दिया। मुख्य विकास अधिकारी रणविजय सिंह ने शेष शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक प्रकरण की निष्पक्षता से जांच कर निर्धारित समयसीमा में गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अधिकारियों की जिम्मेदारी है कि वे शिकायतों का समाधान केवल कागजी कार्रवाई तक सीमित न रखें, बल्कि पीड़ित और शिकायतकर्ता को वास्तविक राहत पहुंचाएं। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि प्रत्येक शिकायत पर की गई कार्रवाई से संबंधित शिकायतकर्ता को अनिवार्य रूप से अवगत कराया जाए, ताकि उसे अपनी समस्या के समाधान की स्थिति की जानकारी मिल सके। मुख्य विकास अधिकारी ने अधिकारियों को जनसमस्याओं के प्रति संवेदनशीलता बरतने और लंबित शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण करने पर जोर दिया। इस अवसर पर तहसीलदार चांदपुर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

गढ़ गंगा कार्तिक मेले में डीएम और एसपी ने परखी व्यवस्थाएं, अस्थायी मुख्य चिकित्सालय का निरीक्षण कर सुरक्षा का लिया जायजा



गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)। गढ़ गंगा कार्तिक मेला-2026 को सकुशल एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन और पुलिस लगातार व्यवस्थाओं पर नजर बनाए हुए हैं। इसी क्रम में जिलाधिकारी कविता मीना एवं पुलिस अधीक्षक कुंवर ज्ञानंजय सिंह ने गढ़मुक्तेश्वर थाना क्षेत्र अंतर्गत मेला स्थल पर बनाए गए अस्थायी मुख्य चिकित्सालय का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं, चिकित्सा व्यवस्थाओं और उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने संबंधित कर्मचारियों से व्यवस्थाओं की जानकारी लेते हुए श्रद्धालुओं को आवश्यकता पड़ने पर तत्काल उपचार उपलब्ध कराने और चिकित्सा सेवाओं को अलर्ट रखने के निर्देश दिए। इसके बाद जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने मेला स्थल का पैदल भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने श्रद्धालुओं की भीड़, आवागमन, सुरक्षा प्रबंधों तथा मेला क्षेत्र में तैनात व्यवस्थाओं का निरीक्षण करते हुए संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। अधिकारियों ने मेले में आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधा और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए सभी विभागों को समन्वय के साथ मुस्तैद रहने के निर्देश दिए, ताकि गढ़ गंगा कार्तिक मेला शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं सकुशल संपन्न हो सके।

एसजी शिखर हाइट्स में श्रद्धा और उल्लास के साथ संपन्न हुआ तुलसी-शालिग्राम विवाह



गाजियाबाद (शिखर समाचार)। सिद्धार्थ विहार स्थित एसजी शिखर हाइट्स सोसायटी में देवउठनी एकादशी के पावन अवसर पर शिव शरणम् मंदिर समिति के तत्वावधान में तुलसी विवाह का भव्य आयोजन किया गया। इस शुभ अवसर पर माता तुलसी और भगवान शालिग्राम का विवाह पूरे वैदिक विधि-विधान एवं हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ।

समारोह के दौरान माता तुलसी का सुंदर दुल्हन की तरह श्रृंगार किया गया, वहीं भगवान शालिग्राम जी को दूल्हे के रूप में सजाया गया। सोसायटी परिसर में बैंड-बाजे और संगीत के साथ भगवान शालिग्राम की भव्य बारात निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में सोसायटी के निवासियों ने बड़े उत्साह और श्रद्धा के साथ भाग लिया।

विवाह की सभी पारंपरिक रस्मों में निवासियों ने मिल-जुलकर सहभागिता की। भजन-कीर्तन, संगीत और मंगल गीतों के बीच समूचा वातावरण भक्तिमय और उत्सवमय बना रहा। शिव शरणम् मंदिर समिति द्वारा आयोजित इस धार्मिक कार्यक्रम में सोसायटी वासियों का उत्साह व सहयोग सराहनीय रहा। अंत में सभी श्रद्धालुओं ने विवाह समारोह में सम्मिलित होकर भगवान का आशीर्वाद प्राप्त किया।

राष्ट्रीय संस्कृति महोत्सव में शामली के तीन होनहार छात्र दिखाएंगे प्रतिभा



शामली (शिखर समाचार)। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर जूनियर हाईस्कूल, बुढ़ाना फाटक शामली के तीन छात्र अखिल भारतीय संस्कृति महोत्सव में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। 22 से 24 नवंबर तक हरियाणा के कुरुक्षेत्र स्थित गीता भवन आवासीय विद्यालय में आयोजित होने वाले इस महोत्सव के लिए विद्यालय के छात्र आदित्य मंगल, आयुष्मान भारद्वाज और अमोल शर्मा का चयन हुआ है।

विद्यालय के आचार्य शिवकुमार धीमान ने बताया कि तीनों छात्रों ने बरेली में आयोजित क्षेत्रीय संस्कृति महोत्सव में प्रथम स्थान प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया था। इसी उपलब्धि के आधार पर उनका चयन अखिल भारतीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए किया गया है। इस महोत्सव में देशभर के 11 क्षेत्रों की टीमें प्रतिभाग करेंगी, जिसमें विभिन्न सांस्कृतिक एवं रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। छात्रों के चयन पर विद्यालय परिवार में खुशी का माहौल है। विद्यालय अध्यक्ष चंचल गोयल, प्रबंधक विवेक संगल, कोषाध्यक्ष गौरव संगल एवं वरिष्ठ आचार्य रविंद्र कुमार ने तीनों छात्रों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने विश्वास जताया कि छात्र राष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी प्रतिभा से विद्यालय और शामली का नाम रोशन करेंगे।

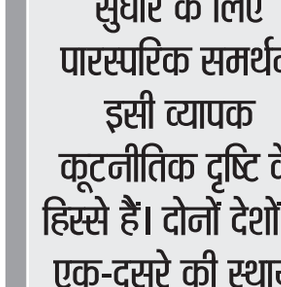
संपादकीय

नीतीश सेतु पर सियासी संग्राम, विकास की उपलब्धि पर भारी पड़ती श्रेय लेने की होड़

बिहार की राजनीति में गंगा नदी पर बना कच्ची दरगाह बिदुपुर छह लेन पुल इन दिनों विकास की बड़ी उपलब्धि होने के साथ साथ राजनीतिक प्रतिष्ठा का प्रतीक भी बन गया है। 21 नवंबर 2026 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नाम पर रखे गए नीतीश सेतु का उद्घाटन कर इसे जनता को समर्पित कर दिया। उद्घाटन के बाद प्रधानमंत्री ने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान और अन्य नेताओं के साथ पुल पर पैदल भ्रमण भी किया। लेकिन इस भव्य आयोजन के बीच जिस तरह नामकरण, राजनीतिक श्रेय और उद्घाटन की आवश्यकता को लेकर सवाल उठे, उसने बिहार की राजनीति में एक नई बहस को जन्म दे दिया है। यह बहस केवल एक पुल के नाम तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भी बताती है कि देश में विकास की परियोजनाएं किस तरह राजनीतिक दलों के लिए अपनी उपलब्धियां गिनाने और विरोधियों को घेरने का माध्यम बनती जा रही हैं। लगभग 4,280 करोड़ रुपये की लागत से तैयार यह पुल बिहार की महत्वपूर्ण आधारभूत परियोजनाओं में शामिल है। इसका मुख्य पुल 9.76 किलोमीटर लंबा है, जबकि दोनों ओर लगभग 10 किलोमीटर संपर्क मार्ग भी बनाए गए हैं। यह पटना जिले के कच्ची दरगाह को वैशाली जिले के बिदुपुर से जोड़ता है। गंगा नदी पर बने इस छह लेन पुल से उत्तर और दक्षिण बिहार के बीच आवागमन आसान होने की उम्मीद है। विशेष रूप से राघोपुर दियारा क्षेत्र के लोगों के लिए यह किसी बड़ी सौगात से कम नहीं है। वर्षों से यहां के लोगों को नाव और अस्थायी पीपा पुलों के सहारे आवागमन करना पड़ता था। बरसात और बाढ़ के दिनों में संपर्क व्यवस्था प्रभावित होने से शिक्षा, स्वास्थ्य और व्यापार जैसी आवश्यक गतिविधियों में परेशानी होती थी। अब बेहतर सड़क संपर्क से लोगों को पटना पहुंचने में सुविधा मिलेगी। महात्मा गांधी सेतु पर यातायात का दबाव कम करने और कृषि उत्पादों तथा औद्योगिक सामान की आवाजाही को गति देने में भी यह परियोजना महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। इस परियोजना की कहानी भी बिहार के विकास के लंबे राजनीतिक सफर से जुड़ी है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के अनुसार, इसकी विस्तृत परियोजना रिपोर्ट वर्ष 2012 में तैयार की गई थी और वर्ष 2015 में तत्कालीन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने निर्माण कार्य की शुरूआत कराई थी। निर्माण की जटिलताओं, गंगा की बदलती धारा, बाढ़ और तकनीकी चुनौतियों के कारण इसे पूरा होने में लंबा समय लगा। जून 2025 में इसका शुरूआती 4.57 किलोमीटर हिस्सा आंशिक रूप से यातायात के लिए खोला गया था। अब पूरी परियोजना के उद्घाटन के साथ इसका व्यापक उपयोग संभव हुआ है। यही कारण है कि सरकार नीतीश कुमार के योगदान को रेखांकित करते हुए इसे उनके नाम से जोड़ रही है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी का कहना है कि नीतीश कुमार ने लगभग दो दशक तक बिहार की सेवा की और इस क्षेत्र को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके नाम पर पुल का नामकरण इसी योगदान का सम्मान है। हालांकि विपक्ष ने सरकार के इस फैसले को राजनीतिक उद्देश्य से प्रेरित बताया है। राष्ट्रीय जनता दल के नेता और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने सवाल उठाया कि जब इस पुल के एक हिस्से का उद्घाटन और संचालन पहले ही शुरू हो चुका था तो प्रधानमंत्री द्वारा दोबारा उद्घाटन की आवश्यकता क्यों पड़ी? उनका आरोप है कि सरकार इस परियोजना का राजनीतिक श्रेय लेने की कोशिश कर रही है। उन्होंने जीवित व्यक्ति के नाम पर सार्वजनिक परियोजना का नाम रखने की परंपरा पर भी सवाल खड़े किए। तेजस्वी की बहन रोहिणी आचार्य ने नामकरण को लेकर अलग प्रतिक्रिया देते हुए इसे सामाजिक न्याय से जोड़ने की मांग की और लालू प्रसाद यादव के नाम का विकल्प भी सामने रखा। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने भी गुरु गोविंद सिंह के नाम पर पुल का नाम रखने के प्रस्ताव का हवाला देते हुए सवाल उठाया कि आखिर उस प्रस्ताव को बदलने की जरूरत क्यों पड़ी।

~ मौलिक चिंतन ~

जीवन की हर कठिनाई हमें तोड़ने नहीं आती, कुछ कठिनाइयाँ हमें नया रूप देने भी आती हैं।



© विनय संकोची

विदेश की धरती से भारत की कमियां गिनाने के बजाय राहुल गांधी देश को बताएं समाधान का रास्ता



कांतिलाल मांडोत

केवल आरोपों से नहीं जीता जाता मतदाताओं का विश्वास कांग्रेस को भी राहुल के बयानों पर आत्ममंथन करना चाहिए...

भारत जैसे विशाल लोकतांत्रिक देश में विपक्ष की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण होती है। सरकार की नीतियों पर सवाल उठाना, जनता की समस्याओं को सामने लाना और सत्ता को जवाबदेह बनाना विपक्ष का अधिकार ही नहीं, उसकी जिम्मेदारी भी है। लेकिन विपक्ष की राजनीति केवल आलोचना और आरोपों तक सीमित रह जाए तो जनता के मन में स्वाभाविक रूप से सवाल उठने लगते हैं। देश को केवल यह बताने से काम नहीं चलेगा कि समस्याएं कितनी हैं, बल्कि यह भी बताना होगा कि उनका समाधान कैसे होगा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी को अब इस बात पर गंभीरता से विचार करना चाहिए।

राहुल गांधी इन दिनों अमेरिका के दौरे पर हैं। वहां उन्होंने भारत में बेरोजगारी, शिक्षा व्यवस्था, अर्थव्यवस्था और मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों को लेकर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि देश के युवाओं को भविष्य की चिंता सता रही है और चुनावी व्यवस्था में पारदर्शिता को लेकर सवाल हैं। इन मुद्दों पर चर्चा होना जरूरी है, क्योंकि बेरोजगारी और चुनावी निष्पक्षता लोकतंत्र से जुड़े महत्वपूर्ण विषय हैं। लेकिन सवाल यह है कि क्या देश की समस्याओं को विदेश में गिनाने से उनका समाधान निकल आएगा? क्या राहुल गांधी के पास इन समस्याओं को दूर करने की कोई ठोस योजना भी है?

पिछले ग्यारह वर्षों में राहुल गांधी कई बार अमेरिका का दौरा कर चुके हैं। अलग-अलग अवसरों पर उन्होंने नोटबंदी, जीएसटी, बेरोजगारी, महंगाई, कश्मीर, लोकतंत्र, संवैधानिक संस्थाओं और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की विचारधारा पर अपनी बात रखी है। लोकतंत्र में किसी भी नेता को अपनी राय रखने की स्वतंत्रता है, लेकिन जब कोई राष्ट्रीय स्तर का नेता विदेश में भारत की व्यवस्था पर लगातार सवाल उठाता है तो उससे यह अपेक्षा भी की जाती है कि वह देश की उपलब्धियों और संभावनाओं को भी सामने रखे। भारत केवल समस्याओं से घिरा देश नहीं है। यहां विज्ञान, तकनीक, अंतरिक्ष, डिजिटल भुगतान, सड़क, रेल और आधारभूत सुविधाओं के क्षेत्र में लगातार काम हो रहा है। भारतीय युवा दुनिया के अनेक देशों में अपनी प्रतिभा का परिचय दे रहे हैं। इन उपलब्धियों को स्वीकार करना किसी सरकार का समर्थन करना नहीं, बल्कि देश की प्रगति को पहचानना है।

राहुल गांधी बेरोजगारी की बात करते हैं तो उन्हें यह भी बताना चाहिए कि कांग्रेस के पास इसका क्या समाधान है। युवाओं को रोजगार चाहिए, केवल भाषण नहीं। शिक्षा व्यवस्था में सुधार, कौशल विकास, उद्योगों का विस्तार और छोटे कारोबार को प्रोत्साहन देना समय की आवश्यकता है। सरकार से रोजगार के आंकड़ों और रिक्त पदों पर सवाल पूछना उचित है, लेकिन विपक्ष को भी अपनी रोजगार नीति जनता के सामने रखनी चाहिए। कांग्रेस यह बताए कि सत्ता में आने पर वह कितने रोजगार के अवसर पैदा करेगी और युवाओं के भविष्य को सुरक्षित बनाने के लिए क्या कदम उठाएगी। केवल निराशा का वातावरण बताने से युवाओं का विश्वास नहीं जीता जा सकता।

इसी तरह राहुल गांधी ने मतदाता सूची और एसआईआर प्रक्रिया को लेकर भी सवाल उठाए हैं। चुनावी व्यवस्था में पारदर्शिता होनी चाहिए और निर्वाचन आयोग को हर उचित सवाल का जवाब देना चाहिए। लेकिन किसी भी संवैधानिक संस्था पर आरोप लगाने से पहले उसके समर्थन में प्रमाण प्रस्तुत करना भी जरूरी है। यदि कांग्रेस के पास मतदाता सूची में गड़बड़ी या चुनावी अनियमितता से जुड़े दस्तावेज हैं तो उन्हें निर्वाचन आयोग के सामने रखना चाहिए। जरूरत पड़ने पर न्यायालय का रास्ता अपनाना चाहिए। लोकतंत्र में आरोप लगाने की स्वतंत्रता के साथ प्रमाण देने की जिम्मेदारी भी जुड़ी होती है। बिना ठोस आधार के बार-बार संदेह जताने से मतदाताओं के मन में भ्रम पैदा हो सकता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत की आलोचना करना राहुल गांधी के लिए नया नहीं है। राजनीतिक विरोध और वैचारिक मतभेद लोकतंत्र की स्वाभाविक प्रक्रिया हैं। कांग्रेस की अपनी विचारधारा है और उसे उसे जनता के सामने रखने का पूरा अधिकार है। लेकिन हर मुद्दे को मोदी, शाह या संघ के विरोध से जोड़ देने से जनता की मूल समस्याओं पर चर्चा कमजोर पड़ जाती है। देश की राजनीति व्यक्तियों के विरोध से आगे बढ़कर नीतियों और विकास के विकल्पों पर केंद्रित होनी चाहिए।

यहां एक बड़ा सवाल कांग्रेस नेतृत्व से भी है। राहुल गांधी के बयानों को लेकर पार्टी के वरिष्ठ नेता आखिर चुप क्यों रहते हैं? क्या कांग्रेस में कोई ऐसा मंच नहीं है जहां विदेश में दिए गए बयानों की समीक्षा हो सके? क्या पार्टी नेतृत्व यह नहीं देखता कि इस तरह के बयानों से आम मतदाता के बीच क्या संदेश जाता है? किसी भी राजनीतिक दल में नेतृत्व की बात महत्वपूर्ण होती है, लेकिन पार्टी की सामूहिक जिम्मेदारी भी कम नहीं होती। कांग्रेस को अपने नेता के हर बयान का समर्थन करने के बजाय तथ्यों के आधार पर आत्ममंथन करना चाहिए। यदि किसी बयान से देश के भीतर या बाहर गलत संदेश जाता है तो उस पर स्पष्टता देना पार्टी का दायित्व है।

कांग्रेस के सामने सबसे बड़ी चुनौती जनता का विश्वास दोबारा हासिल करने की है। 2014 से पहले भ्रष्टाचार के अनेक आरोप और विवाद तत्कालीन सरकार के सामने बड़ी चुनौती बन गए थे। जनता ने चुनाव में अपना निर्णय सुनाया और सत्ता परिवर्तन हुआ। इसके बाद भी कांग्रेस अपने संगठन और राजनीतिक कार्यशैली में अपेक्षित बदलाव नहीं कर पाई। केवल प्रधानमंत्री मोदी की आलोचना करने से पार्टी का खोया जनाधार वापस नहीं आने वाला। जनता को यह जानना है कि कांग्रेस के पास देश के विकास, रोजगार, शिक्षा, किसान, मजदूर और मध्यमवर्ग के लिए कौन सी नई योजनाएं हैं।

राजनीति में विरोध करना आसान है, लेकिन जनता के सामने भरोसेमंद विकल्प रखना कठिन जिम्मेदारी है। राहुल गांधी को यह समझना होगा कि मतदाता अब केवल भाषण सुनकर निर्णय नहीं करता। वह काम, नेतृत्व, नीतियों और भविष्य की योजनाओं को भी देखता है। विदेश में जाकर भारत की कमियां गिनाने के बजाय उन्हें यह बताना चाहिए कि उन कमियों को दूर करने के लिए उनकी पार्टी क्या करेगी। सरकार को भी आलोचनाओं का जवाब तथ्यों और अपने काम के आधार पर देना चाहिए।

भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था में सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों की अपनी भूमिका है। देश की छवि किसी एक राजनीतिक दल की संपत्ति नहीं है। सरकार की गलतियों पर सवाल उठना चाहिए और विपक्ष की गलतियों पर भी चर्चा होनी चाहिए। राहुल गांधी को यह समझना होगा कि लगातार आरोप लगाने से मतदाताओं का दिल नहीं जीता जा सकता। कांग्रेस को भी अपने नेतृत्व से यह सवाल पूछना चाहिए कि आखिर पार्टी देश को कौन सा रास्ता दिखाना चाहती है। जनता को आरोपों की राजनीति नहीं, समाधान की राजनीति चाहिए। अब समय आ गया है कि राहुल गांधी केवल समस्याओं की सूची पेश करने के बजाय उनका व्यावहारिक समाधान बताएं। लोकतंत्र में वही नेतृत्व लंबे समय तक जनता का विश्वास हासिल करता है, जो सवाल उठाने के साथ जवाब और विकल्प देने की क्षमता भी रखता हो।

(वरिष्ठ पत्रकार, साहित्यकार, स्तम्भकार)

ट्रंप का भारतीय इकोनॉमी की तारीफ के मायने



डॉ. हिदायत अहमद खान

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जब भारतीय अर्थव्यवस्था की तारीफ करते हैं और भारत की करीब सात प्रतिशत विकास दर को अमेरिकी अर्थव्यवस्था के लिए उदाहरण बताते हैं, तो इसे केवल भारत के प्रति उनके बदले हुए नजरिये के रूप में देखना उचित नहीं होगा। उनकी इस टिप्पणी के पीछे अमेरिकी घरेलू राजनीति, आर्थिक नीतियों और फेडरल रिजर्व के साथ जारी टकराव की पृष्ठभूमि भी है। सवाल यह है कि जिस भारत पर उनके प्रशासन ने टैरिफ संबंधी दबाव बढ़ाया, जिसके नागरिकों के लिए वीजा नीतियां सख्त की गईं, उसी भारत की आर्थिक व्यवस्था अचानक उन्हें इतनी आकर्षक क्यों दिखाई देने लगी? ट्रंप की इस बात में दम है कि भारत में ब्याज दरें कम हैं और जीडीपी सात प्रतिशत की दर से बढ़ रही है। इसके मुकाबले उन्होंने अमेरिकी अर्थव्यवस्था की विकास-दर का जिक्र करते हुए दावा किया कि यदि अमेरिका में भी ब्याज दरें कम रखी जाएं तो विकास दर 14, 15 या 20 प्रतिशत तक पहुंच सकती है। उन्होंने अमेरिकी फेडरल रिजर्व पर राजनीतिक रवैया अपनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि अच्छे आर्थिक आंकड़े आने के बावजूद केंद्रीय बैंक ब्याज दरें बढ़ाने की दिशा में काम करता है। ट्रंप का मानना है कि आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने और सरकारी कर्ज चुकाने की क्षमता मजबूत करने के लिए ब्याज दरें कम होनी चाहिए। दरअसल, ट्रंप और फेडरल रिजर्व के बीच ब्याज दरों को लेकर मतभेद नया नहीं है। अमेरिकी राष्ट्रपति चाहते हैं कि केंद्रीय बैंक ब्याज दरों में कटौती करे, ताकि कारोबार, निवेश और उपभोग को प्रोत्साहन मिले। दूसरी ओर फेडरल रिजर्व का प्रमुख दायित्व महंगाई को नियंत्रित रखना और रोजगार के स्तर को संतुलित बनाए रखना है। यही वजह है कि वह केवल राष्ट्रपति की इच्छा के अनुरूप ब्याज दरों में बदलाव नहीं कर सकता। मौद्रिक नीति में केंद्रीय बैंक की स्वतंत्रता का उद्देश्य भी यही है कि आर्थिक फैसले राजनीतिक दबाव से प्रभावित न हों। ट्रंप की टिप्पणी के समय अमेरिका में महंगाई का दबाव भी महत्वपूर्ण है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार सितंबर में व्यक्तिगत उपभोग व्यय (पीसीई) आधारित महंगाई दर 3.6 प्रतिशत और कोर पीसीई महंगाई दर 3.1 प्रतिशत थी, जबकि फेड का दीर्घकालिक लक्ष्य दो प्रतिशत है। ऐसे में ब्याज दरों में जल्द और बड़ी कटौती महंगाई को फिर बढ़ाने का जोखिम पैदा कर सकती है। इसलिए ट्रंप का यह दावा कि कम ब्याज दरों से अमेरिकी विकास दर सीधे 15 या 20 प्रतिशत तक पहुंच सकती है, एक राजनीतिक और आर्थिक अनुमान है, कोई स्थापित आर्थिक निष्कर्ष नहीं। ब्याज दरें विकास को प्रभावित करती हैं, लेकिन उत्पादकता, निवेश, रोजगार, मांग और वैश्विक परिस्थितियां भी इसमें निर्णायक भूमिका निभाती हैं। भारत की तारीफ को भारत-अमेरिका संबंधों के संदर्भ में भी समझना होगा। ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में दोनों देशों के बीच व्यापारिक रिश्तों में टैरिफ को लेकर तनाव पैदा हुआ। अमेरिकी नीतियों का असर भारतीय निर्यातकों और कारोबारियों की योजनाओं पर पड़ा। वीजा नियमों में सख्ती ने भारतीय पेशेवरों और अमेरिका में काम करने की आकांक्षा रखने वाले युवाओं के सामने भी अनिश्चितता बढ़ाई। इसके बावजूद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ ट्रंप की व्यक्तिगत निकटता और उनकी तारीफ के बयान लगातार चर्चा में रहे हैं। कुछ दिन पहले मोदी को टफ मैन कहना और अब भारतीय अर्थव्यवस्था को उदाहरण बनाना इसी सिलसिले का हिस्सा है। लेकिन कूटनीति में व्यक्तिगत प्रशंसा और नीतिगत सहयोग दो अलग-अलग बातें हैं। नेताओं के बीच मित्रता के सार्वजनिक प्रदर्शन से व्यापारिक बाधाएं अपने आप समाप्त नहीं होतीं। भारत के लिए महत्वपूर्ण यह है कि अमेरिकी बाजार तक पहुंच, निर्यात पर शुल्क, तकनीकी सहयोग, निवेश और भारतीय पेशेवरों के वीजा जैसे मुद्दों पर ठोस प्रगति हो। इसी तरह अमेरिका के लिए भारत एक बड़ा बाजार, निवेश का अवसर और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में महत्वपूर्ण भागीदार है। दोनों देशों के आर्थिक हित एक-दूसरे से जुड़े हैं, इसलिए आपसी मतभेदों का असर केवल सरकारों तक सीमित नहीं रहता। शेयर बाजारों में अनिश्चितता और सोने-चांदी की कीमतों में उतार-चढ़ाव भी वैश्विक आर्थिक माहौल की संवेदनशीलता को रेखांकित करते हैं। हालांकि इन बदलावों का कारण केवल भारत-अमेरिका संबंधों को नहीं माना जा सकता। वैश्विक ब्याज दरें, भू-राजनीतिक तनाव, निवेशकों की धारणा और मुद्रा बाजार भी इन पर असर डालते हैं। इसलिए ट्रंप की भारतीय अर्थव्यवस्था की तारीफ को उपलब्धि के प्रमाणपत्र से अधिक एक अवसर के रूप में देखना चाहिए। भारत की सात प्रतिशत विकास दर निश्चित रूप से वैश्विक अर्थव्यवस्था में उसकी स्थिति को रेखांकित करती है, लेकिन विकास की निरंतरता के लिए घरेलू निवेश, रोजगार, विनिर्माण और निर्यात को मजबूत करना जरूरी है। भारत को अमेरिकी प्रशंसा से अधिक अपने आर्थिक हितों पर ध्यान देना होगा। वहीं अमेरिका को भी यह समझना होगा कि भारत के साथ संबंध केवल टैरिफ लगाने या तारीफ करने से नहीं चल सकते। स्थिर व्यापारिक नीति, परस्पर भरोसा और स्पष्ट आर्थिक सहयोग ही दोनों देशों के रिश्तों को वास्तविक मजबूती दे सकते हैं।

भारत जापान की नई रणनीतिक धूरी से बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा



ललित गर्ग

जापान के साथ रणनीतिक विश्वास, क्वाड जैसे मंचों पर सहयोग, हिंद-प्रशांत की स्थिरता और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सुधार के लिए पारस्परिक समर्थन इसी व्यापक कूटनीतिक दृष्टि के हिस्से हैं। दोनों देशों ने एक-दूसरे की स्थायी सदस्यता की दावेदारी का समर्थन भी दोहराया है।

19 नवंबर 2026 को टोक्यो में हुई चैथी भारत-जापान 2+2 विदेश एवं रक्षा मंत्रिस्तरीय वार्ता केवल दो देशों के बीच एक कूटनीतिक बैठक नहीं थी, बल्कि बदलती विश्व-व्यवस्था में भारत की बढ़ती भूमिका का सशक्त संकेत थी। भारत की ओर से रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर तथा जापान की ओर से विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोतेगी और रक्षा मंत्री शिंजिरो कोइजुमी ने जिस व्यापक रणनीतिक दृष्टि के साथ संवाद किया, उसने भारत-जापान संबंधों को सुरक्षा, तकनीक, समुद्री सहयोग, आर्थिक सुरक्षा और वैश्विक शासन के नए आयामों से जोड़ा है। इस वार्ता का सबसे महत्वपूर्ण संदेश यह है कि भारत अब केवल वैश्विक शक्ति-संतुलन का दर्शक नहीं, बल्कि उसे आकार देने वाली शक्ति बन रहा है। जापान के साथ बढ़ता सहयोग इसी परिवर्तन का एक महत्वपूर्ण अध्याय है। दोनों देशों ने स्वतंत्र, खुले, समावेशी और नियम-आधारित हिंद-प्रशांत की प्रतिबद्धता दोहराई तथा समुद्री और वायु क्षेत्र की निगरानी, सूचना-साझेदारी, खोज एवं बचाव, साइबर सुरक्षा, एआई तथा रक्षा उद्योग में सहयोग को आगे बढ़ाने पर सहमति जताई। भारत में जापानी आत्मरक्षा बलों द्वारा फायरिंग रेंज के उपयोग की दिशा में समझौता और 'डिजाइन विद जापान, मेक इन इंडिया' के तहत रक्षा औद्योगिक सहयोग को आगे बढ़ाने की सहमति इस साझेदारी को घोषणाओं से निकालकर व्यावहारिक धरातल पर ले जाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं।

यहां रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह की भूमिका विशेष रूप से महत्वपूर्ण हो जाती है। भारत की रक्षा नीति अब केवल हथियार खरीदने तक सीमित नहीं है, उसका लक्ष्य देश को रक्षा उत्पादन, तकनीक, अनुसंधान और निर्यात की दृष्टि से सक्षम बनाना है। हाल ही में रक्षा मंत्री ने बताया कि भारत का रक्षा उत्पादन 1.80 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच चुका है और रक्षा निर्यात 38,000 करोड़ रुपये के उच्चतम् स्तर पर पहुंचा है। जापान के साथ रक्षा-तकनीक और औद्योगिक सहयोग इस आत्मनिर्भरता को अंतरराष्ट्रीय तकनीकी साझेदारी से जोड़ सकता है। दूसरी ओर डॉ. एस. जयशंकर भारत की उस विदेश नीति के प्रमुख सूत्रधारों में हैं जिसने भारत को 'किसी एक खेमे' की शक्ति के बजाय अपने हितों और सिद्धांतों के आधार पर विश्व के विभिन्न शक्ति-केंद्रों के साथ संवाद करने वाली प्रभावशाली शक्ति बनाया है।

जापान के साथ रणनीतिक विश्वास, क्वाड जैसे मंचों पर सहयोग, हिंद-प्रशांत की स्थिरता और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सुधार के लिए पारस्परिक समर्थन इसी व्यापक कूटनीतिक दृष्टि के हिस्से हैं। दोनों देशों ने एक-दूसरे की स्थायी सदस्यता की दावेदारी का समर्थन भी दोहराया है। लेकिन इस पूरी तस्वीर को समझने के लिए इसे प्रधानमंत्री



नरेंद्र मोदी की व्यापक विदेश नीति और 'विकसित भारत' के संकल्प से जोड़कर देखना आवश्यक है। प्रधानमंत्री की विदेश नीति में सुरक्षा और अर्थव्यवस्था अलग-अलग विषय नहीं हैं। आज भारत जिस देश से रक्षा तकनीक लेता है, उसके साथ व्यापार बढ़ाता है। जहां निवेश आकर्षित करता है, वहां भारतीय उद्योग के लिए बाजार भी खोजता है और जहां रणनीतिक सहयोग करता है, वहां भारतीय प्रतिभा, तकनीक और संस्कृति की प्रतिष्ठा भी स्थापित करता है। यही विदेश नीति को आर्थिक शक्ति और राष्ट्रीय प्रतिष्ठा से जोड़ने की नई भारतीय शैली है।

19 नवंबर को ही नई दिल्ली में फिक्की के शताब्दी समारोह में प्रधानमंत्री मोदी ने उद्योग जगत के सामने इसी दृष्टि को अत्यंत स्पष्टता से रखा। फिक्की का सम्मेलन 'भारत 2047' की थीम पर हुआ और इसमें उद्योग जगत, राजनयिकों, नीति-निर्माताओं और वैश्विक प्रतिनिधियों ने भाग लिया। प्रधानमंत्री ने उद्योग से कहा कि अगले 20 वर्षों के प्रत्येक दीर्घकालिक निवेश निर्णय का आधार 'इंडिया फर्स्ट' होना चाहिए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि भारत का विशाल घरेलू बाजार उद्योग का 'कम्फर्ट जोन' नहीं बनना चाहिए, बल्कि वैश्विक बाजारों में प्रतिस्पर्धा का आत्मविश्वास पैदा करने वाला आधार बनना चाहिए। यहीं टोक्यो की 2+2 बैठक और फिक्की के मंच का अद्भुत संबंध दिखाई देता है। एक ओर राजनाथ सिंह और जयशंकर भारत की सुरक्षा और कूटनीतिक शक्ति को विश्व में विस्तार दे रहे हैं, दूसरी ओर प्रधानमंत्री मोदी भारतीय उद्योग को विश्व बाजार में उतरने का आह्वान कर रहे हैं। अर्थात् भारत की विदेश नीति का अगला चरण केवल 'भारत के लिए दुनिया' नहीं, बल्कि 'दुनिया के लिए भारत' बनाने का चरण है।

प्रधानमंत्री का संदेश केवल उद्योगपतियों के लिए नहीं है। विकसित भारत का निर्माण सरकार अकेले नहीं कर सकती। सरकार दिशा और वातावरण तैयार कर सकती है, लेकिन आर्थिक शक्ति उद्योग पैदा करता है, नवाचार युवा पैदा करते हैं, उत्कृष्टता वैज्ञानिक और पेशेवर पैदा करते हैं तथा भारत की प्रतिष्ठा सामान्य नागरिक के व्यवहार से भी बनती है। इसलिए आज आवश्यकता है कि भारतीय उद्योगपति केवल भारत में सफल होने की मानसिकता से आगे बढ़कर विश्व बाजारों में भारतीय ब्रांड की पहचान स्थापित करें। प्रधानमंत्री ने फिक्की में वैश्विक ग्राहकों की जरूरतों को समझने, स्थानीय बाजारों के अनुरूप उत्पाद बनाने, वैश्विक मानकों को अपनाने और मजबूत वितरण नेटवर्क विकसित करने पर विशेष जोर दिया। यह संदेश भारतीय उद्योग के लिए आर्थिक नीति से अधिक राष्ट्रीय दायित्व का संदेश है। इसी प्रकार प्रत्येक नागरिक का योगदान भी महत्वपूर्ण है। एक भारतीय जब ईमानदारी से अपना कार्य करता है, कानून का सम्मान करता है, सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा करता है, स्वच्छता और अनुशासन अपनाता है, भारतीय उत्पादों की गुणवत्ता बढ़ाने में योगदान देता है और दुनिया के सामने भारत की सकारात्मक छवि प्रस्तुत करता है, तब वह अनजाने में भारत की 'सॉफ्ट पावर' को मजबूत करता है।

विश्वगुरु बनने का अर्थ केवल उपदेश देना नहीं, बल्कि दुनिया को अपने आचरण, ज्ञान, तकनीक, अर्थव्यवस्था, संस्कृति और मानवीय मूल्यों से प्रभावित करना है। भारत-जापान संबंध इस यात्रा का उत्कृष्ट उदाहरण हैं। जापान तकनीक, पूंजी, गुणवत्ता, अनुशासन और विनिर्माण संस्कृति का प्रतीक है, भारत विशाल बाजार, युवा मानव संसाधन, डिजिटल क्षमता, प्रतिभा और नवाचार की शक्ति रखता है। दोनों की क्षमताएं एक-दूसरे की पूरक हैं। रक्षा उद्योग से लेकर सेमीकंडक्टर, महत्वपूर्ण खनिज, स्वच्छ ऊर्जा, डिजिटल कनेक्टिविटी, साइबर सुरक्षा और एआई तक सहयोग के नए क्षेत्र दोनों देशों को आर्थिक और रणनीतिक रूप से अधिक मजबूत कर सकते हैं। वर्ष 2027 इस साझेदारी के लिए विशेष महत्व रखता है। भारत-जापान राजनयिक संबंधों की स्थापना के 75 वर्ष पूरे होंगे और दोनों देशों ने इसे 'इंडिया-जापान ईयर ऑफ शेयर्ड हार्जिन्स' के रूप में मनाने का निर्णय किया है। यह केवल स्मृतियों का उत्सव नहीं होना चाहिए, बल्कि साझा भविष्य की नई पटकथा लिखने का अवसर होना चाहिए।

भारत के सामने आज एक ऐतिहासिक अवसर है। प्रधानमंत्री मोदी का 'विकसित भारत 2047' केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि राष्ट्रीय संकल्प है। स्वयं प्रधानमंत्री ने फिक्की में कहा कि विकसित भारत कोई नारा नहीं, बल्कि सभी भारतीयों द्वारा जीया जाने वाला संकल्प है। यही इस समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है-सरकार अपनी जिम्मेदारी निभाए, उद्योग वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार हो, युवा नवाचार का नेतृत्व करें, किसान उत्पादकता बढ़ाएं, वैज्ञानिक नई तकनीक विकसित करें और प्रत्येक नागरिक अपने कार्यक्षेत्र में श्रेष्ठता तथा ईमानदारी का उदाहरण बने। टोक्यो की 2+2 बैठक हमें भारत की रणनीतिक शक्ति का संदेश देती है और फिक्की का मंच भारत की आर्थिक शक्ति का। इन दोनों को यदि भारतीय प्रतिभा, उद्योग, संस्कृति और नागरिक कर्तव्य से जोड़ दिया जाए तो भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा नई ऊंचाइयों पर पहुंच सकती है।

आज भारत को विश्वगुरु बनाने की चर्चा केवल अतीत के गौरव की पुनरावृत्ति नहीं होनी चाहिए। विश्वगुरु भारत वह होगा जो सुरक्षित भी हो, समृद्ध भी। आत्मनिर्भर भी हो, विश्व से जुड़ा भी। तकनीकी रूप से अग्रणी भी हो और मानवीय मूल्यों में भी श्रेष्ठ हो। जापान के साथ बढ़ती साझेदारी इस दिशा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। अब प्रश्न यह नहीं है कि दुनिया भारत को कितना महत्व देती है, प्रश्न यह है कि भारत स्वयं को कितना सक्षम, विश्वसनीय और उत्कृष्ट बनाता है। यही प्रधानमंत्री मोदी की विदेश नीति का मूल संदेश है-भारत की प्रतिष्ठा केवल विदेश मंत्रालय या सरकार नहीं बनाएगी, भारत के 140 करोड़ नागरिक मिलकर बनाएंगे। उद्योगपति अपने निवेश से, वैज्ञानिक अपने अनुसंधान से, युवा अपनी प्रतिभा से, किसान अपनी उत्पादकता से और सामान्य नागरिक अपने आचरण से भारत को सशक्त करेगा। तभी 'विकसित भारत' आर्थिक लक्ष्य से आगे बढ़कर राष्ट्रीय चरित्र बनेगा और भारत की विश्वगुरु बनने की आकांक्षा वास्तविकता में बदल सकेगी।

तुम्हें कितने मार्क्स मिले...?

पेपर का रिजल्ट आने पर अपने बच्चे से कभी न पूछें ये सवाल



यह बात सच्ची है कि जब आप अपने बच्चे से अक्सर 'तुम्हें कितने मार्क्स मिले?' ये सवाल पूछते हैं, तो यह कई तरह से उनकी सेल्फ़-वर्थ, सिखने की प्रक्रिया और मनोधर्म पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। आज हम आपको बताते हैं कि ये सवाल बच्चे के लिए खतरनाक साबित हो सकता है।

क्यों यह सवाल नुकसान पहुंचाता है

जब सबसे पहला सवाल ये होता है कि 'कितने अंक आए?', तो बच्चे को यह संदेश जाता है कि अंक = मूल्य = आपकी योग्यता। पर वास्तव में 'अंक' सिर्फ एक परीक्षा का परिणाम हैं, व्यक्ति की सम्पूर्ण क्षमता या गुण नहीं। उदाहरण के लिए, एक लेख कहता है कि यह हो सकता है कि बच्चों को यह महसूस हो जाए कि उनका पूरा मूल्य सिर्फ उनकी ग्रेड्स से तय होता है। जब यह सवाल बार-बार पूछा जाए, तो बच्चे में यह डर बन सकता है कि अगर अंक कम आए तो उन्हें मम्मा-पापा की नाराज़गी या शर्मिंदगी झेलनी पड़ेगी। यह दबाव उनकी पढ़ाई, आत्मविश्वास और मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकता है।

सिखने की प्रक्रिया पर ध्यान कम देना

दिए गए मार्क्स के पीछे क्या हुआ- जैसे तैयारी कैसे हुई, कौन-सी चीज कठिन लगी, किस तरीके से समझा जा सकता था, इन पर कम ध्यान जाता है। परिणाम पर ज्यादा फोकस होने से बच्चों में 'स्कोर करने की रणनीति' बन सकती है बजाय 'समझने की रणनीति' के। यदि संवाद का मुख्य आधार सवाल 'कितने अंक?' हो जाए, तो बच्चे हो सकता है कि उस बातचीत को अपेक्षा-पूर्ति के रूप में देखें- न कि खुली बातचीत के रूप में। इससे पिता-माता-बच्चा के बीच भरोसा कम हो सकता है।

बेहतर तरीका — क्या-क्या पूछा जा सकता है

- 'तुम्हारी एक्साम के दौरान सबसे कठिन क्या लगा? उस पर काम कैसे कर सकते हैं?'
- 'क्या तुमको लगता है तुमने उस विषय में यह तरीके आजमाए? अगर नहीं, तो अगली बार कैसे करोगे?'
- 'क्या वो हिस्सा था जिसमें तुमने अच्छा किया? उस पर हम कैसे और सुधार कर सकते हैं?'
- 'पढ़ाई के अलावा तुम्हें क्या-क्या मज़ेदार लगा आज स्कूल में?'

ऐसे सवाल बच्चों की सोचना, भावनाओं को समझने और संवाद बढ़ाने में मदद करते हैं।

बोर्ड परीक्षा के लिए बच्चे की बेहतर तैयारी के लिए अभिभावक करें ये काम

जो बच्चे इस साल बोर्ड की परीक्षा देने वाले उन्हें मानसिक और शारीरिक रूप से तैयार करने के लिए अभिभावकों को भी कुछ तरीके अपनाने चाहिए, ताकि बच्चा बोर्ड परीक्षा में बेहतर परिणाम ला सके।



10वीं या 12वीं कक्षा में पढ़ रहे बच्चे के लिए बोर्ड परीक्षा एक अहम पड़ाव होता है, जो उनके भविष्य को तय करने में मदद करता है। अच्छे अंक आने पर बेहतर कॉलेज में प्रवेश, छात्रवृति और करियर के लिए क्षेत्र तय करने में मदद मिलती है। ऐसे में भारत के अधिकतर सभी स्कूलों,कोचिंग क्लासेज बच्चों को बोर्ड परीक्षा के लिए तैयार करते हैं।

माता-पिता अपने बच्चे की बोर्ड परीक्षा के लिए सबसे अधिक चिंतित होते हैं। ऐसे में वह बच्चे पर पढ़ाई का अतिरिक्त दबाव बनाने लगते हैं। लेकिन इसका असर बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य पर भी होता है और अतिरिक्त दबाव उन्हें परेशान कर सकता है। बोर्ड परीक्षा बच्चों के लिए जीवन का एक महत्वपूर्ण चरण होती है और इसमें अभिभावकों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण होती है। ऐसे में जो बच्चे इस साल बोर्ड की परीक्षा देने वाले उन्हें मानसिक और शारीरिक रूप से तैयार करने के लिए अभिभावकों को भी कुछ तरीके अपनाने चाहिए, ताकि बच्चा बोर्ड परीक्षा में बेहतर परिणाम ला सके।



प्रोत्साहित करें

बच्चा दबाव में तब आता है, जब माता पिता अपनी चिंता अत्यधिक जाहिर करते हैं, वो भी नकारात्मक तरीके से। उन पर दबाव बनाने के बजाए माता पिता को बच्चे को परीक्षा के लिए प्रेरित करना चाहिए। साथ ही बच्चे के छोटे-छोटे प्रयासों और उपलब्धियों की सराहना करें।परीक्षा को जीवन-मरण का प्रश्न बनाने की बजाय इसे एक सीखने का अवसर मानें।

पढ़ाई की योजना बनाने में मदद करें

बच्चे के साथ मिलकर एक प्रभावी टाइम टेबल तैयार करें। टाइमटेबल ऐसा हो ताकि पढ़ाई और आराम के बीच संतुलन बनाए रखा जा सके। कठिन विषयों को अधिक समय दें और पिछले साल के प्रश्न पत्र और महत्वपूर्ण टॉपिक्स की पहचान करें।

मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखें

इस बात का ध्यान रखें कि बच्चा मानसिक रूप से परेशान न हो। उसका उत्साहवर्धन करने का प्रयास करें। ऐसी बातें करें जो उसे उत्साहित करें ना कि निराश करें। जैसे 'तुम यह कर सकते हो' और 'मैं तुम्हारे साथ हूं' आदि बातें कहें। बच्चे की तुलना अन्य बच्चों से न करें।

परिणाम को लेकर ज्यादा चिंता न करें

बच्चे को यह समझाएं कि मेहनत का परिणाम हमेशा सकारात्मक होता है। परीक्षा के बाद भी उसे यह भरोसा दिलाएं कि आपका प्यार और समर्थन उसके साथ है। परिक्षा में बेहतर अंक को भविष्य के लिए एकमात्र रास्ता न बनाएं।

नियमित ब्रेक और नींद का ध्यान रखें

दिनभर पढ़न से बच्चा होनहार नहीं हो जाएगा। जरूरी है कि हर एक दो घंटे की पढ़ाई के बाद उसे 10-15 मिनट का ब्रेक मिले। इस ब्रेक में वह दिमाग को फ्रेश करें। शारीरिक गतिविधि करे ताकि उसके दिमाग को आराम और सेहत दुरुस्त रह सके। इसके साथ ही नींद बेहतर जरूरी है। बच्चे को कम से कम 7-8 घंटे की नींद लेने के लिए प्रोत्साहित करें।

खानपान का ध्यान रखें

बच्चे को पौष्टिक भोजन दें, जिसमें फल, सब्जियां, नट्स, और प्रोटीन शामिल हो। जंक फूड देने से बचें। ये सेहत के लिए तो नुकसानदायक होता ही है, एकाग्रता भी भंग करता है। परीक्षा से ध्यान भटकाने वाले कारकों को कम करें, जैसे बच्चे के मोबाइल और सोशल मीडिया उपयोग को नियंत्रित करें। घर का माहौल ऐसा हो जहां वह पढ़ाई के लिए ध्यान केंद्रित कर सके और शांत वातावरण में मन लगा कर पढ़ सके।

रिवीजन और मॉक टेस्ट पर ध्यान दें

परीक्षा के करीब आते-आते बच्चे को पूरे सिलेबस का रिवीजन करने के लिए प्रेरित करें। समय सीमा के साथ मॉक टेस्ट दें ताकि बच्चे को परीक्षा का अनुभव हो सके।

आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित करें

बच्चे को समस्याओं को खुद हल करने की आदत डालें। जब बच्चा किसी प्रश्न में अटका हो, तब उसे मार्गदर्शन दें, लेकिन उसे पूरी तरह आप पर निर्भर न बनाएं।

सिर्फ कुछ मिनटों में बनाएं ये पांच टेस्टी सैंडविच, बनाने का तरीका भी है बेहद आसान

शायद ही कोई व्यक्ति ऐसा होगा, जिसे सैंडविच खाना पसंद न हो। तो अगर आपको सैंडविच खाना पसंद है, तो ये खबर आपके लिए खास होने वाली है। चाहे आप ऑफिस जा रहे हों, बच्चों के टिफिन की तैयारी कर रहे हों या घर पर कुछ हल्का और टेस्टी खाना चाहते हों—सैंडविच हर मौके के लिए परफेक्ट ऑप्शन माना जाता है।

ऐसे में आज हम आपको पांच तरह के स्वादिष्ट सैंडविच की रेसिपी बताने जा रहे हैं जिन्हें आप कुछ ही मिनटों में घर पर बना सकते हैं। ये न सिर्फ खाने में लाजवाब हैं बल्कि हेल्दी और एनर्जेटिक भी हैं। तो चलिए जानते हैं इन्हें बनाने का आसान तरीका और खास टिप्स जिससे आपके सैंडविच बनें बिल्कुल कैफे स्टाइल!

1. वेज ग्रिल सैंडविच

ये सैंडविच बनाना काफी आसान है। इसके लिए सबसे पहले तो ब्रेड पर बटर लगाएं, उसमें टमाटर, खीरा, आलू, और चटनी लगाएं। अब इसे सैंडविच मेकर में गोल्डन ब्राउन होने तक ग्रिल करें। इसे चटनी और कैचअप के साथ परोसें।

2. पनीर टिक्का सैंडविच

पनीर टिक्का सैंडविच खाने में काफी स्वादिष्ट लगता है। इसे बनाने के लिए सबसे पहले पनीर को मसालों और दही में मेरिनेट करें। इसके बाद इसे इसे ब्रेड के बीच में रखकर ग्रिल करें और पुदीना चटनी के साथ परोसें।

3. एग मेयो सैंडविच

अगर आपको अंडे खाना पसंद है तो आप उबले अंडे को कद्दूकस करके उसमें मेयोनेज को मिक्स करें। दोनों चीजों को मिक्स करें और फिर नमक, काली मिर्च डालें और टोस्टेड ब्रेड पर लगाएं। बस इसे फिर ग्रिल कर लें और कैचअप के साथ परोसें।

4. चीज कॉर्न सैंडविच

ये सैंडविच ज्यादातर हर किसी को पसंद आता है। ये सैंडविच बनाने के लिए सबसे पहले स्वीट कॉर्न को उबाल लें। अब इसमें चीज और थोड़ा ओरिगेनो मिलाएं। अब इसे इसे ब्रेड में भरकर ग्रिल करें। ये सिंपल सा सैंडविच बच्चों से लेकर बड़े भी खूब चाव से खाते हैं।

5. स्पाइसी चटनी सैंडविच

जो लोग तीखा खाना पसंद करते हैं तो उनके लिए ये सैंडविच कमाल का है। इसे बनाने के लिए सबसे पहले ब्रेड पर हरी चटनी फैलाएं। इस हरी चटनी को तीखा ही रखें। अब चटनी फैलाने के बाद टमाटर और प्याज रखें। आखिर में इसे हल्का टोस्ट करें और गर्मागर्म सर्व करें।



बच्चों में जोड़ों के दर्द के 7 संकेत, आज नजरअंदाज किया तो उम्र भर रहेंगे परेशान

बच्चों में जोड़ों से जुड़ी दिक्कतें केवल उम्रदराज लोगों में नहीं, बल्कि छोटे बच्चों में भी हो सकती हैं। कई बार माता-पिता इसे सामान्य बढ़ने का दर्द समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन यदि ये दर्द बार-बार हों या रात में बढ़ जाएं, तो ये



जोड़ों की समस्या का संकेत हो सकता है। यहां बाल रोग विशेषज्ञों द्वारा बताए गए 7 प्रमुख संकेत दिए गए हैं जिन्हें नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

रात में बढ़ने वाला दर्द

अगर बच्चे को दिन में ठीक रहता है लेकिन रात को दर्द बढ़ जाता है, तो यह सामान्य नहीं है। ऐसा दर्द सूजन या जोड़ों में सूक्ष्म संक्रमण का संकेत हो सकता है।

चलने या दौड़ने में कठिनाई

यदि बच्चा अचानक लंगड़ाने लगे, धीरे चले या दौड़ने से बचे, तो ये संकेत हैं कि उसके जोड़ों में दर्द या जकड़न (ह्यह्लह्वद्धद्बड्डद्गह्यह्य) हो सकती है।

सूजन या लालिमा

किसी एक या अधिक जोड़ों में सूजन, लालपन या गर्माहट महसूस होना सूजन (द्बड्डद्धद्यड्डद्बड्डह्लद्बश्ठ्ठ) का संकेत है। यह आर्थराइटिस या संक्रमण से भी हो सकता है।

सुबह उठते ही जकड़न

यदि बच्चा सुबह उठते ही अपने हाथ-पैरों को मोड़ने या सीधा करने में परेशानी बताता है, तो यह जोड़ों में सूजन या आर्थराइटिस का लक्षण हो सकता है।

किसी विशेष जोड़ में बार-बार दर्द

अगर दर्द हर बार एक ही घुटने, टखने या कोहनी में हो रहा है, तो यह केवल थकान नहीं, बल्कि जोड़ों की कोई आंतरिक समस्या हो सकती है।

बुखार या थकान के साथ दर्द

अगर जोड़ों का दर्द बुखार, कमजोरी या भूख न लगने के साथ हो, तो तुरंत डॉक्टर को दिखाना चाहिए। यह संक्रमण या ऑटोइम्यून बीमारी का संकेत हो सकता है।

बच्चे का खेलने से बचना

यदि बच्चा पहले की तरह खेलना, कूदना या चढ़ना-उतरना छोड़ दे, तो यह दर्द से बचने की कोशिश हो सकती है।

कब डॉक्टर को दिखाए

अगर बच्चे का दर्द 2 हफ्तों से ज्यादा बना रहे, जोड़ों में सूजन या बुखार आ जाए या फिर बच्चा लंगड़ाने लगे या चलने से बचे तो डॉक्टर को जरूर दिखाए। विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि बच्चों के जोड़ों के दर्द को 'द्दह्म्2द्बद्वद्द श्वड्डद्बड्ड' मानकर टालना ठीक नहीं। जल्दी जांच कराने पर समस्या का इलाज सरल और प्रभावी हो सकता है। संतुलित आहार, पर्याप्त पानी और हल्की फिजिकल एक्टिविटी बच्चों के जोड़ों को मजबूत रखते हैं।

शुरू हो गई हैं सर्दियां, बनाकर तैयार करें ये पांच तरह के लड्डू ताकि न हो तबियत खराब



सर्दियों का मौसम आते ही शरीर को अतिरिक्त पोषण और गर्माहट की जरूरत होती है। इस मौसम में हमारी इम्यूनिटी अक्सर कमजोर पड़ जाती है, जिससे सर्दी-जुकाम जल्दी हो सकती है। ऐसे में घर पर बने देसी लड्डू न केवल स्वाद में लाजवाब होते हैं, बल्कि सेहत के लिए भी बेहद फायदेमंद हैं। पारंपरिक तरीके से बनाए गए लड्डू शरीर को एनर्जी, गर्मी और जरूरी न्यूट्रिएंट्स देते हैं।

सर्दी के मौसम में कुछ खास तरह के लड्डू पाचन को बेहतर बनाते हैं, जोड़ों के दर्द से राहत देते हैं और शरीर को अंदर से मजबूत बनाते हैं। अगर आप ठंड में स्वस्थ और एक्टिव रहना चाहते हैं, तो अपनी डाइट में इन देसी लड्डुओं को जरूर शामिल करें। आइए जानते हैं ऐसे पांच तरह के लड्डू जो सर्दियों में आपकी तबीयत खराब होने से बचा सकते हैं।

तिल-गुड़ के लड्डू

तिल और गुड़ का मेल सर्दियों में सबसे बेहतरीन माना जाता है। ये शरीर को गर्म रखता है और ब्लड में हीमोग्लोबिन का स्तर बढ़ाता है। इसमें कैल्शियम और आयरन भरपूर होता है, जो हड्डियों को मजबूत बनाता है।

गोंद के लड्डू

गोंद से बने लड्डू जोड़ों के दर्द और ठंड से होने वाली कमजोरी में फायदेमंद होते हैं। इसमें घी, मेवा और गेहूं का आटा मिलाकर बनाया जाता है जो एनर्जी बूस्टर की तरह काम करता है।

मेथी के लड्डू

मेथी के लड्डू सर्दियों में शरीर को अंदर से गर्म रखते हैं और ब्लड शुगर को नियंत्रित करते हैं। महिलाओं के लिए ये खासतौर पर फायदेमंद माने जाते हैं क्योंकि ये हॉर्मोनल बैलेंस को भी सपोर्ट करते हैं।

मूंगफली के लड्डू

मूंगफली प्रोटीन का अच्छा स्रोत है। इसके लड्डू ठंड के मौसम में ऊर्जा प्रदान करते हैं और इम्यूनिटी बढ़ाते हैं। गुड़ के साथ मिलाकर खाने से ये स्वादिष्ट और पौष्टिक दोनों बन जाते हैं।

सूखे मेवे के लड्डू

बादाम, काजू, अखरोट, किशमिश और खजूर से बने लड्डू विटामिन्स और मिनरल्स से भरपूर होते हैं। ये शरीर को ताकत देते हैं और स्किन ग्लोइंग बनाए रखते हैं। तो आप चाहें तो इसे भी बनाकर तैयार कर सकते हैं।



डीटीसी बढ़ाएगा कमाई, बस डिपो पर बनेंगे पेट्रोल पंप

नई दिल्ली ।

दिल्ली परिवहन विभाग (डीटीसी) अपनी गैर-किराया आय को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठा रहा है। विभाग अपने बस डिपो पर पेट्रोल पंप स्थापित करने के लिए इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसीएल) के साथ एक समझौता करने की योजना बना रहा है। यह पहल डीटीसी की यात्रा किराए के अलावा अन्य गतिविधियों से राजस्व बढ़ाने की व्यापक रणनीति का हिस्सा है। इसमें बसों पर विज्ञापन और सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के तहत निगम की जमीन का पुनर्विकास भी शामिल है। हाल ही में हुई एक बैठक में इंडियन ऑयल के साथ परियोजना का ब्योरा अंतिम रूप देने और कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) पहल के तहत राजस्व जुटाने के लिए अन्य कंपनियों के साथ भी इसी तरह की परियोजनाओं की संभावनाएं तलाशने पर सहमति बनी। इस कदम से डीटीसी को वित्तीय रूप से मजबूत बनाने में मदद मिलने की उम्मीद है।

टाटा ट्रस्ट की बैठक में लिस्टिंग पर टली चर्चा, विवादित मुद्दों पर रहस्य बरकरार

26 नवंबर को टाटा संस की बोर्ड बैठक में सूचीबद्धता पर अहम चर्चा की उम्मीद

नई दिल्ली ।

टाटा समूह के भीतर बढ़ते अंदरूनी मतभेदों के बीच सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट की महत्वपूर्ण बैठक में टाटा संस की शेयर बाजार में सूचीबद्धता या पुनर्गठन जैसे विवादित मुद्दों पर कोई चर्चा नहीं हुई। करीब दो घंटे चली इस बैठक को नियमित करार देते हुए मुख्य रूप से सामाजिक और परोपकारी गतिविधियों के लिए वित्तीय सहायता को मंजूरी दी गई, जिससे समूह के भविष्य पर अनिश्चितता बनी रही। नोएल टाटा की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में पुणे के जहांगीर अस्पताल के लिए करीब 50 करोड़ रुपये का अनुदान स्वीकृत किया गया। न्यासियों ने इसे सामान्य कामकाज से जुड़ी नियमित बैठक बताया। टाटा ट्रस्ट्स की टाटा संस में लगभग 66 फीसदी हिस्सेदारी है, जो समूह के बड़े फैसलों में ट्रस्ट की भूमिका को अहम बनाती है। अब सबकी निगाहें 26 नवंबर को प्रस्तावित टाटा संस के निदेशक मंडल की अगली बैठक पर हैं, जहां कंपनी की शेयर बाजार में सूचीबद्धता पर चर्चा की संभावना है। 17 सितंबर की पिछली बैठक में लिस्टिंग और अध्यक्ष के तीसरे कार्यकाल पर मतभेद सामने आए थे, जिसका नोएल टाटा ने विरोध किया था। आरबीआई के नियमों से बचने के लिए, सहायक कंपनियों के विलय से पुनर्गठन का विकल्प भी है। रतन टाटा ट्रस्ट के प्रशासनिक मुद्दों ने भी जटिलताओं को बढ़ाया है। समूह के भविष्य पर उद्योग जगत की नजरें बनी हुई हैं।

ईवी चार्जिंग में डिस्कॉम का असहयोग- पीएम सलाहकार

तरुण कपूर ने नोडल अधिकारी, उच्च लागत व कम उपयोग पर जताई चिंता

नई दिल्ली ।

प्रधानमंत्री के सलाहकार तरुण कपूर ने इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) चार्जिंग बुनियादी ढांचे के विस्तार में बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) के अपर्याप्त सहयोग पर गंभीर चिंता जताई है। सायएम सम्मेलन में उन्होंने कहा कि भारत के सरप्लस बिजली उत्पादन के बावजूद, डिस्कॉम ईवी को बिजली खपत के एक महत्वपूर्ण स्रोत के रूप में नहीं देख रही हैं।

कपूर ने हर डिस्कॉम में नोडल अधिकारी की नियुक्ति की वकालत की, ताकि चार्जिंग केंद्र संचालकों की समस्याओं का त्वरित समाधान हो सके। कपूर ने डिस्कॉम के गैर-सहयोगी रवैये की आलोचना की, विशेषकर 200 किलोवाट या उससे अधिक क्षमता वाले सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशनों के ग्रिड कनेक्शन पर मोटी लागत वसूलने के लिए।

उन्होंने कहा कि डिस्कॉम को समझना होगा कि ईवी उनके लिए एक बड़ा राजस्व क्षेत्र बनेगा, न कि केवल उद्योग। सरकार ने पीएम ई-ड्राइव योजना के तहत बिजली कनेक्शन लागत के लिए बजट प्रावधान किए हैं, लेकिन इस आवंटित धनराशि का बड़ा हिस्सा उपयोग ही नहीं हुआ है, जबकि सरकार आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त धन देने को भी तैयार है। उन्होंने सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशनों के कम उपयोग (कई स्थानों पर 1 फीसदी से भी कम) पर भी चिंता जताई, जिससे रखरखाव प्रभावित होता है और कई स्टेशन बेकार हो जाते हैं। कपूर ने सुझाया कि चार्जिंग स्टेशन ऐसी जगहों पर हों जहां वाहन आम तौर पर देर तक रुक सकें।

उतार-चढ़ाव के बीच नई ऊंचाइयों पर रहा भारतीय शेयर बाजार

-विदेशी निवेशकों का निरंतर प्रवाह व कच्चे तेल की नरमी से बाजार को मिला समर्थन



मुंबई ।

बीता सप्ताह भारतीय शेयर बाजार के लिए एक गतिशील और उतार-चढ़ाव भरा रहा, जिसने निवेशकों को कई मोड़ दिए। एक मजबूत शुरुआत के बाद बाजार को बीच सप्ताह में कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ा, लेकिन फिर शानदार वापसी करते हुए नए रिकॉर्ड स्तरों पर बंद हुआ। इस दौरान विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों का निरंतर प्रवाह और कच्चे तेल की कीमतों में नरमी की उम्मीदों ने बाजार को महत्वपूर्ण समर्थन प्रदान किया। भारतीय रुपया भी शुरुआती कमजोरी के बाद सप्ताह के अंत तक डॉलर के मुकाबले मजबूत हुआ, जिससे बाजार की समग्र सकारात्मक धारणा को बल मिला। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को जोरदार तेजी के साथ हुई। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 450 अंक से अधिक चढ़ा, वहीं निफ्टी ने 25,250 के महत्वपूर्ण स्तर को पार किया। एफपीआई की बढ़ी हुई खरीद और तेल कीमतों में गिरावट की उम्मीदों से बाजार को मजबूती मिली। दिन के अंत में सेंसेक्स 512.34 अंक बढ़कर 82,104.79 पर और निफ्टी 146.80 अंक की वृद्धि के साथ 25,291.10 पर बंद हुआ। एशियन पेंट, एयरटेल, आईटीसी और टाटा कंस जैसे शेयरों में अच्छी वृद्धि दर्ज की गई। मंगलवार को भी यह सकारात्मक रुझान जारी रहा, जिससे सेंसेक्स 427.40 अंक चढ़कर 82,532.19 पर और निफ्टी 96.31 अंक बढ़कर 25,387.40 पर पहुंच गया, जो बाजार में मजबूत सकारात्मक धारणा को दर्शाता है। हालांकि, सप्ताह के मध्य में बुधवार को बाजार ने दो दिन की अपनी तेजी को विराम दिया।

सोने में मिलावट का नया रूप रेनियम-इरिडियम, जीजेसी ने चेताया

मुंबई ।



सोने के आभूषणों में रेनियम और इरिडियम जैसी धातुओं की मिलावट से वजन बढ़ाने की खबरों ने चिंता बढ़ा दी है। इसी के मद्देनजर, आभूषण उद्योग निकाय जीजेसी (अखिल भारतीय रत्न एवं आभूषण घरेलू परिषद) ने शुक्रवार को भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) को इस मुद्दे पर आगाह करते हुए कारोबारियों और ग्राहकों दोनों से सावधानी बरतने की अपील की है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार इन धातुओं का इस्तेमाल सोने की शुद्धता बढ़ाए बिना उसका वजन बढ़ाने के लिए किया जा रहा है। इससे खरीदारों को आभूषण के वास्तविक वजन और शुद्धता के बारे में गलत जानकारी मिलती है, जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। जीजेसी ने बताया कि बीआईएस इस मामले को गंभीरता से ले रहा है और उपभोक्ताओं को घबराने की आवश्यकता नहीं है। जीजेसी ने सभी आभूषण कारोबारियों से विनिर्माताओं, थोक विक्रेताओं और आपूर्तिकर्ताओं से खरीदे गए सोने की गुणवत्ता की कड़ी जांच करने का आग्रह किया है। ग्राहकों को कम बनावट शुल्क के लालच में न आने, विश्वसनीय दुकानों से ही खरीदारी करने, बीआईएस केयर ऐप से हॉलमार्क की पुष्टि करने और जीएसटी बिल लेने की सलाह दी गई है। किसी भी मिलावट या धोखाधड़ी की स्थिति में जीजेसी या सीधे बीआईएस में शिकायत दर्ज कराने को कहा गया है।

टाटा टेक्नोलॉजीज के शेयर पर ब्रोकरेज सतर्क, 13 फीसदी गिरावट का अनुमान

कंपनी सॉफ्टवेयर, एयरोस्पेस और इंजीनियरिंग सेवाओं पर केंद्रित, लाभप्रदता बढ़ाने पर भी जोर

मुंबई ।

टाटा समूह की कंपनी टाटा टेक्नोलॉजीज ने वित्त वर्ष 2030 तक अपने कारोबार को 1.1 से 1.3 अरब डॉलर तक पहुंचाने की महत्वाकांक्षी रणनीति प्रस्तुत की है। हाल ही में निवेशक दिवस पर पेश की गई इस योजना में सॉफ्टवेयर, एयरोस्पेस और इंजीनियरिंग सेवाओं को प्रमुख विकास इंजन के रूप में रेखांकित किया गया है। हालांकि, इन बुलंद लक्ष्यों के बावजूद, ब्रोकरेज फर्म मोतीलाल ओसवाल ने इसके शेयर को बेचने की सलाह दी है, यह मानते हुए कि मौजूदा बाजार मूल्य में भविष्य की अधिकांश वृद्धि पहले ही शामिल हो चुकी है। टाटा टेक्नोलॉजीज ने वित्त वर्ष 2027 से 2030 के बीच राजस्व में सालाना 15-20 फीसदी की वृद्धि का लक्ष्य रखा है। कंपनी केवल कारोबार के आकार पर नहीं, बल्कि मुनाफे में भी सुधार पर केंद्रित है। इसका ऑपरेटिंग मार्जिन वित्त वर्ष 2026 के 15.5 फीसदी से बढ़कर वित्त वर्ष 2027 की चौथी तिमाही तक 17 फीसदी और वित्त वर्ष 2030 तक 20 फीसदी से अधिक करने की योजना है। सॉफ्टवेयर कारोबार कंपनी के लिए एक महत्वपूर्ण विकास क्षेत्र है, जो वित्त वर्ष 2021 के 48 लाख डॉलर से बढ़कर वित्त वर्ष 2026 में 6.4 करोड़ डॉलर हो गया है। कंपनी का लक्ष्य वित्त वर्ष 2027 में पुराने सॉफ्टवेयर कारोबार से 10 करोड़ डॉलर का राजस्व हासिल करना और अगले तीन वर्षों में इसमें अतिरिक्त 10 करोड़ डॉलर जोड़ना है।



एयरोस्पेस क्षेत्र में भी पिछले पांच वर्षों में लगभग 40 फीसदी की सालाना वृद्धि देखी गई है। टाटा टेक्नोलॉजीज वित्त वर्ष 2028 तक इस कारोबार को 10 करोड़ डॉलर के वार्षिक राजस्व स्तर तक पहुंचाना चाहती है, जिसके बाद वित्त वर्ष 2030 तक इसमें 25-30 फीसदी सालाना वृद्धि का अनुमान है। विशेषज्ञों के अनुसार, वैश्विक वाहन उद्योग में इलेक्ट्रॉनिक्स और सॉफ्टवेयर की बढ़ती भूमिका, साथ ही एआई का उपयोग, कंपनी के लिए नए अवसर पैदा करेगा और लागत दक्षता बढ़ाएगा।

सोने-चांदी के भाव में भारी गिरावट से निवेशकों में असमंजस

डॉलर की मजबूती और अमेरिकी फेड के सख्त रुख ने कीमती धातुओं को किया कमजोर

मुंबई ।

सोने और चांदी की कीमतों में हालिया भारी गिरावट ने बाजार में हलचल मचा दी है। इस गिरावट ने एक ओर जहां गहनों के खरीदारों को राहत पहुंचाई है, वहीं निवेशकों को असमंजस में डाल दिया है कि क्या यह खरीदारी का सही समय है या कीमतों में और गिरावट का इंतजार किया जाए। पिछले कुछ दिनों से जारी यह तेज कमजोरी अंतरराष्ट्रीय और घरेलू दोनों बाजारों में देखी जा रही है, जिसके पीछे कई वैश्विक आर्थिक कारक जिम्मेदार हैं। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर 20 नवंबर को दिसंबर अनुबंध वाला सोना गिरकर 1,21,719 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया है, जो कई वर्षों का सबसे निचला स्तर बताया जा रहा है। इस साल जनवरी में 1.80 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने के बाद से सोने में करीब 33 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। इसी तरह, चांदी भी अपने रिकॉर्ड 4.20 लाख रुपये प्रति किलोग्राम से फिसलकर लगभग 2.72 लाख रुपये पर पहुंच गई है, जिसमें लगभग 62 प्रतिशत की भारी कमजोरी आई है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी कीमती धातुओं पर दबाव बना हुआ है। कॉमेक्स पर सोना करीब 3520 डॉलर प्रति औंस तक लुढ़का है, जबकि चांदी ने एक सप्ताह में 13 प्रतिशत से अधिक की गिरावट देखी है। विशेषज्ञों के अनुसार, अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दरों को लेकर आक्रामक रुख, डॉलर की लगातार मजबूती और सरकारी बॉन्ड की बढ़ती यील्ड इस गिरावट के प्रमुख कारण हैं। दिसंबर में अमेरिकी ब्याज दरों में संभावित वृद्धि की अटकलों से निवेशक सोने जैसे गैर-ब्याज देने वाले विकल्पों से दूर हट रहे हैं। इसके अतिरिक्त, कुछ निवेशकों द्वारा नकदी जुटाने के लिए अन्य संपत्तियों की बिकवाली ने भी कीमतों पर दबाव बढ़ाया है।

ब्रिटेन, यूरोपीय संघ के बीच व्यापार और युवाओं की आवाजाही पर बनी सहमति

एक लाख युवाओं को आवाजाही, व्यापारिक जांच समाप्त

ब्रसेल्स।

ब्रसेल्स में एक महत्वपूर्ण शिखर सम्मेलन में, ब्रिटेन और यूरोपीय संघ (ईयू) ने ब्रेक्जिट के बाद अपने बिगड़े संबंधों को सुधारने की दिशा में अहम कदम उठाए हैं। दोनों पक्षों ने व्यापार, कार्बन उत्सर्जन और युवाओं की आवाजाही से जुड़े समझौतों पर सहमति जताई, जिसे यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने महत्वपूर्ण मोड़ और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री एंडी बर्नहम ने ऐतिहासिक समझौता करार दिया है। इन समझौतों के तहत, 1 लाख युवाओं को तीन साल तक एक-दूसरे के देशों में रहने व काम करने की अनुमति मिलेगी। पौधों व पशु उत्पादों पर व्यापारिक जांच खत्म होगी, जिससे कारोबार आसान होगा। कार्बन उत्सर्जन व्यापार व्यवस्था भी जुड़ेगी। प्रधानमंत्री बर्नहम ने ब्रेक्जिट को असफल बताते हुए फायदे से ज्यादा नुकसान की बात स्वीकार की। उन्होंने भविष्य में ईयू के साथ संबंधों के सभी विकल्प खुले रखने की बात कही, जिसमें दोबारा समूह में शामिल होना भी शामिल है, हालांकि इसे लंबी प्रक्रिया बताया। छात्र शुल्क जैसे कुछ मुद्दों पर छह महीने में सहमति बनाने का लक्ष्य है।

सरकारी आईटी खरीद में मेक इन इंडिया को प्राथमिकता

स्थानीय कलपुर्जों की हिस्सेदारी के नियम सख्त

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने सरकारी खरीद में मेक इन इंडिया पहल को मजबूत करने के लिए एक अहम कदम उठाया है। अब लैपटॉप, डेस्कटॉप और सर्वर सहित छह प्रमुख आईटी हार्डवेयर उत्पादों की सरकारी खरीद में घरेलू कलपुर्जों का योगदान बढ़ाने के लिए निर्धारित प्रतिशत में वृद्धि की गई है। इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने 2017 के सार्वजनिक खरीद (मेक इन इंडिया को प्राथमिकता) आदेश में संशोधन किया है। यह बदलाव देश में स्थानीय विनिर्माण को बढ़ावा देने, उत्पादन क्षमताओं को मजबूत करने और रोजगार के अवसर पैदा करने के उद्देश्य से किया गया है। इसका लक्ष्य स्थानीय कलपुर्जों का उपयोग करने वाले उत्पादों को सरकारी खरीद में प्राथमिकता देना है। संशोधित व्यवस्था के तहत, डेस्कटॉप पीसी, ऑल-इन-वन पीसी, लैपटॉप, थिन क्लाइंट, सर्वर, कंप्यूटर मॉनिटर और इंटरैक्टिव फ्लैट पैनल डिस्प्ले (आईएफपीडी) सहित छह आईटी हार्डवेयर उत्पाद शामिल हैं। घरेलू मूल्यवर्धन की गणना अंतिम उत्पाद की कुल लागत में स्थानीय कलपुर्जों की लागत के प्रतिशत के आधार पर की जाएगी।

घरेलू बचत में इक्विटी फंडों की बढ़ती हिस्सेदारी,एयूएम 7.7 गुना बढ़ा



मुंबई ।

भारतीय म्यूचुअल फंड उद्योग में पिछले दस वर्षों में निवेशकों का रुझान इक्विटी योजनाओं की ओर तेजी से बढ़ा है। इस अवधि में इक्विटी और इक्विटी-लिंक्ड सेविंग स्कीम (ईएलएसएस) की परिसंपत्तियां कुल उद्योग की तुलना में कहीं अधिक तेजी से बढ़ी हैं, जो घरेलू बचत में शेयर बाजार की बढ़ती भूमिका को दर्शाती हैं। अक्टूबर 2016 से अक्टूबर 2026 के बीच, इक्विटी और ईएलएसएस फंड का प्रबंधनाधीन निवेश 7.7 गुना बढ़कर 37.18 लाख करोड़ रुपये हो गया। वहीं पूरे म्यूचुअल फंड उद्योग की संपत्ति 5.1 गुना बढ़कर 83.39 लाख करोड़ रुपये तक पहुंची। इस दौरान इक्विटी योजनाओं की कुल एयूएम में हिस्सेदारी 29.8 फीसदी से बढ़कर 44.6 फीसदी हो गई, जिसमें 14.8 फीसदी अंक की वृद्धि दर्ज की गई।

इक्विटी और ईएलएसएस फंड की चक्रवृद्धि सालाना वृद्धि दर (सीएजीआर) 22.6 फीसदी रही, जबकि पूरे उद्योग की 17.7 फीसदी।

हालांकि, इक्विटी फंडों की हिस्सेदारी में हर साल लगातार वृद्धि नहीं हुई; अक्टूबर 2020 में इसमें गिरावट आई, लेकिन बाद में तेजी से सुधार हुआ। इक्विटी श्रेणी में, स्मॉल कैप फंड का एयूएम 9.2 गुना बढ़कर 4.41 लाख करोड़ रुपये हुआ, जबकि सेक्टोरल और थीमैटिक फंड की संपत्ति 8.3 गुना बढ़कर 5.38 लाख करोड़ रुपये हो गई। निवेशकों की भागीदारी भी उल्लेखनीय रूप से बढ़ी है, अक्टूबर 2019 से अक्टूबर 2026 तक कुल फोलियो 8.63 करोड़ से बढ़कर 28.78 करोड़ और इक्विटी फोलियो 6.21 करोड़ से बढ़कर 19.22 करोड़ हो गए। यह रुझान घरेलू बचत में शेयर बाजार की बढ़ती भूमिका को स्पष्ट रूप से दर्शाता है। जानकारों के अनुसार, एयूएम में यह वृद्धि केवल नए निवेश से नहीं, बल्कि बाजार में शेयरों की कीमतों में हुई बढ़ोतरी से भी प्रेरित है।

डीएसपी म्यूचुअल फंड की नई रणनीति, गिरावट में बढ़ाएगा सोना-चांदी में निवेश

कीमतें और गिरने पर चरणबद्ध तरीके से बढ़ाएगा निवेश, चांदी 47 डॉलर और सोना 3850 डॉलर से शुरू

मुंबई ।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी की कीमतों में आई बड़ी गिरावट के बाद डीएसपी म्यूचुअल फंड ने कीमती धातुओं में निवेश बढ़ाने की नई रणनीति तैयार की है। डीएसपी मल्टी एसेट ओम्नी फंड ऑफ फंड्स कीमतें और नीचे आने पर चरणबद्ध तरीके से खरीदारी करेगा, जिसका उद्देश्य लंबी अवधि के निवेशकों के लिए अवसर पैदा करना है। इस रणनीति के तहत, चांदी में 47 डॉलर प्रति औंस से नीचे आने पर शुरुआती खरीदारी (0.5 फीसदी पोर्टफोलियो) शुरू की गई है। योजना के मुताबिक, चांदी की कीमत में हर दो डॉलर की गिरावट पर अतिरिक्त 0.5 प्रतिशत और 42 डॉलर प्रति औंस से नीचे आने पर एक प्रतिशत निवेश बढ़ाया जाएगा। यदि कीमत 37 डॉलर तक गिरती है, तो कुल अतिरिक्त निवेश पांच प्रतिशत तक पहुंच सकता है। सोने में भी ऐसी ही रणनीति अपनाई जा रही है, जहां करीब 3850 डॉलर प्रति औंस पर शुरुआती 0.5 प्रतिशत निवेश किया गया है। इसके बाद, सोने की कीमत में हर 100 डॉलर की गिरावट पर अतिरिक्त 0.5 प्रतिशत निवेश की योजना है, जिसमें 3800, 3700 और 3600 डॉलर जैसे स्तर शामिल हैं। यह फंड को अपने बेंचमार्क (सोना 15 फीसदी, चांदी 5 फीसदी) के मुकाबले कम निवेश के अंतर को पाटने में मदद करेगा। फंड निवेश के फैसले के लिए कई संकेतकों का विश्लेषण कर रहा है, जिसके अनुसार फिलहाल सोना अपनी अनुमानित उचित कीमत से 15 प्रतिशत और चांदी 28 प्रतिशत नीचे कारोबार कर रही है। अतिरिक्त खरीदारी के लिए मुख्य रूप से डेट निवेश घटाया जाएगा और जरूरत पड़ने पर शेयर बाजार के कुछ क्षेत्रों में आवंटन भी बदला जाएगा। हालांकि, कीमती धातुओं की कीमतों में उतार-चढ़ाव जारी रह सकता है और यह रणनीति निश्चित मुनाफे की गारंटी नहीं देती।

भारत में एआई क्रांति, 90 फीसदी कंपनियां बढ़ा रहीं तकनीकी कार्यबल

रिपोर्ट के अनुसार, भारत अमेरिका के बाद दूसरे स्थान पर

मुंबई ।

देश में कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित सेवाओं और राजस्व के नए स्रोत पैदा करने के लिए भारतीय नियोक्ता अपनी प्रौद्योगिकी कार्यबल क्षमता बढ़ा रहे हैं। एक नई रिपोर्ट के अनुसार भारत में 90 प्रतिशत कंपनियां इस दिशा में काम कर रही हैं, यह वैश्विक स्तर पर अमेरिका के बाद दूसरा सबसे बड़ा अनुपात है। एक वैश्विक रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है। रिपोर्ट बताती है कि भारत का यह आंकड़ा अमेरिका (93 फीसदी) के बाद दूसरे नंबर पर है और 86 फीसदी के वैश्विक औसत से काफी ऊपर है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत में एआई का कौशल रखने वाले डेवलपर को शुरुआती स्तर पर पारंपरिक डेवलपर की तुलना में दोगुने से अधिक वेतन मिल सकता है, जबकि वैश्विक स्तर पर यह बढ़त 79 फीसदी तक है। हालांकि, 50 फीसदी भारतीय नियोक्ताओं को बेहतर वेतन देने वाली प्रतिस्पर्धी कंपनियों के हाथों अक्सर शीर्ष प्रतिभाओं को गंवाना पड़ता है, फिर भी 53 फीसदी कंपनियां प्रौद्योगिकी क्षेत्र में छंटनी के कारण नौकरी गंवाने वाले कर्मचारियों को सफलतापूर्वक काम पर रख पाई हैं। रैंडस्टैड इंडिया के प्रबंध निदेशक नारायण अय्यर ने कहा कि एआई, प्रौद्योगिकी प्रतिभा परिदृश्य को मौलिक रूप से बदल रहा है और उभरते कौशल की मांग उनकी उपलब्धता से लगातार अधिक बनी हुई है।

यादव अब चयनकर्ताओं की योजनाओं का हिस्सा नहीं

सूर्यकुमार की वापसी के रास्ते बंद!

मुश्ताक अली ट्रॉफी में कर रहे कप्तानी, प्रदर्शन रहा शानदार



बीसीसीआई के सूत्र के मुताबिक-फिलहाल उनके लिए जगह उपलब्ध नहीं है

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत को अपनी कप्तानी में टी20 विश्व कप का खिताब दिलाने वाले सूर्यकुमार यादव राष्ट्रीय टीम में वापसी की जुगत में लगे हुए हैं। सूर्यकुमार की वापसी की राह हालांकि मुश्किल नजर आ रही है। न्यूज एजेंसी एएनआई के अनुसार, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सूत्र के मुताबिक, सूर्यकुमार यादव अब चयनकर्ताओं की योजनाओं का हिस्सा नहीं हैं। घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने के बावजूद फिलहाल भारतीय टीम में उनके लिए जगह नहीं बन पा रही है।

सूर्यकुमार की वापसी पर आया अपडेट

बीसीसीआई के सूत्र ने कहा, 'सूर्यकुमार फिलहाल हमारी चयन योजनाओं का हिस्सा नहीं हैं। हम तो अभी तक सफेद गेंद के क्रिकेट में यशस्वी जायसवाल जैसे युवा खिलाड़ी के लिए भी जगह नहीं बना पाए हैं।' सूत्र ने आगे कहा कि सूर्यकुमार यादव कड़ी मेहनत कर रहे हैं और लिस्ट ए क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन भी कर रहे हैं, लेकिन मौजूदा भारतीय टीम के संयोजन में उन्हें शामिल करना मुश्किल है। सूत्र ने कहा, हां, सूर्यकुमार कड़ी मेहनत कर रहे हैं और लिस्ट ए क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। हालांकि, सवाल यह है कि मौजूदा भारतीय टीम में हम उन्हें कहां फिट कर सकते हैं। फिलहाल उनके लिए कोई जगह उपलब्ध नहीं है। हम सफेद गेंद के क्रिकेट में यशस्वी जायसवाल जैसे युवा खिलाड़ी को भी जगह नहीं दे पा रहे हैं, तो मौजूदा टीम में सूर्यकुमार को कहां फिट करेंगे? फिलहाल हम उन्हें टीम में शामिल करने पर विचार नहीं कर रहे हैं।

घरेलू क्रिकेट में दम दिखा रहे सूर्यकुमार

मालूम हो कि सूर्यकुमार यादव ने 2026 टी20 विश्व कप में भारतीय टीम की कप्तानी की थी और टीम को लगातार दूसरी बार टी20 विश्व कप का खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। हालांकि, आईपीएल के बाद उन्हें टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम से बाहर कर दिया गया और उनकी जगह श्रेयस अय्यर को नया कप्तान नियुक्त किया गया। दूसरी ओर, सूर्यकुमार यादव इन दिनों सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2026-27 में मुंबई की कप्तानी करते हुए शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने 14 नवंबर को हैदराबाद के खिलाफ मुकाबले में महज 21 गेंदों पर नाबाद 60 रन की तूफानी पारी खेली थी। उनकी इस पारी में छह चौके और पांच छक्के शामिल थे।

29 गेंदों पर 82 रन बनाए, जिसमें नौ चौके और सात छक्के शामिल

इसके बाद गुजरात के खिलाफ भी सूर्यकुमार का बल्ला जमकर चला। उन्होंने सिर्फ 29 गेंदों पर 82 रन बनाए, जिसमें नौ चौके और सात छक्के शामिल थे। उनकी इस विस्फोटक पारी की मदद से मुंबई ने 199 रन का लक्ष्य महज 15.4 ओवर में पांच विकेट शेष रहते हासिल कर लिया। वहीं, गोवा के खिलाफ तीसरे मुकाबले में भी सूर्यकुमार ने तेज बल्लेबाजी करते हुए 12 गेंदों पर 25 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने तीन छक्के लगाए। मुंबई ने यह मुकाबला 18 रन से अपने नाम किया। अच्छी पारियों के बावजूद सूत्र के बयान से साफ है कि फिलहाल भारतीय टीम में उनकी वापसी को लेकर चयनकर्ता विचार नहीं कर रहे हैं।

बेमिसाल रहा है सूर्यकुमार का टी-20 करियर

मैदान के चारों ओर शॉट खेलने की काबिलियत के कारण 'मिस्टर 360' के नाम से मशहूर सूर्यकुमार के आंकड़े बेहद शानदार हैं। उन्होंने भारत के लिए 113 टी-20 इंटरनेशनल मैचों में 36.35 की औसत और 162.98 के जबरदस्त स्ट्राइक रेट से 3,272 रन बनाए हैं। इसमें 4 शतक और 25 अर्धशतक शामिल हैं। साल 2022 में वे दुनिया के नंबर-1 टी-20 बल्लेबाज बने थे और 2022 व 2023 में लगातार दो बार टी-20 क्रिकेटर ऑफ द ईयर भी चुने गए थे। अब देखना यह होगा कि घरेलू क्रिकेट में इस दमदार प्रदर्शन के बाद सिलेक्टर्स अपने फैसले पर दोबारा विचार करते हैं या नहीं।

घरेलू क्रिकेट में जमकर बोल रहा है सूर्या का बल्ला

टीम इंडिया से बाहर होने के बावजूद सूर्यकुमार ने हार नहीं मानी है और वे घरेलू क्रिकेट में लगातार रन बना रहे हैं। उनकी बल्लेबाजी का पुराना अंदाज देखने को मिल रहा है:

हैदराबाद के खिलाफ: 14 नवंबर को उन्होंने महज 15 गेंदों में फिफ्टी जड़ी और 21 गेंदों पर नाबाद 60 रन (6 चौके, 5 छक्के) बनाकर मुंबई को 7 विकेट से जीत दिलाई।

गुजरात के खिलाफ: सूर्या ने 29 गेंदों में 82 रनों की तूफानी पारी खेली, जिसमें 9 चौके और 7 छक्के शामिल थे। इस पारी की बदौलत मुंबई ने 199 रनों का बड़ा लक्ष्य 15.4 ओवर में हासिल कर लिया।

गोवा के खिलाफ: उन्होंने सिर्फ 12 गेंदों में 3 छक्कों की मदद से 25 रन ठोके और टीम को 18 रनों से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

मलयेशियाई जोड़ी ने दी शिकस्त

सात्विक और चिराग हॉन्गकॉन्ग ओपन के सेमीफाइनल में हारे

कोवलून। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय पुरुष युगल जोड़ी हॉन्गकॉन्ग ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में मलयेशिया की आठवीं वरीयता प्राप्त जोड़ी मान वेई चोंग और टी काई वुन से सीधे गेम में हार गई। इस साल सिंगापुर और चीन में खिताब जीतने वाली और विश्व रैंकिंग में छठे स्थान पर काबिज भारतीय जोड़ी को 41 मिनट तक चले सेमीफाइनल में 18-21, 19-21 से हार का सामना करना पड़ा।



मैच में शुरू से ही दोनों जोड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला और वे लगभग बराबरी के साथ आगे बढ़ते रहे। पहले गेम में स्कोर 4-4 से 7-7 हो गया। इसके बाद भी कड़ी टक्कर देखने को मिली और 10-10 के स्कोर पर मलयेशिया की टीम ने अंक बनाकर इंटरवल तक मामूली बढ़त हासिल की।

सात्विक और चिराग ने इसके बाद भी कड़ी चुनौती दी लेकिन मलेशिया की जोड़ी ने अपनी बढ़त बरकरार रखी तथा 18-19 के स्कोर के बाद दो गेम प्वाइंट हासिल किए और पहले पर ही गेम अपने नाम कर दिया। दूसरे गेम में भी कड़ा मुकाबला देखने को मिला। भारतीय जोड़ी ने एक समय 7-3 की बढ़त बना ली, लेकिन मलेशिया की जोड़ी ने लगातार छह अंक बनाकर मैच का रुख पलट दिया और स्कोर 9-7 कर दिया। वे इंटरवल तक दो अंकों की बढ़त बनाए रखने में कामयाब रहे।

मलयेशियाई टीम ने अपनी बढ़त को 14-9 कर दिया। सात्विक और चिराग ने इसके बाद अच्छी वापसी करके स्कोर 19-19 से बराबर कर दिया। इसके बाद मलयेशियाई खिलाड़ियों ने चिराग को निशाना बनाकर मैच पॉइंट हासिल किया और फिर मैच जीत लिया।

वेलिंगटन टेस्ट: न्यूजीलैंड के घर में भारतीय बल्लेबाजों ने दिखाया दम

कप्तान शुभमन गिल दो रन से शतक लगाने से चूके



वेलिंगटन, एजेंसी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पहले टेस्ट मैच के तीसरे दिन का खेल खत्म हो गया है। तीसरा दिन पूरी तरह भारतीय बल्लेबाजों के नाम रहा और कीवी गेंदबाजों को आज सिर्फ तीन ही सफलता मिली। भारत के लिए केएल राहुल ने शतकीय पारी खेली, जबकि कप्तान शुभमन गिल दो रन से शतक लगाने से चूक गए। दिन के खेल की समाप्ति तक भारत ने पहली पारी में चार विकेट पर 486 रन बनाए हैं और उसे 118 रन की बढ़त मिल चुकी है। स्टंप्स के समय ऋषभ पंत 55 और नाइट वॉचमैन के तौर पर उतरे अंशुल कंबोज खाता खोले बिना क्रीज पर मौजूद थे।

टॉप-5 ने बनाए 50+ रन, तीन शतकीय साझेदारी



गेंदबाजों पर बनाया दबाव

न्यूजीलैंड ने पहली पारी में 368 रन बनाए थे। भारत ने अच्छी बल्लेबाजी की और तीसर दिन शनिवार को एक विकेट पर 159 रन से आगे खेलना शुरू किया और आज 325 रन बनाए। भारत को तीन झटके देवदत्त पडिक्कल, केएल राहुल और कप्तान शुभमन गिल के रूप में लगे। राहुल ने टेस्ट करियर का 13वां शतक लगाया। उन्होंने पडिक्कल के साथ 165 रन की साझेदारी निभाई। पडिक्कल ने भी दूसरा टेस्ट अर्धशतक लगाया। पडिक्कल 175 गेंद में 10 चौके की मदद से 80 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, राहुल ने 290 गेंद में नौ चौके और दो छक्के की मदद से 136 रन की पारी खेली। इसके अलावा कप्तान गिल स्टंप्स से ठीक पहले 98 रन बनाकर आउट हुए और 12वें शतक से दो रन से चूक गए। उन्हें जैकब डफी ने क्लीन बोल्ड किया। गिल ने पंत के साथ 100 रन की साझेदारी निभाई। भारतीय पारी की खास बात यह रही कि शीर्ष पांच बल्लेबाजों ने 50+ स्कोर किए। पंत ने भी 55 गेंद में टेस्ट करियर का 22वां अर्धशतक पूरा किया। इससे पहले शुक्रवार को यशस्वी जायसवाल 89 गेंद में 16 चौके की मदद से 85 रन बनाकर आउट हुए थे।

राहुल की ऐतिहासिक पारी

केएल राहुल ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में शानदार शतक लगाकर इतिहास रच दिया है। उन्होंने 203 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। यह उनके टेस्ट करियर का 13वां शतक है। इसके साथ ही राहुल स्थह्व (दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया) के चारों देशों में टेस्ट शतक लगाने वाले पहले भारतीय ओपनर बन गए। वह यह उपलब्धि हासिल करने वाले दुनिया के दूसरे ओपनर हैं। उनसे पहले पाकिस्तान के सईद अनवर ऐसा कर चुके हैं। राहुल ने इस शतक के साथ एक खास अंतरराष्ट्रीय सूची में अपना नाम दर्ज करा लिया है। एशियाई बल्लेबाजों में मोहम्मद अजहरुद्दीन, सचिन तेंदुलकर, सईद अनवर, राहुल द्रविड़, यूनिस खान, कुमार संगकारा, विराट कोहली और केएल राहुल ऐसे खिलाड़ी हैं, जिन्होंने चारों देशों में टेस्ट शतक लगाए हैं। हालांकि, इनमें सिर्फ सईद अनवर और केएल राहुल ही ऐसे बल्लेबाज हैं, जिन्होंने बतौर ओपनर यह उपलब्धि हासिल की है। स्थह्व देशों में भारतीय ओपनरों के टेस्ट शतकों की सूची में सुनील गावस्कर शीर्ष पर हैं।

फुटबाल

इंग्लैंड के कप्तान हैरी केन हुए चोटिल महीनों तक रहना पड़ सकता है बाहर

लंदन। इंग्लैंड की फुटबॉल टीम के कप्तान हैरी केन बायर्न म्यूनिख और कोलोन के बीच 1-1 से ड्रॉ रहे मैच के दौरान चोटिल हो गए जिसके कारण उन्हें 'अगले कुछ महीनों' तक खेल से बाहर रहना पड़ सकता है। उनके बाएं टखने में 'लिगामेंट' फट गया है और इस बैलोन डि ओर विजेता को पूरी तरह फिट होने में कुछ महीने का समय लगेगा।कोलोन के डिफेंडर जोएल श्मिड ने केन को पेनल्टी एरिया में गिरा दिया। केन दर्द से कराह उठे। उन्होंने हालांकि थोड़ी देर के लिए खेलना जारी रखा लेकिन जल्द ही मैदान पर उपचार लेने के बाद दो फिजियोथेरेपिस्ट के साथ मैदान से लंगड़ाते हुए बाहर चले गए। बायर्न यूनिख ने बयान में कहा, 'हैरी केन शुक्रवार को बायर्न म्यूनिख के बुंडेसलिगा में कोलोन के खिलाफ घरेलू मैच के दौरान चोटिल हो गए।



विवाद

पूर्व पति से जुड़ा मामला, मुक्केबाज मैरी कॉम को कोर्ट ने दिया नोटिस

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की एक अदालत ने ओलंपिक पदक विजेता मुक्केबाज मैरी कॉम के खिलाफ आपराधिक मानहानि के मामले में औपचारिक संज्ञान लेने से पहले नोटिस जारी किया। यह मामला मैरी काम के पूर्व पति ने दायर किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि मैरी काम ने एक टेलीविजन इंटरव्यू के दौरान उनके बारे में झूठी और छवि खराब करने वाली टिप्पणियां की थीं। मैरी कॉम के पूर्व पति करोंग ओंखोलर ने छह अक्तूबर को शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें आरोप लगाया गया कि मैरी काम ने उनके वैवाहिक संबंध खत्म होने के बाद इस साल 11 जनवरी को प्रसारित एक टेलीविजन कार्यक्रम में उनके खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणियां की थीं। न्यायिक मजिस्ट्रेट शिवम गुप्ता ने यह देखते हुए नोटिस जारी किया कि ओंखोलर की ओर से समन जारी करने से पहले पेश किए जाने वाले साक्ष्य की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है।



दोषी

डोपिंग में फंसी भारतीय एथलीट किरण बालियान, 8 साल का बैन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय खेलों से डोपिंग का दाग छूटने का नाम नहीं ले रहा है और एक बार फिर मेडल विजेता खिलाड़ी ने अपनी हरकत से देश को शर्मिंदा किया है. एशियन गेम्स 2022 में विमेंस शॉट पुट की ब्रॉन्ज मेडलिस्ट किरण बालियान को एंटी-डोपिंग नियमों के उल्लंघन का दोषी पाया गया है और इसके चलते 8 साल के लिए बैन कर दिया गया है. नेशनल एंटी डोपिंग एजेंसी ने किरण बालियान को 2 मामलों में दोषी पाते हुए 4-4 साल का बैन लगाया है, जो 2024 से शुरू माना जाएगा और 2032 तक बरकरार रहेगा.



नेशनल एंटी डोपिंग एजेंसी ने किरण बालियान को 2 मामलों में दोषी पाते हुए 4-4 साल का बैन लगाया है, जो 2024 से शुरू माना जाएगा और 2032 तक बरकरार रहेगा.

भारत की विस्फोटक ओपनिंग जोड़ी बनेगी पाकिस्तान के लिए खतरा

दोहा, एजेंसी। भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट मुकाबला हमेशा रोमांच से भरपूर रहता है। अब एक बार फिर दोनों देशों की टीमें 22 नवंबर को दोहा में आमने-सामने होंगी। एशिया कप राइजिंग स्टार्स के इस मुकाबले में भारत-ए और पाकिस्तान-ए (पाकिस्तान शाहींस) के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिल सकती है। हालांकि, टीम इंडिया अपनी मजबूत बल्लेबाजी और अंतरराष्ट्रीय अनुभव के दम पर मुकाबले में मजबूत दावेदार मानी जा रही है।भारत-ए के पास अभिषेक शर्मा और वैभव सूर्यवंशी जैसे आक्रामक सलामी बल्लेबाज हैं। दोनों शुरुआती ओवरों में तेजी से रन बनाने की क्षमता रखते हैं। दूसरी ओर, पाकिस्तान के मोहम्मद हसनैन, अहमद दानियाल और अली रजा पर नई गेंद से विकेट निकालने की जिम्मेदारी होगी।कप्तान तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, आयुष बदोनी और कुमार कुशाग्र भारतीय मध्यक्रम को मजबूती देते हैं। तिलक और कुशाग्र नेपाल के खिलाफ शतक लगाकर अपनी फॉर्म साबित कर चुके हैं। वहीं, पाकिस्तान को अब्दुल समद, हसन नवाज और हैदर अली से बड़ी पारियों की उम्मीद होगी।दोहा की धीमी पिच पर स्पिन गेंदबाज अहम साबित हो सकते हैं। पाकिस्तान के सुफियान मुकिम और साद मसूद भारतीय बल्लेबाजों के लिए परेशानी खड़ी कर सकते हैं। भारत के पास भी शाहबाज अहमद, तनुष कोटियन और विप्रज निगम जैसे विकल्प हैं।



एशिया कप राइजिंग स्टार्स.... भारत-ए बनाम पाकिस्तान-ए मुकाबला आज

तेज गेंदबाजी में कड़ा मुकाबला

भारत के हर्षित राणा और प्रिंस यादव शानदार फॉर्म में हैं। नेपाल के खिलाफ दोनों ने प्रभावशाली प्रदर्शन किया था। वहीं, पाकिस्तान की तेज गेंदबाजी में हसनैन और अली रजा की भूमिका अहम होगी। भारत-पाकिस्तान मुकाबले में मानसिक मजबूती भी निर्णायक होगी। तिलक, रिंकू और अभिषेक जैसे खिलाड़ियों के पास बड़े मैचों का अनुभव है। हालांकि, पाकिस्तान शाहींस भी दोहा की परिस्थितियों से अच्छी तरह परिचित है।

भारत-ए जीत की प्रबल दावेदार

कुल मिलाकर बल्लेबाजी की गहराई, मजबूत मध्यक्रम और अनुभवी खिलाड़ियों के चलते भारत-ए का पलड़ा भारी नजर आता है। पाकिस्तान की जीत के लिए शुरुआती विकेट लेना और भारतीय बल्लेबाजों पर दबाव बनाए रखना बेहद जरूरी होगा। अब देखना दिलचस्प होगा कि 22 नवंबर को दोहा में किस टीम का प्रदर्शन बेहतर रहता है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष
चू चे चो ला ली
लू ले लो आ

किसी से कहासुनी न हो यह ध्यान रहे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-8-9

वृष
इ उ ए ओ वा
वी वू वे वो

अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। परिवारजनो के सहयोग व समन्वय से काम बनाना आसान रहेगा। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभांक-5-6-7

मिथुन
का की कू घ ङ
छ के को हा

परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-1-2-5

कर्क
ही हू हे हो डा
डी डू डे डो

स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। शुभांक-1-8-9

सिंह
मा मी मू मे मो
टा टी टू टे

लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। मनोरथ सिद्धि का योग है। सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-5-6-8

कन्या
टो पा पी पू ष
ण ठ पे पो

स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-6-8-9

तुला
रा री रु रे रो
ता ती तू ते

प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-4-5-6

वृश्चिक
तो ना नी नू ने
नो य यी यू

स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। शुभांक-5-6-9

धनु
ये यो मा मी मू
धा फा ढा मे

शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। शुभांक-6-7-8

मकर
मे जा जी खी खू
खे खो गा गी

लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-5-6-8

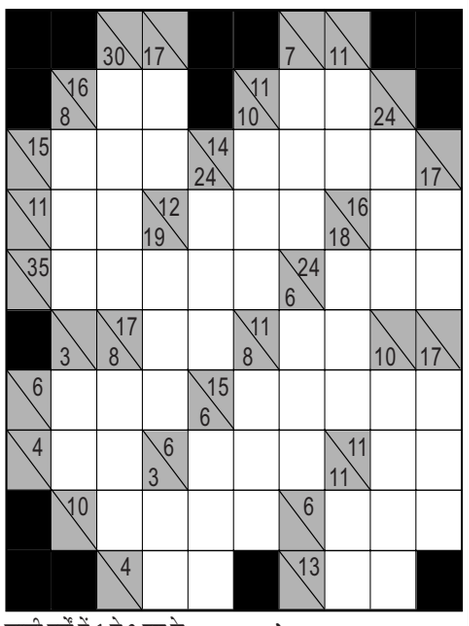
कुंभ
गू गे गो सा
सी सू से सो दा

माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-1-6-7

मीन
दी दू थ झ ञ दे
दो चा ची

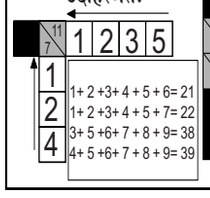
प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। स्वविवेक से कार्य करे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। शुभांक-3-5-7

काकुरो पहेली - 4075

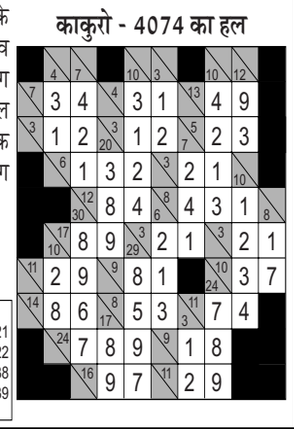


खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः



काकुरो - 4074 का हल



हंसी के फव्वारें

एक प्रेमी ने अपनी प्रेमिका से कहा- ''आज हम पूरा मजा लूटेंगे ! मैनें फिल्म के तीन टिकटों का प्रबन्ध कर लिया है.''

''तीन टिकट ?''

''हां !''

''मगर हम तो दो हैं.''

''हां ! हम तो दो ही हैं.''

''फिर तीन टिकट किसलिए ?''

''एक तुम्हारी मां के लिए ! दूसरा तुम्हारे पिता के लिए और तीसरा तुम्हारे छोटे भाई के लिए !'' प्रेमी ने रहस्य खोलते हुए कहा.

□ □ □

''चौकीदार !''

''जी !''

''तुम ठीक से पहरा तो देते नहीं हो और पैसे मांगने आ जाते हो ?''

''देता हूं सरकार !''

''झूठ बोलने की कोशिश मत करो ! रात बारह बजे के बाद तुम्हारी आवाज ही सुनाई नहीं पड़ती !''

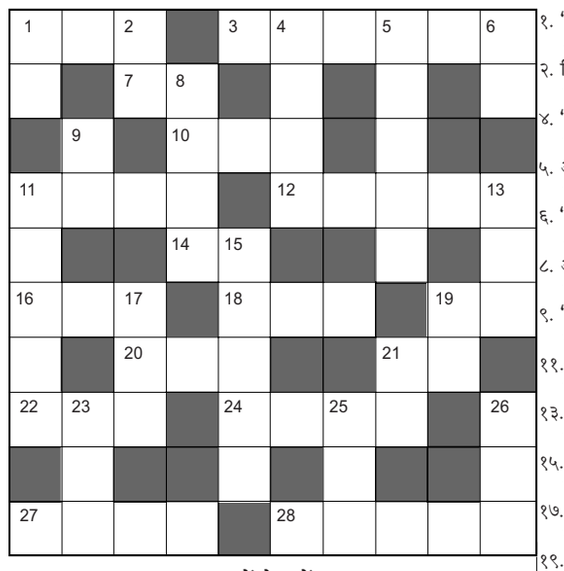
''साहब ! उस समय मैं दूसरों की आवाजें सुना करता हूं.''

□ □ □

प्रेमी- 'तुम्हारी एक मुस्कान के लिए मैं हजार बार जान निछावर करने के लिए तैयार हूँ .'

प्रेमिका- तुम्हारे एक बार जान निछावर करने के लिए मैं हजार बार मुस्कुरा सकती है.

फिल्म वर्ग पहेली- 4075



बायें से दायें:-

१. नाना, सलमान, सीमा, मनीषा की 'आज मैं ऊपर' गीत वाली फिल्म-३
३. 'जै जै शिवशंकर' गीत वाली संजीव कुमार, राजेश, मुमताज की फिल्म-३,३
७. धर्मेन्द्र, मनोजकुमार, सायराबानो की 'आज की रात नया चांद' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'एक तेरा साथ हमको' गीत वाली अजय, मा.सत्यजीत, अलका की फिल्म-३
११. मनोजकुमार, बबीता की 'वो परी कहां से लाऊं' गीत वाली फिल्म-४
१२. 'राम हो क्या तुम' गीत वाली राजेश खन्ना, श्रीदेवी की फिल्म-२,३
१४. फिल्म 'बावरे नैन' में राजकुमार के साथ नायिका कौन थी ?-२
१६. अमिताभ, नीतूसिंह की 'छूकर मेरे मन को' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'रंग चला बहार चली' गीत वाली राजेश खन्ना, ऋषि कपूर, पूनम ढिल्लों की फिल्म-३
१९. नसीरूद्दीनशाह, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की 'ये उजली चांदनी जब' गीत वाली फिल्म-२
२०. 'दिल ने चाहा है क्या' गीत वाली सनी देओल, फरहा की फिल्म-३
२१. फिल्म 'चोरी चोरी' में अजय देवगन के साथ नायिका कौन है. ?-२
२२. संजयदत्त, फरहा की 'ओ गुड़िया ओ बहना' गीत वाली फिल्म-३
२४. 'तूने जिंदगी में आके' गीत वाली बॉबी देओल, अक्षय खन्ना, अमीषा पटेल की फिल्म-४
२७. अमिताभ, वहीदा, नीतू सिंह की 'हमका ऐसा वैसा ना' गीत वाली फिल्म-४
२८. फिल्म 'मासूम' का नायक था-२,३

ऊपर से नीचे:-

१. 'वादा रहा' गीत वाली अमिताभ, अजय, अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२. मिथुन चक्रवर्ती, मुनमुन सेन की १९८६ की एक फिल्म-२
४. 'एक चतुर नार' गीत वाली सुनीलदत्त, किशोरकुमार, सायराबानो की फिल्म-४
५. अनिल, जैकी, पूजा भट्ट की 'जो मांगा था ख्वाब में' गीत वाली फिल्म-२,१,२
६. 'रूकी रूकी सी जिंदगी' गीत वाली आफताब, उर्मिला की फिल्म-२
८. अजय देवगन, अक्षय, उर्मिला की 'ये ताजगी ये सादगी' गीत वाली फिल्म-४
९. 'राजा की आयेगी बरात' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
११. राकेश रोशन, हेमा की 'आज उनसे पहली' गीत वाली फिल्म-३,२
१३. 'जाना तेरे प्यार में' गीत वाली अश्मित पटेल, इमरान हाशमी, मल्लिका की फिल्म-३
१५. प्रदीपकुमार, बीना राय की 'पाँव छू लेने दो' गीत वाली फिल्म-५
१७. 'रूखी सूखी रोटी' गीत वाली अनिलकपूर, रानी मुखर्जी की फिल्म-३
१९. फिल्म 'प्यार कोई खेल नहीं' में महिमा के साथ नायक कौन था-२
२१. 'अकेले हैं चले आओं' गीत वाली राजेशखन्ना, बबीता की फिल्म-२
२३. राजकुमार, राजेश खन्ना, माला की 'चुपके से दिल देदे' गीत वाली फिल्म-३
२५. फिल्म 'गाँवार' में नायक कौन था-३
२६. 'मैं प्यासा तुम सावन' गीतवाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 4074

दे	व	■	प्रे	म	क	ह्य	नी	■	जी
व	■	तु	म	■	सू	■	तू	फा	न
ता	ल	■	पु	का	र	■	सिं	■	त
■	क्ष्य	■	जा	■	■	तो	ह	फा	■
नी	■	मे	री	जं	ग	■	■	गु	स
क	बी	ला	■	ग	■	प्या	■	न	■
री	■	■	सो	ल	वां	सा	ल	■	दा
■	जु	ग	नू	■	टे	■	व	ही	दा
ध	र्मा	■	■	■	ड	■	स्टे	■	गि
■	ना	जा	य	ज	■	चो	री	चो	री

सूडोकु -4075

5		9		8	3	2		
	2		4					8
3	8		5	2	6	1		
	7						9	5
9		3	6		8	7		4
2	6						1	
		5	2	7	1	9	8	6
6					4	5	7	1
		8	9	6		4	3	2

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4074 का हल

8	2	5	3	6	7	9	1	4
4	6	1	8	9	2	3	7	5
3	7	9	1	5	4	6	8	2
1	3	7	4	2	9	5	6	8
6	5	2	7	1	8	4	9	3
9	8	4	6	3	5	1	2	7
2	4	6	9	8	3	7	5	1
5	1	3	2	7	6	8	4	9
7	9	8	5	4	1	2	3	6

शब्द पहेली - 4075



बाएँ से दाएँ

1. मरघट,कब्रिस्तान-4
3. पागल,बुद्धिहीन-4
8. भगवान,ईश्वर,खुदा-7
10. डांटना,दुत्कार-3
11. तरुण,किशोर-3
13. ओट,घूँघट-3
15. तपस्या-2
17. पराया,अजनबी-2
18. आनंद,मौज-2
19. सूर्य,भास्कर-2
21. चिंतन,सोच विचार-3
25. वेणी,फूलों की माला जो बालों में लगाते हैं-3
26. वैद्य-3
27. आभास करना-4,3
30. शिव के इस मंदिर को महमूद गजनवी ने कई बार लूटा था-2,2
31. युद्धघोष,आक्रमण, हमला-4

ऊपर से नीचे

2. कवि,गजलकार-3
4. भारत का झंडा-3
5. ईश्वर,भगवान-4
6. गुरुवार-4
7. दुर्ज,पापी,भूत-3
8. शरण,आश्रय-3
9. चांदी-3
12. उत्तराधिकारी-3
13. उत्कृष्ट,प्रधान-3
14. आंचल-3
16. कमल-3
20. रुकना,अंत, ठहराव-3
22. उत्तमता, खूबी (उर्दू-4)
23. बर्दाश्त करना, निभाना-3
24. आय, कमाई-4
25. उष्ण-3
28. पराजित करना-3
29. उपपत्नी,दूसरी पत्नी-3

शब्द पहेली -4074 का हल

रा	ऊ	ल	के	ला	■	■	क	स	क	■
ह	जां	■	श	■	श	त्रु	ता	■	न्या	य
गु	■	■	ही	र	क	■	र	■	■	म
ज	ला	ब	न	■	■	गं	■	अ	नु	ज
र	■	च	■	बे	ल	गा	म	■	की	■
■	शा	न	■	क	■	ज	■	ब	ला	■
■	य	■	श	रा	र	ल	■	न्द	■	त
म	द	द	■	र	■	■	अ	र	मा	न
श	■	■	स	■	शा	य	र	■	■	ब
क	म	■	न	र	म	■	मा	■	मा	द
■	जा	न	म	■	■	म	न	मो	ह	न

रेसिपी



कॉलीफ्लावर चीज

सामग्री

■ फूलगोभी- 1 (कटी हुई) ■ मक्खन- 50 ग्राम ■ जीरा- 1/2 टीस्पून ■ लाल मिर्च पाउडर- 1/2 टीस्पन ■ दूध- 500 मिली ■ आटा- 50 ग्राम ■ चेडर चीज- 1 कप (कद्दूकस किया) ■ नमक- स्वादानुसार ■ सफेद मिर्च- 1/4 टीस्पून (कूटी हुई) ■ हरी मिर्च- 1 (बारीक कटी)

विधि

ओवन को 180 डिग्री पर प्रीहीट कर लें। फूलगोभी को 5-7 मिनट तक पानी में उबाल लें और पानी से निकालकर अलग रख दें। सॉस या ग्रेवी बनाने के लिए एक पैन में मक्खन, जीरा और मिर्च पाउडर डालकर दो सेकंड तक भून लें। फिर इसमें थोड़ा दूध और आटा डालकर लगातार चलाते हुए दो मिनट तक पका लें। इसके बाद इसमें नमक और सफेद मिर्च डालकर मिक्स करें। फिर चीज डालें और एक मिनट तक चलाते हुए पका लें। थोड़ा सॉस बेकिंग ट्रे में डालें। इसके बाद ऊपर से फूलगोभी के पीस रख दें। फिर बाकी बचा सॉस, चीज और हरी मिर्च डालकर करीब 15-20 मिनट तक बेक कर लें। इसे सर्विंग बाउल में निकालें और गरमा-गरम सर्व करें।

रेसिपी



मूंग दाल की खिचड़ी

सामग्री

■ 100 ग्राम धुली मूंग की दाल ■ 150 ग्राम चावल ■ नमक- स्वादानुसार ■ 1/2 टीस्पून जीरा ■ 1 साबुत लाल मिर्च ■ 1 हरी मिर्च कटी हुई ■ 1 मीडियम आकार का प्याज कटा हुआ ■ 1 टीस्पून हल्दी पाउडर ■ 1 इंच टुकड़ा अदरक कटा हुआ ■ चुटकी भर हींग ■ 1 टेबलस्पून हरी धनिया कटी हुई ■ 1 टीस्पून देसी घी

विधि

दाल और चावल को धोकर अलग रखें। अब प्रेशर कुकर में घी डालकर गर्म करें। अब इसमें जीरा, हींग, साबुत लाल मिर्च, अदरक व कटा हुआ प्याज डालकर मीडियम आंच पर हल्का गुलाबी होने तक भूनें। हल्दी पाउडर डालकर चलाएं। अब धुले हुए दाल-चावल डालकर अच्छी तरह चलाएं। नमक डालें। कुछ देर चलाते हुए भूनें। खिचड़ी पतली पसंद है तो तीन ग्लास पानी और गाढ़ी पसंद है तो दो ग्लास पानी डालकर 5-6 सीटी आने तक पकाएं। धनिया से सजाकर आलू के भरते के साथ गरमागरम सर्व करें। चाहें तो अलग से 1 टेबलस्पून घी में जीरा और प्याज पकाकर ऊपर से डालकर सर्व कर सकती हैं।

RATE TARIFF
राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

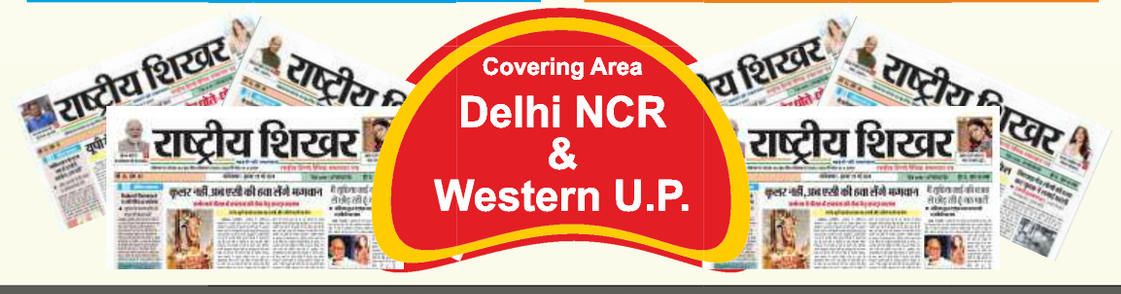
RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/-
Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words
Maximum 60 Words



Special Page / Position Premium

Front Page (Semi)	- 50%	Island Position	- 50%	Strip Advt.	- 15%		
Front Page (Solus)	- 75%	Right Hand Page	- 10%	Political Advt.	- 50%		
Back Page	- 25%	Top of AD Column	- 15%	Pull Outs	- 50%		
Page Three	- 20%	Any Other Spl. Position	- 10%	Discount as per deal			

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com

Follow us : @ RashtriyaShikhar/



सैनिक का किरदार निभाने के लिए सलमान ने घंटों तक कड़ाके की ठंड का सामना किया

सलमान खान स्टारर फिल्म 'मातृभूमि: मे वॉर रेस्ट इन पीस' का पहला टीजर और पोस्टर जब से रिलीज़ हुआ है, तब से दर्शकों के बीच फिल्म को देखने की बेसब्री बढ़ती जा रही है। शुरुआती झलकियों ने दर्शकों को फिल्म की दुनिया से रूबरू कराया, जिसके बाद से ही दर्शक फिल्म से जुड़ी और चीजें देखने का इंतजार कर रहे हैं। इस फिल्म के जबरदस्त स्केल ने पहले से ही फैंस के बीच चर्चा शुरू कर दी है, डायरेक्टर अपूर्व लाखिया ने बिहाइंड द सींस डिटेल्स के बारे ने बात की और बताया है कि कैसे फिल्म की मेकिंग धैर्य और ईमानदारी को पेश करती है। इंटेंस एक्शन से लेकर ट्रेलर में अब तक नजर आए मुश्किल जगहों पर की गई शूटिंग, यह बताती है कि टीम ने किसी भी तरह के शॉर्टकट को अपनाने से इंकार किया है, और इस तरह से उन्होंने हर फ्रेम में जान डालने के लिए असली, सख़्त मौसम को इनडोर के आराम के सामने चुना है।

फिल्म के सबसे मुश्किल सीक्वेंस के बारे में बात करते हुए डायरेक्टर अपूर्व लाखिया ने कहा है , 'शुरुआत में हमने इस सीक्वेंस की शूटिंग मुंबई के एक स्टूडियो में करने का प्लान बनाया था, लेकिन सलमान सर से बात करने के बाद हमें समझ आ गया कि सेट पर शूट करने से वह असली एहसास नहीं आएगा। इसलिए हम बाहर गए और सितंबर एंड में इसकी शूटिंग की। उस समय पानी का तापमान लगभग जीरो डिग्री के आसपास रहा होगा। सलमान खान को अपने फिजिकली डिमांडिंग रोल्स में जीजान लगाने के लिए जाना जाता है, और ऐसे में मातृभूमि में वॉर रेस्ट इन पीस के लिए, उनके द्वारा लिया गया स्टूडियो से बाहर शूट करने का फैसला उनकी फिल्म के लिए कमिटमेंट को दर्शाता है। एक सैनिक का किरदार निभाने के लिए सुपरस्टार और उनके को-एक्टर्स कलाकारों ने घंटों तक कड़ाके की ठंड का सामना किया। वे भीगी हुई वर्दी में ही शॉट्स के बीच खाना खाते थे, ताकि पर्दे पर उनका संघर्ष और भावनाएं दर्शकों को बिल्कुल असली महसूस हों।



टाइम 100 नेक्स्ट इंडिया लिस्ट के कवर पर मिली आलिया को जगह

बॉलीवुड में अपनी अलग पहचान बनाने वाली अभिनेत्री आलिया भट्ट के नाम एक और बड़ी उपलब्धि जुड़ गई है। अपनी शानदार अदाकारी और अलग-अलग तरह के किरदारों से दर्शकों का दिल जीतने वाली आलिया अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सुर्खियां बटोर रही हैं। उन्हें टाइम मैगजीन की पहली टाइम 100 नेक्स्ट इंडिया लिस्ट के कवर स्टार के तौर पर जगह मिली है। मैगजीन ने फिल्म इंडस्ट्री में उनके सफर, फिल्मों में उनके किरदारों के चुनाव और फिल्म सेट पर महिलाओं के लिए बेहतर कामकाजी माहौल की वकालत करने के उनके प्रयासों को सराहा है।

आलिया को बताया 'बॉलीवुड आइकन'

टाइम मैगजीन ने इंस्टाग्राम पर आलिया को कवर स्टार घोषित करते हुए उन्हें 'बॉलीवुड आइकन' बताया। मैगजीन ने लिखा, 'हमारी पहली टाइम 100 नेक्स्ट इंडिया लिस्ट की कवर स्टार से मिलिए, बॉलीवुड आइकन आलिया भट्ट।' इसके साथ ही प्रकाशन ने इस बात पर भी गौर किया कि कैसे आलिया ने इंडस्ट्री में एक नई कलाकार के तौर पर शुरुआत की और धीरे-धीरे चुनौतीपूर्ण और अलग-अलग तरह के किरदार निभाने वाली अभिनेत्री के रूप में अपनी पहचान बनाई। आलिया भट्ट ने साल 2012 में करण जौहर की फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' से बतौर लीड एक्ट्रेस बॉलीवुड में कदम रखा था। हालांकि, साल 2014 में इम्तियाज अली की फिल्म 'हाईवे' उनके करियर का अहम मोड़ साबित हुई। इस फिल्म में उन्होंने वीरा त्रिपाठी का किरदार निभाया था, जो किडनैप होने के बाद खुद को समझने और अपनी जिंदगी को नए नजरिए से देखने का सफर तय करती है। इस फिल्म ने दर्शकों के बीच आलिया की अभिनय क्षमता को लेकर बनी धारणा बदल दी। मैगजीन के मुताबिक, आलिया का फिल्मी सफर ऐसे दौर में आगे बढ़ा, जब बॉलीवुड का पारंपरिक स्टार सिस्टम बदल रहा था और कलाकारों के सामने एक नई तरह की सेलिब्रिटी संस्कृति की चुनौतियां थीं। 'हाईवे' के बाद आलिया ने लगातार ऐसे किरदार चुने, जिनमें उन्हें अपनी अभिनय क्षमता दिखाने का मौका मिला। फिल्म 'उड़ता पंजाब' में उन्होंने पंजाब के ड्रग्स कारोबार के बीच फंसी बिहार की एक प्रवासी मजदूर का किरदार निभाया। इस फिल्म में उनके अभिनय के लिए उन्हें फिल्मफेयर बेस्ट एक्ट्रेस का अवार्ड भी मिला।

कमर्शियल फिल्मों में भी आलिया ने किया काम

अपने करियर में आलिया ने जहां '2 स्टेट्स' जैसी कमर्शियल फिल्मों में काम किया, वहीं 'राजी', 'डियर जिंदगी' और 'गली बॉय' जैसी फिल्मों में अपने अभिनय से दर्शकों और समीक्षकों का ध्यान खींचा। अलग-अलग जॉनर की फिल्मों में काम करके उन्होंने अपनी बहुमुखी प्रतिभा साबित की है। सिर्फ फिल्मों ही नहीं, बल्कि फिल्म इंडस्ट्री में महिलाओं के लिए बेहतर कामकाजी माहौल बनाने की पैरवी को लेकर भी आलिया चर्चा में रही हैं। खासतौर पर फिल्म सेट पर महिलाओं की सुविधाओं और उनके काम करने की परिस्थितियों को बेहतर बनाने की दिशा में उनकी आवाज को मैगजीन ने अहमियत दी है। हाल ही में आलिया मुंबई में आयोजित अर्थशॉट प्राइज 2026 के ग्रीन कार्पेट पर भी अपने लुक को लेकर चर्चा में रही थीं। इस दौरान वह डिजाइनर रितु कुमार के तैयार किए गए ब्लैक और एंटीक गोल्ड रंग के बेहद खूबसूरत आउटफिट में नजर आई थीं।



रामायण में मैंने मानसिक, शारीरिक और आध्यात्मिक रूप से जो कुछ भी दे सकता था, दिया

निर्देशक नितेश तिवारी की फिल्म 'रामायण' में अभिनेता रवि दुबे लक्ष्मण के किरदार में नजर आ रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस किरदार को निभाना उनके लिए अपनी इच्छा पूरी करने से ज्यादा महाकाव्य की सेवा करने का मौका था। उन्होंने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'एक अभिनेता के तौर पर आप ऐसा काम करें कि दर्शक उसे इस तरह से महसूस करें, कि वे आपको आकर बताएं। इससे बड़ा तोहफा और क्या ही हो सकता है। सच कहूं, तो ये सब लिखते हुए मुझे यकीन नहीं हो रहा है लेकिन मन में कृतज्ञता है। लक्ष्मण की खुद के लिए कोई इच्छा नहीं थी, वो श्री राम और मां सीता के एक कदम पीछे खड़े होकर खुश थे, जब भी उनकी जरूरत हो, कर्तव्य पालन के लिए तैयार रहते थे। उन्होंने किरदार निभाने को लेकर बताया कि लक्ष्मण ने अभी तक जो किया, मैं बस वही सेवा और कर्तव्य की भावना रामायण में लाना चाहता था। उन्होंने लिखा, 'मानसिक, शारीरिक और आध्यात्मिक रूप से मैं, जो कुछ भी दे सकता था, मैंने दिया। सच में मैं चाहता था लेकिन आप सबने मुझे इससे कहीं ज्यादा दे दिया।' रवि दुबे ने कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा का शुक्रिया अदा करते हुए लिखा, 'मुकेश भाई, आपके उस कॉल ने सच में मेरी जिंदगी बदल दी, जिसके लिए मैं आपका आभारी हूं। नमित मल्होत्रा सर, नितेश तिवारी सर, आप लोग बहुत ही खास इंसान हैं और मैं आपका कर्जदार हूं कि आपने मुझे दुनिया के सबसे बेहतरीन कलाकारों के साथ एक सेट पर रखा। एक ऐसा सेट जहां मैं सबसे जूनियर और सबसे कम अनुभवी था, फिर भी जिस दिन से मैं वहां गया, आपने मुझे उतना ही प्यार, सम्मान और अपने काम को करने के लिए उतनी ही जगह दी।'

अभिनेता ने वरिष्ठ कलाकारों के साथ काम करने के अनुभव के बारे में बताते हुए कहा कि शुरुआत में वे काफी डरे हुए थे। उन्होंने कहा, 'मैं डरा हुआ था कि कहीं मैंने इन शानदार लोगों को निराश तो नहीं कर दिया, जिन्होंने मुझ पर इतनी बड़ी जिम्मेदारी के साथ भरोसा किया? कहीं मैंने बहुत कम तो नहीं कर दिया? कहीं मैंने ज्यादा तो नहीं कर दिया? कहीं मैंने लक्ष्मण के साथ, रामायण के साथ अन्याय तो नहीं कर दिया? और फिर आपका प्यार और साथ मिला। काश मैं आपमें से हर एक को बता पाता कि इसने मेरे लिए क्या किया है। इसमें बहुत खुशी है लेकिन इसमें एक बहुत ही कोमल सी राहत भी है। राम कथा की थोड़ी सी भी सेवा करके मेरा दिल भर गया है।

धनश्री वर्मा की साउथ सिनेमा में शुरुआत

तेलुगु फिल्म 'हे कन्नम्मा' में नजर आएंगी

धनश्री वर्मा अपने करियर में एक नया अध्याय शुरू करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। डांसर और सोशल मीडिया पर्सनैलिटी धनश्री ने 'हे कन्नम्मा' फिल्म के साथ तेलुगू सिनेमा में लीड एक्ट्रेस के तौर पर अपनी शुरुआत करने की घोषणा की है। इस फिल्म को 'दिल राजू प्रोडक्शंस' का सपोर्ट हासिल है। मेकर्स ने फिल्म का टीजर भी रिलीज कर दिया है। यह फिल्म 27 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में यश मास्टर और कार्तिका मुरलीधरन भी नजर आएंगे। धनश्री वर्मा ने इंस्टाग्राम पर यह घोषणा शेयर की और इस प्रोजेक्ट को लेकर अपना उत्साह जताया। इसे एक बेहद खास सफर बताते हुए, उन्होंने कहा कि वह दर्शकों को बड़े पर्दे पर यह फिल्म देखते हुए देखने के लिए उत्सुक हैं। फिल्म के टाइटल की घोषणा करते हुए उन्होंने लिखा, 'और आखिरकार ऐसा हो ही रहा है! लीड एक्टर के तौर पर मेरी पहली फिल्म। तेलुगू फिल्म में मेरा डेब्यू। और शुरुआत भी कितनी शानदार है — दिल राजू प्रोडक्शंस के साथ।'

अभिनेत्री ने फिल्म का आधिकारिक टीजर भी शेयर किया, जिससे दर्शकों को उनके नए प्रोजेक्ट की एक झलक मिली। उन्होंने इसे एक नई शुरुआत बताया क्योंकि वह अपने पहले मुख्य किरदार के साथ तेलुगु सिनेमा में कदम रख रही हैं। टीजर शेयर करते हुए, धनश्री ने इस सफर का हिस्सा बनने के लिए पूरी टीम को धन्यवाद दिया। अपनी पोस्ट में धनश्री ने लिखा, 'एक बहुत ही खास नई शुरुआत की एक छोटी सी झलक! पेश है मेरी तेलुगु डेब्यू फिल्म हेकन्नम्मा का आधिकारिक टीजर। इसमें मुझे शानदार 'दिल राजू प्रोडक्शंस' के साथ एक मुख्य अभिनेत्री के तौर पर एक बिल्कुल नई दुनिया में कदम रखने का मौका मिला है। यह एक ऐसा सफर है जो मेरे दिल के बहुत करीब है।'



'कॉफी विद करण' का 22 साल का सफर अब हो रहा है खत्म

फिनाले में शाहरुख खान के साथ नजर आएंगे यश और रूही



करण जौहर का चर्चित चैट शो 'कॉफी विद करण' अब अपने आखिरी पड़ाव पर पहुंच गया है. करीब 22 साल तक बॉलीवुड सितारों की जिंदगी से जुड़े दिलचस्प किस्से सामने लाने वाले इस शो का सीजन 9 आखिरी होने वाला है. ऐसे में करण जौहर अपने शो को यादगार अंदाज में विदाई देने की तैयारी कर रहे हैं. रिपोर्ट्स की मानें तो फिनाले एपिसोड में बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख खान खास अंदाज में नजर आएंगे. इतना ही नहीं, करण के दोनों बच्चे यश और रूही भी पहली बार इस शो का हिस्सा बनेंगे.

फिनाले में शाहरुख खान की होगी खास एंट्री

रिपोर्ट के मुताबिक, शाहरुख खान फिनाले एपिसोड में करण जौहर के साथ कॉफी काउच पर दिखाई देंगे. हालांकि, वह पूरे एपिसोड में नहीं रहेंगे, बल्कि कुछ समय के लिए अपनी मौजूदगी दर्ज कराएंगे. शाहरुख के साथ इस खास एपिसोड में करण के जुड़वां बच्चे यश और रूही भी नजर आएंगे. यह दोनों का टेलीविजन डेब्यू होगा. इस एपिसोड को लेकर सबसे खास बात यह है कि शाहरुख खान ही साल 2004 में शुरू हुए 'कॉफी विद करण' के पहले मेहमान बने थे. अब शो के आखिरी सीजन में उनकी वापसी से इसकी शुरुआत और विदाई के बीच एक खूबसूरत कनेक्शन बन जाएगा.

बेटी सुहाना खान भी हो सकती हैं शामिल

रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान भी इस बातचीत का हिस्सा बन सकती हैं. बताया जा रहा है कि इस एपिसोड की शूटिंग उस समय हुई, जब शाहरुख अपनी फिल्म 'किंग' की शूटिंग में व्यस्त थे. काम की व्यस्तता के चलते वह पूरे एपिसोड के लिए समय नहीं निकाल पाए और कुछ देर के लिए शो में शामिल हुए.

सीजन 9 में नजर आए ये सितारे

'कॉफी विद करण 9' के इस सीजन में अब तक कई बड़े बॉलीवुड सितारे अपनी जिंदगी और करियर से जुड़े किस्से साझा कर चुके हैं. इनमें सलमान खान, वरुण धवन, जाह्नवी कपूर, करीना कपूर, सैफ अली खान, कियारा आडवाणी, सिद्धार्थ मल्होत्रा, विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना जैसे नाम शामिल हैं. वहीं, आने वाले एपिसोड्स के लिए सारा अली खान और इब्राहिम अली खान, समय रैना, दिलजीत दोसांझ और डिंपल कपाड़िया जैसे सितारों के नाम भी चर्चा में हैं. हालांकि, इनकी मौजूदगी को लेकर अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है.





फिलीपींस में टला बड़ा विमान हादसा, सुरक्षित लैंडिंग से बचे 146 लोग

मनीला ,एजेंसी। फिलीपींस में एयर न्यूगिनी के विमान ने दक्षिणी फिलीपींस के दावाओ शहर में आपातकालीन लैंडिंग की, जिससे एक बड़ा विमान हादसा टल गया। हांगकांग से पापुआ न्यू गिनी जा रहे इस विमान के इंजन में चिंगारी दिखने के बाद यह सुरक्षित लैंडिंग की गई, जिसमें सवार सभी 146 यात्री और चालक दल के सदस्य बाल-बाल बच गए। फिलीपींस की सिविल एविएशन अथॉरिटी (सीएएपी) ने बताया कि यह बोइंग 767-383 ईआर विमान था। इसमें 137 यात्री और 9 चालक दल के सदस्य सवार थे, कुल 146 लोग सवार थे। पायलटों ने दाहिने इंजन में संभावित चिंगारी या आग का संकेत मिलने के बाद तुरंत सुरक्षा प्रक्रियाओं का पालन कर दावाओ अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आपातकालीन लैंडिंग का अनुरोध किया। विमान अपने तय मार्ग से भटक गया था। लैंडिंग के बाद, सभी यात्रियों और चालक दल के सदस्यों को इमरजेंसी स्लाइड के ज़रिए सुरक्षित बाहर निकाला गया। फिलीपींस की सिविल एविएशन अथॉरिटी के प्रवक्ता एरिक अपोलोनियो ने पुष्टि की कि इस पूरी प्रक्रिया में कोई भी हताहत नहीं हुआ। यात्रियों को तुरंत हवाई अड्डे के टर्मिनल ले जाया गया और उनके लिए होटल में ठहरने की व्यवस्था की गई। इमरजेंसी लैंडिंग के कारण दावाओ अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को अस्थायी रूप से अन्य उड़ानों के लिए बंद कर दिया गया था, जिससे दो घरेलू उड़ानें रद्द करनी पड़ीं। हालांकि, सुरक्षा जांच पूरी होने के बाद मुख्य रनवे को फिर से खोल दिया गया। फिलीपींस की सिविल एविएशन अथॉरिटी ने बताया कि विमान को कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ है और इस घटना के विस्तृत कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है।

सांसद ने सदन में किया शादी के लिए प्रपोज़, तालियों से गूंजने लगी संसद

सिडनी,एजेंसी। संसद की कार्यवाही आमतौर पर गंभीर बहसों और नीतियों के लिए जानी जाती है, लेकिन 19 नवंबर को ऑस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स संसद में एक ऐसा अनोखा और फिल्मी नजारा देखने को मिला, जिसने सबको हैरान कर दिया। सिडनी के राइड इलाके से सांसद जॉर्डन लेन ने अपनी विदाई स्पीच के दौरान अपनी 10 साल पुरानी पार्टनर नताली हिसी को सबके सामने शादी के लिए प्रपोज़ कर दिया। इस अप्रत्याशित घटना ने न सिर्फ सदन का माहौल बदल दिया, बल्कि पूरे देश में चर्चा का विषय बन गई। जॉर्डन लेन अपनी विदाई स्पीच यानी वैलेडिक्टरी एड्रेस दे रहे थे, जब उन्होंने अचानक पब्लिक गैलरी में बैठी अपनी पार्टनर नताली हिसी के सामने सगाई की अंगूठी निकाली और सबको चौंकाते हुए पूछा, क्या तुम मुझसे शादी करोगी? इस अचानक आए मोड़ ने न सिर्फ साथी सांसदों को हैरान कर दिया, बल्कि स्पीकर और पब्लिक गैलरी में बैठे लोग भी एक पल के लिए ठगे से रह गए। जॉर्डन लेन ने अपने भाषण के दौरान नताली के साथ अपने 10 साल से ज्यादा पुराने रिश्ते का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि उनका यह रिश्ता कई मुश्किलों और हालात के बीच परवान चढ़ा है और दस साल पहले दोनों का साथ आना एक तरह से संयोग था। उन्होंने नताली की तारीफ करते हुए कहा कि वह उनके जीवन में हर अच्छी और सच्ची चीज की वजह हैं, और शब्दों में यह बयां कर पाना मुश्किल है कि नताली ने उनकी जिंदगी पर कितना गहरा असर डाला है। अपने भाषण के आखिर में, उन्होंने स्पीकर को संबोधित करते हुए कहा कि राइड के सदस्य के तौर पर उनका आखिरी सवाल उनके प्यार नताली के लिए है। इतना कहते ही उन्होंने सगाई की अंगूठी निकाली और सीधा शादी का प्रस्ताव रख दिया। जैसे ही जॉर्डन लेन ने यह सवाल पूछा, सदन का गंभीर माहौल पूरी तरह बदल गया और तालियों की आवाज से गूंज उठा। इसके बाद लेन नताली के पास पहुंचे और उनकी उंगली में अंगूठी पहनाई। नताली के हां कहने को लेकर कोई भ्रम न रहे, इसके लिए सांसद ने सदन को मजाकिया अंदाज में आधिकारिक तौर पर जानकारी दी। उन्होंने कहा कि वह संसद के आधिकारिक रिकॉर्ड यानी हैंसार्ड में यह दर्ज कराना चाहते हैं कि नताली ने हां कह दिया है।

थाईलैंड ने अमेरिका से आयात होने वाले सभी उत्पादों पर शुल्क खत्म करने किया समझौता

ट्रंप बोले-हर साल अमेरिका से 2.6 अरब डॉलर के कृषि उत्पाद खरीदने की इच्छा भी जताई



वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि थाईलैंड ने अमेरिका से आयात होने वाले सभी उत्पादों पर शुल्क खत्म करने के समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। उनके मुताबिक बैंकॉक ने हर साल अमेरिका से 2.6 अरब डॉलर के कृषि उत्पाद खरीदने की इच्छा भी जताई है। हालांकि ट्रंप ने कहा कि अमेरिका इस खरीद का आंकड़ा और बढ़ाने की कोशिश करेगा। एशिया की चार दिवसीय यात्रा से लौटने के बाद व्हाइट हाउस में ट्रंप ने कहा कि थाईलैंड ने अमेरिकी उत्पादों पर सभी शुल्क खत्म करने के समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि थाईलैंड ने गैर-शुल्क बाधाओं को भी हटा दिया है। हालांकि, उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि ये बाधाएं कौन-सी थीं और शुल्क में कटौती कब से लागू होगी।
मीडिया रिपोर्ट में ट्रंप के मुताबिक 2.6 अरब डॉलर का आंकड़ा थाईलैंड की ओर से हर साल अमेरिकी कृषि उत्पाद खरीदने की शुरुआती इच्छा को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि यह केवल शुरुआती आंकड़ा है। हम इससे ज्यादा की मांग करेंगे। थाईलैंड के साथ हुआ समझौता उन दो व्यापारिक समझौतों में शामिल है, जिनकी घोषणा ट्रंप ने अपनी एशिया यात्रा के दौरान की थी। दूसरा समझौता फिलीपींस के साथ एक रूपरेखा के तौर पर हुआ है। ट्रंप ने दोनों समझौतों को अमेरिकी किसानों के लिए फायदेमंद बताया, हालांकि दोनों देशों से की गई उनकी मांगों में अंतर था।
ट्रंप ने बताया कि मनीला में उन्होंने फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर से एक जनवरी से देश की कृषि संबंधी सभी आयात जरूरतों को अमेरिकी किसानों से पूरा करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि फिलीपींस अब तक ब्राजील से बड़ी मात्रा में कृषि उत्पाद खरीदता रहा है। ट्रंप ने चीन के साथ संभावित टकराव का जिक्र करते हुए कहा कि ऐसी स्थिति में फिलीपींस को अमेरिकी मदद की जरूरत पड़ेगी। उन्होंने यह भी कहा कि फिलीपींस और मलेशिया अमेरिकी तकनीक तथा सेवाओं का इस्तेमाल अपने क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास के लिए करने पर सहमत हुए हैं। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा कि आसियान शिखर सम्मेलनों में अमेरिका की भागीदारी का सीधा आर्थिक महत्व है। इस क्षेत्र की अर्थव्यवस्थाएं अमेरिकी उत्पादों के लिए बड़े बाजार हैं और यहां होने वाली बिक्री से अमेरिका में रोजगार के अवसर पैदा होते हैं। ट्रंप ने थाईलैंड और कंबोडिया के बीच संघर्ष का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि थाईलैंड के प्रधानमंत्री ने संघर्ष में उनके हस्तक्षेप के लिए आभार जताया और बताया कि उनकी भूमिका के संबंध में नोबेल समिति को पत्र लिखा है।

रियाद पर दागी गईं मिसाइलें, हूती ने जवाबी कार्रवाई का किया दावा

रियाद,एजेंसी। यमन के हूती लड़ाकू समूह ने सऊदी अरब की राजधानी रियाद पर बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया, इस उन्होंने सऊदी गठबंधन के विशेष अभियान का जवाब बताया। इस हमले के बाद रियाद में दो धमाके सुने गए, जिसके जवाब में सऊदी वायु रक्षा प्रणाली ने राजधानी की ओर दागी गई तीन बैलिस्टिक मिसाइलों को सफलतापूर्वक इंटरसेप्ट कर नष्ट किया। सऊदी ने इससे पहले अपने नागरिकों को संभावित हवाई हमले के प्रति सचेत रहने की सलाह दी थी। हूती समूह ने दावा किया है कि उसने रियाद सहित पूरे सऊदी अरब में कई ठिकानों को निशाना बनाया है। यह हमला गठबंधन द्वारा शुक्रवार को लाल सागर के बंदरगाह शहर होदेइदा और अन्य स्थानों पर किए गए हमलों के बाद हूती की जवाबी कार्रवाई की धमकी के अनुरूप था। हूती ने पहले चेतावनी दी थी कि अगर होदेइदा पर हमला होता है, तब वह सऊदी शहर जेद्दा और लाल सागर के अन्य बंदरगाहों को निशाना बनाएगा। समूह ने एयरलाइंस को सऊदी हवाई क्षेत्र को असुरक्षित बताकर वहां उड़ान न भरने की सलाह भी दी थी, हालांकि मक्का और मदीना के पवित्र हवाई क्षेत्र को इससे बाहर रखा गया। उन्होंने रियाद के वित्तीय जिले और अल-शुकाइक स्थित एक पावर स्टेशन को भी निशाना बनाने की धमकी दी थी। गठबंधन के प्रवक्ता तुर्की अल-मल्की ने बताया कि उनके बलों ने होदेइदा बंदरगाह पर उन परिचालन क्षमताओं को निशाना बनाया, जिनका इस्तेमाल हथियारों की तस्करी और बैलिस्टिक मिसाइलों की ढुलाई के लिए किया जा रहा था। उन्होंने यह भी पुष्टि की कि यमन की सीमा के पास जिजान क्षेत्र के ऊपर दो और बैलिस्टिक मिसाइलों को रोका गया, जिनका मलबा अल-शुकाइक में गिरा। हमलों के बाद दोनों पक्षों ने अलग-अलग दावे किए हैं। हूती का दावा है कि पिछले 24 घंटों में गठबंधन के हमलों में 41 लोग मारे गए हैं। वहीं, सऊदी समर्थित सशस्त्र बलों का कहना है कि दर्जनों हवाई हमलों और बमबारी में 193 हूती लड़ाके मारे गए या घायल हुए हैं। हूती ने अल-शुकाइक पावर स्टेशन और जिजान बंदरगाह पर सटीक और सीधे हमले कर भारी नुकसान पहुंचाने का भी दावा किया है। यह नवीनतम घटना महीनों से जारी संघर्ष में हिंसा की बढ़ती गति को दर्शाती है।

अमेरिकी नागरिकों पर साइबर हमले, एफबीआई प्रमुख ने दी कड़ी चेतावनी

वाशिंगटन,एजेंसी। फेडरल ब्यूरो ऑफ इवेंस्टिगेशन (एफबीआई) के निदेशक काश पटेल ने अमेरिकियों को निशाना बनाने वाले साइबर अपराधियों को कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इसतरह के अपराधियों को कानून का सामना करना पड़ेगा। एफबीआई प्रमुख पटेल ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के नेतृत्व में एफबीआई साइबर खतरों के खिलाफ अपनी कार्रवाई तेज कर रही है और इसतरह के हमलावरों को ढूंढ निकालने के लिए प्रतिबद्ध है। अपनी पोस्ट में एफबीआई प्रमुख पटेल ने ऑपरेशन विंटर शील्ड का जिक्र किया। इस अभियान का उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय साझेदारों के साथ मिलकर अमेरिका की साइबर सुरक्षा को मजबूत करना और व्यवसायों, सरकारी प्रणालियों तथा महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे की रक्षा करना है। एफबीआई प्रमुख पटेल ने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप के नेतृत्व में एफबीआई दुनिया भर के साइबर अपराधियों के खिलाफ लड़ाई लड़ रही है और हम साइबर खतरों के खिलाफ आक्रामक रुख अपना रहे हैं। हमारा संदेश साफ है- अगर आप अमेरिकी लोगों को निशाना बनाते हैं, तब न्याय आप तक जरूर पहुंचेगा। यह चेतावनी तब आई है जब अमेरिका में साइबर सुरक्षा और डिजिटल बुनियादी ढांचे की मजबूती को लेकर चिंताएं बढ़ रही हैं। हाल ही में, जेपी मॉर्गन चेस से जुड़े थर्ड-पार्टी सर्विस प्रोवाइडर्स पर एक बड़ा साइबर हमला हुआ, जिससे लगभग 16,000 ग्राहकों की निजी जानकारी लीक होने की आशंका है। बैंक ने गुरुवार को बताया कि उनकी जांच से पता चला है कि हमलावरों ने बाहरी वेंडर्स के पास मौजूद मार्केटिंग डेटा तक पहुंच बना ली थी, जिसमें ग्राहकों के नाम और ईमेल पते शामिल हो सकते हैं। रिपोर्ट अनुसार, एनओएन नामक एक रैनसमवेयर ग्रुप ने डेटा लीक की जिम्मेदारी ली है। खबरों के मुताबिक, इस घटना से वीजा और मास्टरकार्ड से जुड़े व्यावसायिक साझेदार भी प्रभावित हुए हैं, जिनकी ईमेल पते, फोन नंबर और खाता आईडी जैसी संवेदनशील जानकारी लीक हुई है। जेपी मॉर्गन चेस ने आश्वस्त किया है कि उनकी मुख्य सेवाओं में कोई रुकावट नहीं आई है और वे प्रभावित ग्राहकों से सीधे संपर्क करके उन्हें मुफ्त क्रेडिट मॉनिटरिंग सहित आवश्यक सहायता प्रदान करेंगे।

2070 तक अमेरिका में हिंदुओं की आबादी बढ़कर दोगुनी से भी ज्यादा होगी

रिपोर्ट में खुलासा, अगले पांच दशकों में दुनिया में धार्मिक आबादी की तस्वीर बदलेगी

वाशिंगटन, एजेंसी। दुनिया में धार्मिक विविधता बढ़ती जा रही है। हाल ही में एक रिपोर्ट में बताया गया है कि अगले पांच दशकों में दुनिया में धार्मिक आबादी की तस्वीर तेजी से बदलने वाली है। इस रिपोर्ट के मुताबिक साल 2070 तक अमेरिका में हिंदुओं की आबादी बढ़कर दोगुनी से भी ज्यादा हो सकती है, जो एक बड़ा जनसांख्यिकीय बदलाव होगा। रिपोर्ट के आंकड़ों पर गौर करें तो, साल 2020 तक अमेरिका में हिंदुओं की आबादी करीब 30 लाख थी, जो देश की कुल जनसंख्या का करीब 0.9फीसदी हिस्सा थी, लेकिन भविष्य के अनुमान बेहद दिलचस्प हैं। रिपोर्ट के मुताबिक साल 2070 तक अमेरिका में हिंदुओं की संख्या 74 लाख से 90 लाख के आसपास पहुंच जाएगी। इस बढ़ोतरी के साथ, अमेरिका में हिंदुओं की कुल आबादी 2फीसदी का आंकड़ा छू लेगी। यह वृद्धि मुख्य रूप से इमिग्रेशन के कारण होने का अनुमान है। भारत और दक्षिण एशिया के अन्य हिस्सों से बड़ी संख्या में हिंदू अमेरिका का रुख कर रहे हैं, जो टेक्नोलॉजी, उच्च शिक्षा, चिकित्सा और व्यापार जैसे क्षेत्रों में अवसरों की तलाश में हैं। जानकारों के मुताबिक यही प्रवासन अमेरिका में अगले 50 सालों में धार्मिक विविधता को नया आकार देगा। रिपोर्ट के मुताबिक सिर्फ अमेरिका ही नहीं, बल्कि ब्रिटेन, संयुक्त अरब अमीरात, पाकिस्तान, इंडोनेशिया, मलेशिया और बांग्लादेश जैसे देशों में भी हिंदू जनसंख्या में फेरबदल देखने को मिलेगा। वैश्विक स्तर पर, हिंदू आबादी में होने वाली कुल वृद्धि का करीब 88फीसदी हिस्सा अकेले भारत में केंद्रित रहेगा। अनुमान है कि भारत में हिंदुओं की संख्या 2020 के 1.11 अरब से बढ़कर 2070 तक 1.29 अरब के पार जा सकती है। भारत और नेपाल दुनिया के ऐसे दो राष्ट्र बने रहेंगे जहां हिंदू समुदाय स्पष्ट बहुमत में होगा। हालांकि, जनसंख्या वृद्धि की अलग-अलग दरों के कारण भारत की कुल आबादी में हिंदुओं का अनुपात 79फीसदी से घटकर 76फीसदी के आसपास रह सकता है।
आने वाले पांच दशकों में, अमेरिका वैश्विक मानचित्र पर पांचवीं सबसे बड़ी हिंदू आबादी वाले देश के रूप में उभर सकता है। इस बदलाव से अमेरिका के अंदर धार्मिक समीकरणों पर भी असर पड़ेगा। वहां ईसाई और मुस्लिम समुदाय पहले और दूसरे सबसे बड़े धार्मिक समूह बने रहेंगे, जबकि हिंदू आबादी यहूदी समुदाय को पीछे छोड़ते हुए अमेरिका का तीसरा सबसे बड़ा धार्मिक वर्ग बन सकती है। जानकारों के मुताबिक यह स्थिति अमेरिकी समाज में बढ़ते बहुसांस्कृतिक ताने-बाने को दर्शाती है और इस समुदाय की भूमिका वहां की अर्थव्यवस्था और नीति निर्माण में भी गहरी होगी, क्योंकि शिक्षा और आय के मामले में यह वर्ग पहले से ही अमेरिका के सबसे समृद्ध समुदायों में गिना जाता है।

निखिल गुप्ता ने अपनी गलतियों के लिए अदालत में मांगी माफी , पन्नू हत्या की साजिश मामले में मिली 19 साल 7 महीने की सजा

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका की एक संघीय अदालत ने खालिस्तानी अलगाववादी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की नाकाम साजिश में भूमिका के मामले में भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता को 19 साल 7 महीने जेल की सजा सुनाई है। न्यूयॉर्क के दक्षिणी जिले के अमेरिकी जिला जज विक्टर मारेरो ने शुक्रवार को करीब 80 मिनट की सुनवाई के बाद यह फैसला सुनाया। गुप्ता को कुल 235 महीने जेल में बिताने होंगे। अदालत में निखिल ने अपने किए पर पछतावा जताया और माफी भी मांगी। गौरतलब है कि 55 वर्षीय निखिल गुप्ता ने फरवरी 2026 में अपने खिलाफ लगाए गए तीन आरोपों में दोष स्वीकार किया था। इनमें सुपारी देकर हत्या कराने, हत्या की साजिश रचने और मनी लॉन्ड्रिंग की साजिश से जुड़े आरोप शामिल थे। अमेरिकी अभियोजकों के अनुसार, मामला 2023 में न्यूयॉर्क में पन्नू की हत्या की कथित योजना से जुड़ा है।
गुप्ता को चेक गणराज्य से किया गया था गिरफ्तार- अभियोजन पक्ष के मुताबिक, गुप्ता ने जिस व्यक्ति से अपराध के लिए संपर्क किया था, उसे वह साजिश में सहयोगी समझ रहा था, लेकिन वह अमेरिकी ड्रग एनफोर्समेंट एडमिनिस्ट्रेशन (डीईए) का गोपनीय सूत्र था। जांच आगे बढ़ने पर अमेरिकी एजेंसियों के अंडरकवर अधिकारियों ने भी मामले में भूमिका निभाई और कथित साजिश से जुड़े सबूत जुटाए। गुप्ता को जून 2023 में चेक गणराज्य में गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद जून 2024 में उसे अमेरिका प्रत्यर्पित किया गया।

अमेरिका में 90 दिन के ब्लैकआउट की अफवाह, घरों में जमा हो रहा राशन-पानी

चावल, डिब्बाबंद भोजन और पानी की खरीदारी में तेजी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में इन दिनों आम लोग पानी की बोतलें, डिब्बाबंद खाद्य सामग्री, चावल, प्रोपेन गैस और जनरेटर जैसी रोजमर्रा की चीजें भारी मात्रा में खरीदकर घरों में स्टोर कर रहे हैं। इस अचानक बढ़ी खरीदारी के पीछे कोई प्राकृतिक आपदा या तूफान की चेतावनी नहीं, बल्कि सोशल मीडिया पर तेजी से फैल रही अफवाह है। ऑनलाइन मंचों पर दावा किया जा रहा है कि पूरे देश में अगले 90 दिनों तक बिजली और अन्य आवश्यक सेवाएं पूरी तरह बंद हो सकती हैं।
हालांकि यह दावा पूरी तरह निराधार है, लेकिन लोगों में डर इतना बढ़ गया है कि वॉलमार्ट, कॉस्टको और ट्रैक्टर सप्लाई जैसे प्रमुख रिटेल स्टोरों पर आपातकालीन वस्तुओं की बिक्री में भारी उछाल आया है। वॉलमार्ट के अनुसार, इस महीने की शुरुआत में प्रोपेन, बोतलबंद पानी और कैंपिंग से जुड़े सामान की मांग कई गुना बढ़ गई, जबकि कॉस्टको में चावल, डिब्बाबंद भोजन और पानी की खरीदारी में तेजी आई है।
इस घबराहट भरी खरीदारी की शुरुआत किसी एक घटना से नहीं हुई, बल्कि इसकी जड़ें सितंबर के अंत में जारी अमेरिकी रक्षा विभाग के निर्देश से जुड़ी हैं। सैन्य तैयारियों से संबंधित उस निर्देश को सोशल मीडिया पर तोड़-मरोड़कर 90 दिनों के ब्लैकआउट की चेतावनी के रूप में दिखया गया है। इसके बाद टिकटॉक पर इसरतह के कई फर्जी वीडियो वायरल होने लगे, जिसमें कहा गया कि 17 नवंबर से पूरे अमेरिका की बिजली व्यवस्था ठप्प हो जाएगी। कुछ फर्जी वीडियो में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को ऐसी घोषणा करते हुए दिखाया गया था। अमेरिकी आपदा प्रबंधन एजेंसी फेमा द्वारा 17 नवंबर को देशव्यापी इमरजेंसी अलर्ट सिस्टम के लिए निर्धारित एक सामान्य परीक्षण को भी सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं ने किसी बड़े संकट का संकेत बताकर अफवाहों से जोड़ दिया।
दूसरी ओर, अमेरिकी अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि देशभर में 90 दिनों तक बिजली कटौती की कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है और इंटरनेट पर वायरल हो रहे ये सभी दावे पूरी तरह झूठे साबित हुए हैं। हालांकि, अफवाहों के इसी दौर में कुछ वास्तविक तकनीकी गड़बड़ियों जैसे माइक्रोसॉफ्ट सेवाओं में रुकावट, हवाई यातायात की संचार प्रणाली में दिक्कत, बैंकिंग कामकाज प्रभावित होना और एप्पल के सॉफ्टवेयर अपडेट में समस्या ने लोगों के संदेह को और गहरा कर दिया। इसके अलावा, ब्रिटेन, जापान, जर्मनी और नॉर्वे जैसे देशों में चलाए जा रहे आपातकालीन जागरूकता अभियानों को भी सोशल मीडिया पर अमेरिका में होने वाले ब्लैकआउट के संकेत के तौर पर पेश किया गया, जिससे बेचैनी और बढ़ी। आरबीसी कैपिटल मार्केट्स का मानना है कि यदि भविष्य में कोई नया भू-राजनीतिक तनाव या साइबर हमला सामने आता है, तो लोगों की यह सावधानी घबराहट भरी अंधाधुंध खरीदारी में बदल सकती है।

अमेरिकी चिप युद्ध- पांच देशों पर प्रतिबंध, एआई उद्योग पर मंडराया संकट

वाशिंगटन ,एजेंसी। अमेरिका और चीन के बीच जारी चिप युद्ध अब एक नए और गंभीर मोड़ पर पहुंच गया है। अमेरिका ने पांच देशों को एडवांस्ड आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) चिप्स के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया है, जिसका उद्देश्य विदेशी डेटा सेंटरों के माध्यम से चीन को अमेरिकी तकनीक तक पहुंचने से रोकना है। इस कदम से वैश्विक एआई उद्योग में बड़ा संकट खड़ा हो गया है।
इस नियामक दबाव और संभावित लेखांकन मुद्दों की जांच की खबरों के बीच, चिप निर्माता कंपनी एनवीडिया के शेयर 20 नवंबर को 11.5 प्रतिशत तक गिर गए। रिपोर्ट के अनुसार, इन प्रतिबंधों से पूरे दक्षिण-पूर्व एशिया में एआई इंफ्रास्ट्रक्चर निवेश बाधित हो सकता है और चीन की सेमीकंडक्टर आत्मनिर्भरता की कोशिशों को बल मिल सकता है। यूएस ब्यूरो ऑफ इंडस्ट्री एंड सिक्योरिटी (बीआईएस) ने मलेशिया, थाईलैंड, इंडोनेशिया, सिंगापुर और ब्राजील को भेज जाने वाले एआई चिप्स के लिए निर्यात लाइसेंसिंग की आवश्यकताएं लागू की हैं। यह कार्रवाई मौजूदा निर्यात नियंत्रणों की खामियों को दूर करने के लिए की गई है, जिनके तहत चीनी कंपनियां विदेशी डेटा सेंटरों से अमेरिकी एआई चिप्स तक पहुंच बना रही थीं। अनुमान है कि प्रतिबंध लगने के बावजूद 2024 में लगभग 2.4 लाख एनवीडिया एआई चिप्स चीन भेज गए थे, जिसमें सिंगापुर की मेगास्पीड जैसी कंपनियां अलीबाबा को जीपीयू किराए पर दे रही थीं। ये रोक इसरतह के अप्रत्यक्ष एक्सेस को रोकने के लिए हैं।
सेमीकंडक्टर निर्यात और विदेशी कंप्यूटिंग इंफ्रास्ट्रक्चर पर अमेरिका की बढ़ती निगरानी से एनवीडिया को भविष्य में चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। कंपनी का एआई इकोसिस्टम में 61 बिलियन डालर का इक्विटी निवेश और 164.5 बिलियन डालर की लीज़ गारंटी है। एआई इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंसिंग में कमी से छोटे क्लाउड प्रदाता प्रभावित होगा, जो उन्नत चिप्स पर निर्भर हैं। इसका असर एआई इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी कोरवीव पर पहले ही दिख चुका है, जिसके शेयर मूल्य में 25 प्रतिशत की गिरावट आई है।
इस बीच, चीन अमेरिकी तकनीक पर अपनी निर्भरता कम करने के लिए घरेलू सेमीकंडक्टर क्षमताओं को विकसित करने के प्रयासों में तेजी ला रहा है। हाईसिलिकॉन, कैम्ब्रिकॉन और लूंगसन जैसी कंपनियां चिप डिज़ाइन में, एसएमआईसी और हुआ होंग सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग में, और नौरा व एएमईसी उपकरण आपूर्ति में सक्रिय हैं। अनुमान है कि 2025 तक चीन का सेमीकंडक्टर उपकरण बाजार 49 बिलियन डालर और सामग्री बाजार 16 बिलियन डालर का होगा, जो घरेलू आपूर्ति-श्रृंखला के विकास की क्षमता को दर्शाता है। यह तकनीकी होड़ एआई के भविष्य और वैश्विक भू-राजनीतिक परिदृश्य को नया आकार दे रही है।

बांग्लादेश में फिर हिंसा, हसीना समर्थकों के 50 घर जलाए

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में हिंसा की घटनाएं रुकने का नाम नहीं ले रहीं। नराइल जिले में शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग के नेताओं, कार्यकर्ताओं और समर्थकों के करीब 50 घरों और दुकानों में आग लगा दी गई। घटना कालिया उपजिला के बेंदर चार गांव में हुई। स्थानीय लोगों के मुताबिक हमले दोपहर से देर रात तक जारी रहे। हमलावरों ने कई घरों में तोडफ़ोड़ की और वहां रखा फर्नीचर, कीमती सामान और दूसरी चीजें लूट लीं। पूर्व पीएम शेख हसीना देश लौटने की बात कह चुकी हैं। इसके बाद से ही तनाव बढ़ गया है। बीते दिनों हुई हिंसा में पीएम तारिक रहमान की पार्टी बीएनपी के दो नेताओं की हत्या हुई थी। स्थानीय लोगों ने इन हमलों के लिए पीएम तारिक रहमान की पार्टी बीएनपी के कार्यकर्ताओं को जिम्मेदार बताया है। हालांकि, हमले में शामिल लोगों की पहचान नहीं हुई। पूर्व अवामी लीग सांसद बीएम कबीरुल हक मुक्ति बिस्वास का पुश्तैनी घर भी जला दिया गया है।

क्रीमिया ब्रिज पर हुए हमले का रुस ने लिया बदला, यूक्रेन पर दागे ड्रोन व मिसाइलें

हमले में आठ की मौत, कई पुल, बिजली-पानी सप्लाई और रेलवे को पहुंचा नुकसान

कीव, एजेंसी। रूस ने यूक्रेन के क्रीमिया ब्रिज पर हुए हमले का बदला ले लिया। यूक्रेन पर रुस ने 400 से ज्यादा ड्रोन और 110 से ज्यादा मिसाइलें दागीं। इस हमले में आठ लोगों की मौत हो गई। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने बताया कि रूस ने हमले में 27 बैलिस्टिक मिसाइलों का भी इस्तेमाल किया गया। उन्होंने इसे युद्ध के सबसे बड़े हमलों में से एक बताया। हमले में कई पुलों, बिजली-पानी की सप्लाई और रेलवे को नुकसान पहुंचा है।
बता दें इससे पहले गुरुवार को रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने क्रीमिया ब्रिज पर हमले पर नाराजगी जताई थी। उन्होंने चेतावनी दी थी कि रूस इस हमले का दर्दनाक जवाब देगा। यूक्रेन के प्रधानमंत्री ने बताया कि हमले में मारे गए आठ लोगों में से 6 कीव के रहने वाले थे। बाकी 2 लोगों की मौत पश्चिमी शहर लवीव के एक रेलवे स्टेशन पर हुई। रातभर हुए हमलों में कीव में कई धमाके हुए। जान बचाने के लिए लोग मेट्रो स्टेशनों में छिप गए। रूस ने निप्रो नदी पर बने कीव के 3 पुलों को भी निशाना बनाया। सरकार ने लोगों से अपील की कि वे कार से काम पर जाने से बचें। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जेलेंस्की ने आरोप लगाया कि रूस ने हमले की रणनीति ऐसी बनाई थी, जिससे ज्यादा से ज्यादा तबाही हो। उन्होंने कहा कि रूसी सेना ने क्लस्टर वारहेड वाली मिसाइलों का भी इस्तेमाल किया। इन मिसाइलों में एक बड़े बम से कई छोटे बम निकलते हैं, जो बड़े इलाके में तबाही मचा सकते हैं। जेलेंस्की के मुताबिक रूस ने मिसाइलें एक साथ दागने के बजाय कई समूहों में छोड़ीं। हर हमले के बीच 20 से 30 मिनट का अंतर रखा। इससे राहत और बचाव टीमों को काम करने में मुश्किल हुई। वे आग बुझाने, मलबा हटाने और बिजली-पानी जैसी जरूरी सेवाएं बहाल करने में जुटी थीं। उन्होंने कहा कि पुतिन ने यह हमला बेहद सोच-समझकर और दिखावे के तौर पर किया। जेलेंस्की ने चीन में हुई बैठकों को कमजोर बताया और कहा कि दुनिया की व्यवस्था को अपने हिसाब से बदलने की रूस

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)